जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 150 प्रभात बीकानेर, मंगलवार 23 दिसम्बर, 2025 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

क्या बंगाल में भाजपा का "ट्रंप कार्ड" साबित होंगे नए अध्यक्ष नितिन नबीन

बंगाल में भाजपा ने "भद्रलोक" (जिसमें कायस्थ अधिक हैं) वोटर्स को साधने की रणनीति बनाई है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर। भाजपा नेतृत्व को उम्मीद है कि पार्टी के नवनियुक्त कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन पश्चिम बंगाल में एक "ट्रम्प कार्ड" के रूप में उभरेंगे, जहाँ कुछ ही महीनों में चुनाव होने हैं।

- बंगाल में हालांकि भद्रलोक के वोटर्स की संख्या कम है पर वे आम वोटर्स को प्रभावित कर सकते हैं। बंगाल की कई नामचीन हस्तियां इसी वर्ग से आती हैं, जैसे, स्वामी विवेकानन्द, अरबिंदो घोष, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, चितरंजन दास, ज्योति बसु, सत्यजित रे, बिमल मित्र आदि।
- बिहार में भाजपा के गठबंधन एनडीए और विपक्ष के महागठबंधन में मात्र 0.1 प्रतिशत का वोट अंतर था पर बंगाल में तृणमूल का वोट शेयर भाजपा से 10 प्रतिशत अधिक है। बिहार के विपरीत यहां भाजपा को छोटे-छोटे दलों का सहारा भी नहीं है।
- सवाल यह है कि क्या भद्रलोक को साधकर भाजपा तृणमूल के आसपास पहुंच पाएगी?

बिहार चुनावों के सबक पश्चिम बंगाल में भाजपा के काम नहीं आयेंगे। बिहार में एनडीए ने महागठबंधन के खिलाफ 0.1 प्रतिशत वोट शेयर के अंतर के साथ अपने चुनावी अभियान की शुरुआत की थी, जबकि पश्चिम बंगाल में 2021 के पिछले चुनावों में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का वोट शेयर 10 प्रतिशत अधिक था। बिहार में भाजपा की सफलता में छोटे दलों, जिनमें एलजेपी (आरवी) शामिल है, के साथ गठबंधन का बड़ा योगदान था, लेकिन पश्चिम बंगाल में भाजपा के पास ऐसा कोई विकल्प नहीं है, क्योंकि वहाँ केवल वामपंथी और कांग्रेस ही अन्य प्रमुख दल हैं, तथा स्वतंत्र उम्मीदवार के भी छोटी-मोटी संख्या में ही चुनावी मैदान में उतरने की उम्मीद है। ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस की महिला वोटरों पर काफी मजबूत पकड़ है। तो, भाजपा इन चुनौतियों से कैसे काबू पायेगी।

जाहिर है, भाजपा का सबसे अच्छा विकल्प, टीएमसी के साथ ही, वामपंथी और कांग्रेस के मूल समर्थन आधार को साधना है और उन 'भद्रलोक' वोटरों की स्वीकृति प्राप्त करने की कोशिश करना है, जो संख्या में कम होते हुए भी चुनाव परिणामों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। यही वह जगह है, जहाँ नबीन, जो कि कायस्थ जाति से हैं, की महत्वपूर्ण भूमिका की उम्मीद है।

बंगाल के कायस्थ, जो शिक्षित और प्रभावशाली हैं, अपनी प्राचीन परंपरा पर गर्व करते हैं। जाने-माने बंगाली कायस्थों में स्वामी विवेकानंद, श्री अरविंदो घोष, नेताजी सुभाष चंद्र बोस, ज्योति बसु, चितरंजन दास, सत्यजीत रे, बिमल मित्र, जैमिनी राय, अमर्त्य सेन और सर जदुनाथ सरकार जैसे बड़े नाम शामिल हैं। भाजपा नेतृत्व को उम्मीद है कि नये कार्यकारी अध्यक्ष, अपने जमीनी दृष्टिकोण के साथ, इस वर्ग

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'भारत हिंदू राष्ट्र है'

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 22 दिसंबर इस बात पर जोर देते हुए कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कोलकाता में कहा कि इसके लिए किसी संवैधानिक मंजूरी की जरूरत नहीं है, क्योंकि यह सच है।

आरएसएस के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि भारत एक हिंदू राष्ट्र है और तब तक रहेगा जब तक देश में भारतीय संस्कृति को महत्व दिया जाता रहेगा।

भागवत ने कोलकाता में आरएसएस के '100 व्याख्यान माला'

- संघ प्रमुख भागवत ने यह दावा करते हुए कहा, संविधान में हिंदू राष्ट्र शब्द जुड़े तो ठीक, ना जुड़े तो भी ठीक, हमें फर्क नहीं पड़ता क्योंकि भारत एक हिंदू राष्ट्र है यह सत्य है।

कार्यक्रम में कहा, सूरज पूर्व दिशा से उगता है। हमें नहीं पता यह कब से हो रहा है। तो क्या इसके लिए भी हमें संविधान की मंजूरी चाहिए? हिंदुस्तान एक हिंदू राष्ट्र है। जो भी भारत को अपनी मातृभूमि मानता है, वह भारतीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीएमसी चुनाव में एक हुई मुम्बई की "फर्स्ट फैमिली"

20 सालों में यह पहली बार है जब उद्धव और राज ठाकरे साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर। मुंबई की राजनीति में 'पहला परिवार' माने जाने वाले ठाकरे परिवार ने सोमवार सुबह एक बड़े चुनावी पुनर्मिलन की दिशा में एक कदम और बढ़ाया। सूत्रों के मुताबिक, अगले महीने होने वाले बृहन्मुंबई महानगरपालिका चुनावों के लिए सीटों के बंटवारे पर इस परिवार में आखिरकार सहमति बन गई है।

पिछले 20 वर्षों में यह पहला अवसर होगा, जब ठाकरे परिवार के दो सबसे बड़े नेता एक साथ मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

इस बीच, कांग्रेस इस व्यवस्था का बिल्कुल भी हिस्सा नहीं है। कुछ लोगों का मानना है कि यह स्थिति महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के भीतर तनाव को दर्शाती है, खासकर ठाकरे भाइयों के एकजुट होने के बाद। महाराष्ट्र के स्थानीय निकाय चुनावों में एमवीए को झटका लगने के बाद भी, कांग्रेस को अपनी राजनीतिक वापसी की उम्मीद है।

बड़े संकटों के दौर में, दलितों, मुसलमानों और अन्य सामाजिक रूप से कमजोर वर्गों ने कांग्रेस के साथ खडे होकर, देश की इस सबसे पुरानी राजनीतिक पार्टी पर भरोसा जताया है।

- बीएमसी की 227 सीटों में से उद्धव ठाकरे की शिवसेना 157 और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना 70 सीटों पर चुनाव लड़ेंगी।
- इस नई व्यवस्था में शिवसेना (उद्धव ठाकरे) के सहयोगी दलों, कांग्रेस व एनसीपी (शरद पवार) को कोई जगह नहीं मिली है इससे महाराष्ट्र विकास अघाड़ी गठबंधन के कमजोर होने के संकेत मिल रहे हैं।

महाराष्ट्र के शहरी स्थानीय निकाय चुनावों के नतीजे अप्रत्याशित नहीं रहे और भाजपा इन चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। लेकिन कांग्रेस ने भी इन चुनावों में अपनी राजनीतिक ताकत दिखाई और सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए एक हल्की सी चुनौती पेश की।

इस सफलता का श्रेय कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार, कांग्रेस लोकसभा सांसद प्रतिभा धनोरकर और महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाले को जाता है।

कांग्रेस द्वारा जीते गये कुल 34 नगर परिषद अध्यक्ष पदों में से आठ सीटें चंद्रपुर जिले की और तीन सीटें बुलढ़ाणा जिले की थीं।

विश्वजीत कदम अपने गढ़ को बचाने में सफल रहे, लेकिन महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष नाना पटोले और कांग्रेस विधायक अमित देशमुख अपनी पकड़ बनाए रखने में असफल रहे।

शहरी स्थानीय निकाय चुनावों में, भाजपा ने कुल 288 में से 120 नगर परिषद अध्यक्ष पद जीते, जबकि एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना को 56 और उपमुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी को 36 पद मिले।

उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के सूत्रों ने बताया कि शिव सेना बीएमसी की 227 सीटों में से 157 पर चुनाव लड़ेगी, जबकि शेष 70 सीटों पर उद्धव के चचेरे भाई राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना अपने उम्मीदवार उतारेगी।

इस व्यवस्था के बाद, शरद पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, जो कांग्रेस के साथ मिलकर शिवसेना-नेतृत्व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ऐथनॉल ब्लैंडिंग की सफलता के बीच गडकरी फिर विवादों में

उनके खिलाफ सबसे बड़ा आरोप है कि ऐथनॉल ब्लैंडिंग कार्यक्रम में उन्होंने अपने बेटों को व्यवसायिक लाभ पहुंचाया है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर। केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी भारत की 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण नीति (ई 20) को लेकर एक बड़े विवाद में घिर गए हैं। यह विवाद मुख्य रूप से हितों के टकराव के आरोपों, वाहनों के प्रदर्शन से जुड़ी चिंताओं और राजनीतिक विरोध पर केन्द्रित है।

- एक विवाद यह भी है कि ऐथनॉल युक्त पैट्रोल-डीज़ल से वाहनों के इंजन खराब हो रहे हैं और वाहनों का माइलेज भी घट गया है।
- लेकिन नितिन गडकरी इन सभी आरोपों से इनकार करते हैं, उनका कहना है कि पैट्रोल लॉबी पैसे देकर उनके खिलाफ यह दुष्प्रचार करवा रही है।

उन पर लगाए गए प्रमुख आरोपों में सबसे अहम हितों के टकराव का है। सितंबर 2025 में कांग्रेस पार्टी और कई सामाजिक कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि नितिन गडकरी ने सरकारी नीति का इस्तेमाल अपने परिवार के व्यवसायों को लाभ पहुंचाने के लिए किया।

आरोपों के अनुसार, उनके बेटे निखिल गडकरी द्वारा संचालित सियान एग्रो इंडस्ट्रीज की आय वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही में 17.47 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में 510 करोड़ रुपये से अधिक हो गई।

इसी तरह, उनके दूसरे बेटे सारंग गडकरी द्वारा संचालित मानस एग्रो इंडस्ट्रीज भी एथेनॉल सप्लाई चेन (आपूर्ति श्रृंखला) की एक बड़ी कंपनी बताई जाती है। आलोचकों का कहना है कि ई20 ईंधन को पूरे देश में तेजी से लागू किए जाने के कारण इन कंपनियों को असाधारण मुनाफा हुआ।

वाहनों के प्रदर्शन को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। कई उपभोक्ताओं और विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ई20 फ्यूल कोरोसिव (संक्षारक) प्रकृति का है और अप्रैल 2023 से पहले बने वाहनों के इंजनों की उम्र कम कर सकता है। कुछ रिपोर्टों में माइलेज में 3 से 8 प्रतिशत तक की गिरावट और फ्यूल सिस्टम तथा रबर गैस्केट को नुकसान की आशंका जताई गई है।

नितिन गडकरी ने इन सभी आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें पेड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'आईपीएस पंकज चौधरी के बकाया प्रमोशनों पर प्रोविज़नल तौर पर विचार करें'

जयपुर, 22 दिसंबर। केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने आईपीएस अधिकारी पंकज चौधरी को राहत देते हुए राज्य सरकार को कहा है कि वह डीपीसी के तहत उनके बकाया चल रहे प्रमोशन पर प्रोविजनल तौर पर विचार

- केन्द्रीय प्रशासनिक प्राधिकरण (कैट) ने राज्य सरकार को निर्देश दिये।

करे। अधिकरण ने यह आदेश पंकज चौधरी के प्रार्थना पत्र पर दिए।

मामले से जुडे अधिवक्ता अनुपम अग्रवाल ने बताया कि प्रार्थी के खिलाफ चल रहे केसों के कारण तीन प्रमोशन बकाया हैं। इनमें साल 2018 से जूनियर एडमिनिस्ट्रेटिव और 2021 से सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव रैंक के प्रमोशन शामिल हैं। इसके साथ ही साल 2023 से उनका डीआईजी रैंक का प्रमोशन भी रुका हुआ है। राज्य सरकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ऐथनॉल ब्लैंडिंग में 20 प्रतिशत लक्ष्य हासिल, भारत की बड़ी उपलब्धि

महत्वपूर्ण बात यह है कि यह उपलब्धि तय समय से 5 साल पहले ही प्राप्त कर ली गई है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर। भारत को ऐथनॉल ब्लैंडिंग कार्यक्रम में 20 प्रतिशत की लक्ष्य प्राप्ति तय अवधि से पांच साल पहले ही हो गई है, जिससे कच्चे तेल के आयात व्यय में कटौती हुई है और यह सतत ईंधन परिवर्तन में एक महत्वपूर्ण कदम है।

- पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले जीवाश्म ईंधन (पैट्रोल-डीज़ल) से इकोफ्रेंडली ईंधन के इस्तेमाल की तरफ जाने की दिशा में यह बड़ी सफलता है।
- ऐथनॉल उत्पादन में भारत विश्व में तीसरे नम्बर पर है पहले स्थान पर यूएसए तथा दूसरे पर ब्राज़ील है।

भारत के फ्यूल पंपों पर दशकों की सबसे बड़ी परिवर्तन प्रक्रिया चल रही है। देश का ऐथनॉल ब्लैंडेड पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम पायलट चरण से राष्ट्रीय स्तर तक फैल चुका है, जिसमें ऐथनॉल सप्लाई इयर (ईएसवाय) 2024-25 में ब्लैंडिंग औसतन 19 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है और ईएसवाय 2025-26 में ई 20 पेट्रोल में 20 प्रतिशत ऐथनॉल का राष्ट्रीय लक्ष्य रखा गया है।

पिछले पांच वर्षों में, ब्लैंडिंग 8.10 प्रतिशत से बढ़कर ईएसवाय 2020-21 में 14.60 प्रतिशत तक पहुंच गई, जब 707.40 करोड़ लीटर ऐथनॉल पेट्रोल में मिलाया गया। बिल्कुल हाल ही में ईएसवाय (नवंबर 2024 से अक्टूबर 2025 तक) में, 1,022.4 करोड़ लीटर ऐथनॉल मिलाया गया, जिससे औसतन 19.24 प्रतिशत की ब्लैंडिंग हासिल हुई, जो ई 20 लक्ष्य के बेहद करीब है।

यह जानकारी 8 दिसम्बर 2025 को राज्य सभा में पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री सुरेश गोपी द्वारा एक लिखित उत्तर में दी गई थी।

इंडियन शुगर एण्ड बायो एनर्जी मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएसएमए) की वार्षिक आम बैठक के दौरान, दीपक बलानी, महासचिव, आईएसएमए ने कहा: "भारत ने ई 20 के लक्ष्य को बहुत तेज़ी से हासिल किया है। लक्ष्य 2030 तक 20 प्रतिशत ब्लेंडिंग का था, लेकिन हम इसे पांच साल पहले ही प्राप्त कर चुके हैं। जो काम ब्राजील जैसे देशों ने 20 साल में किया, हमने वह सिर्फ 7-8 साल में कर दिखाया।

ऐथनॉल ब्लैंडिंग भारत को विदेशी मुद्रा (फॉरेक्स) की बचत में भी मदद कर रहा है, क्योंकि यह कच्चे तेल के आयात बिल को कम कर रहा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने 4 दिसम्बर 2025 को संसद में बताया कि पिछले कुछ वर्षों में ऐथनॉल ब्लैंडिंग की वजह से देश ने 1,55,000 करोड़ की विदेशी मुद्रा की बचत की है।

इन लाभों के बावजूद, और 2024 में 6.2 बिलियन लीटर ऐथनॉल का उत्पादन करने के बावजूद, भारत अभी भी वैश्विक नेताओं, अमेरिका और ब्राज़ील से पीछे है, जैसा कि टोयोटा किर्लोस्कर मोटर द्वारा प्रदान किए गए आंकड़ों से पता चलता है।

वैश्विक ऐथनॉल उत्पादन में अमेरिका की हिस्सेदारी 52 प्रतिशत (61.4 बिलियन लीटर) है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

वनरक्षक पेपर लीक में लेखाकार व वनरक्षक गिरफ्तार

जयपुर, 22 दिसंबर। राजस्थान में सरकारी भर्तियों में फर्जीवाड़े के खिलाफ चल रही मुहिम के तहत स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी)ने वनरक्षक भर्ती-2020 परीक्षा के पेपर लीक मामले में कार्रवाई करते हुए, पेपर पढ़ाने वाले लेखाकार सहित वनरक्षक को गिरफ्तार किया है। अब जाकर एसओजी की जांच में खुलासा हुआ है कि उदयपुर व बांसवाड़ा के अलावा जयपुर में भी वनरक्षक भर्ती का पेपर लीक हुआ

- एसओजी ने अपने घर पर लीक पेपर पढ़वाने वाले वनरक्षक तथा लीक पेपर पढ़कर वनरक्षक की नौकरी हासिल करने वाले को गिरफ्तार किया।

था। जयपुर में एक लेखाकार ने अपने घर पर वनरक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों को लीक पेपर पढ़वाया था। इसके बाद एसओजी ने अपनी जांच का दायरा बढ़ाते हुए आरोपी लेखाकार सहित, लीक पेपर पढ़कर परीक्षा पास करने और नौकरी हासिल करने वाले वनरक्षक को पकड़ा है। जांच में सामने आया कि दोनों आरोपी साले-बहनोई हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एसओजी विशाल बंसल ने बताया कि वनरक्षक भर्ती पेपर लीक मामले के पिछले दिनों गिरफ्तार मुख्य आरोपी जबराराम से पूछताछ में पता चला कि टोडाभीम निवासी लेखाकार अमन जोरवाल ने जयपुर में अपने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

घोषणा के साथ ही झटका लगा भारत न्यूज़ीलैंड ट्रेड डील को

न्यूज़ीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने इसे "बैड डील" करार दिया

- डॉ. सतीश मिश्रा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 22 दिसंबर। भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनके समकक्ष क्रिस्टोफर लक्सन द्वारा बड़े जोर-शोर से घोषित मुक्त व्यापार समझौते (फ्री ट्रेड एग्रीमेंट -एफटीए) को एक उस समय एक तगड़ा झटका लगा, जब सत्ताधारी गठबंधन के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने इसे "खराब समझौता" करार देते हुए कहा कि यह "बहुत अधिक देने" तथा "बहुत कम" प्राप्त करने वाला समझौता है।

दोनों प्रधानमंत्रियों ने इस समझौते को स्वीकरण एक टेलीफोन कॉल के दौरान किया, जो द्विपक्षीय, आर्थिक और रणनीतिक संबंधों के एक बड़े विस्तार का संकेत देता है। इस समझौते पर तीन महीनों के भीतर हस्ताक्षर होने की उम्मीद है और 2026 में यह क्रियान्वित हो जायेगा।

दोनों पक्षों ने इसे ऐतिहासिक, महत्वाकांक्षी और पारस्परिक रूप से लाभकारी बताया, और यह भारत-न्यूज़ीलैंड एफटीए रिकॉर्ड नौ महीने में पूरा हो गया। इस समझौते की विधिवत बातचीत पीएम लक्सन की मार्च 2025 में भारत यात्रा के दौरान शुरू हुई थी।

न्यूज़ीलैंड के विदेश मंत्री पीटर्स ने न्यू दिल्ली और वेलिंगटन के बीच हुए इस एफटीए का विरोध करते हुए कहा कि राष्ट्रीय नेतृत्व वाली सरकार ने डील में "सब्स्टैंस" का ध्यान नहीं रखा और शीघ्र डील होने पर ध्यान रखा।

पीटर्स, जो "न्यूज़ीलैंड फर्स्ट पार्टी" के नेता और सरकार में गठबंधन साझीदार हैं, ने कहा कि उनकी पार्टी "खेद सहित" इस समझौते के खिलाफ

- विंस्टन पीटर्स ने कहा, इसमें न्यूज़ीलैंड को बहुत कुछ देना पड़ेगा पर बदले में उसे बहुत कम मिलेगा। पीटर्स न्यूज़ीलैंड फर्स्ट पार्टी के नेता हैं, जो न्यूज़ीलैंड की गठबंधन सरकार का हिस्सा है।
- भारत और न्यूज़ीलैंड के प्रधानमंत्रियों ने टेलिफोन वार्ता में इस डील की घोषणा की। इस डील पर तीन माह के भीतर हस्ताक्षर होने और इसके 2026 में क्रियान्वित होने की संभावना है।

है और जब यह संसद में पेश होगा तो वे इसके सक्षम कानून का रूप लेने के खिलाफ मतदान करेंगे।

पीटर्स ने एक्स पर लिखा, "हम भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौते को न तो मुक्त मानते हैं और न ही निष्पक्ष।" उन्होंने कहा कि यह समझौता न्यूज़ीलैंड के आर्थिक और श्रमिक हितों की रक्षा करने में विफल रहा है।

उन्होंने कहा, दुख की बात यह है कि यह न्यूज़ीलैंड के लिए एक खराब समझौता है। यह देता बहुत ज्यादा है, खासकर आप्रवासन के मामले में, और न्यूज़ीलैंडवासियों के लिए बहुत कम प्राप्त करता है, जिसमें डेरी उत्पाद क्षेत्र भी शामिल है।

पीटर्स ने कहा, "प्रति व्यक्ति आधार पर, राष्ट्रीय सरकार ने न्यूज़ीलैंड के श्रम बाजार में भारत को कहीं अधिक पहुंच दे दी है, जितनी ऑस्ट्रेलिया या इंग्लैंड ने अपने को सुरक्षित करने के लिए नहीं दी थी। यह न्यूज़ीलैंड के वर्तमान श्रम बाजार की स्थिति को देखते हुए यह बेहद अव्यावहारिक है, जहां बहुत से न्यूज़ीलैंडवासी बेरोजगारी या आर्थिक रूप से मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं।"

उन्होंने भारतीय नागरिकों के लिए एक नया रोजगार वीज़ा सृजित के बारे में भी चिंता जताई।

उन्होंने कहा, खासतौर से भारत के नागरिकों के लिए एक नया रोजगार वीज़ा बनाने से न्यूज़ीलैंड में भारतीय आप्रवासन में काफी बढ़ोतरी हो सकती है जबकि हमारा श्रम बाजार पहले से ही बहुत तंग है।"

मोर का शिकार कर पार्टी करते ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष गिरफ्तार

उदयपुर, 22 दिसम्बर (कासं)। जिले के ऋषभदेव थाना क्षेत्र बिलख फला गडावत गांव में राष्ट्रीय पक्षी मोर का शिकार करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें एक रूपलाल पुत्र प्रेमशंकर मीणा कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष है तथा दूसरा हिस्ट्रीशीटर अर्जुनलाल पुत्र भगवान मीणा है, तीसरा आरोपी राकेश पुत्र कुरीचंद है। तीनों ही आरोपी एक गांव के हैं।

प्रकरण के अनुसार, रविवार को गश्त के दौरान एएसआई रमेशचन्द्र को ऋषभदेव थाना क्षेत्र बिलख फला

- श्रृषभदेव थाना पुलिस ने ब्लॉक अध्यक्ष रुपलाल प्रेम शंकर मीणा के साथ एक हिस्ट्रीशीटर अर्जुनलाल मीणा को भी पकड़ा।

गडावत गांव में नदी किनारे किसी जानवर का शिकार कर पार्टी करने के लिए पकाने की सूचना मिली। इस पर टीम मौके पर पहुंची। जहां तीनों आरोपी शिकार किए गये राष्ट्रीय पक्षी मोर को पकाते मिले। तीनों को दबोचकर तथा इनके कब्जे से शिकार किए मोर के अवशेष जब्त कर, पूछताछ के लिए थाने लेकर आए।

वन विभाग अधिकारियों को सूचना देने पर वनरक्षक सुमित्रा ने मौके पर पहुंच आवश्यक कार्यवाही शुरू की। इधर इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

तुम्हारा बायाँ हाथ जो देता है, उसे दायाँ हाथ ना जानने पाए। –बाइबल

कहीं 'जी राम जी' का 'जय राम जी' न हो जाये

राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून या नरेगा 2005 में मनमोहन सिंह सरकार द्वारा बनाया गया। इसके माध्यम से भारत के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले प्रत्येक परिवार के अकुशल श्रमिकों को साल में 100 दिन काम देने की गारंटी दी गई थी। स्वतंत्रता के बाद यह पहली बार हुआ जब ग्रामीणों को काम मांगने और प्राप्त करने का कानूनी अधिकार दिया गया । स्थानीय पंचायत से काम मांगने के लिए आवेदन देने के 15 दिन के अंदर यह अनिवार्य था कि उसे किसी न किसी काम पर, जो उसके निवास से पांच किलोमीटर से कम दूरी पर हो, उसे काम दिया जाए। काम न दे पाने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति को बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान था, जो देय मजदूरी का एक चौथाई होता था।

वैसे तो स्वतंत्रता के बाद कई प्रकार की योजनाएं बनाई गईं जिनके अंतर्गत ग्रामीणों को काम देने का प्रावधान था, जैसे 'फूड फॉर वर्क', एम्प्लॉयमेंट एश्योरेंस स्कीम;, 'जवाहर रोजगार योजना' आदि इनके अतिरिक्त अकाल की स्थिति में अकाल राहत कार्य के अंतर्गत भी ग्रामीणों को मजदूरी दी जाती थी। इन सब योजनाओं में काम देने की कोई गारंटी या कानूनी बाध्यता नहीं थी।

आवश्यकता अनुसार मजदूरों को काम पर लगाया जाता था। इस कारण संबंधित कार्यकारी एजेंसी इनमें कई बार मनमानी करती थी और इससे भ्रष्टाचार भी पनपता था। यह उल्लेखनीय है कि ग्रामीणों के पास मजदूरी का कोई विकल्प नहीं होने के कारण ठेकेदार/नियोक्ता, मजदूरों का आर्थिक शोषण करते थे और बहुत कम मजदूरी पर रखते थे। बंधुआ मजदूरी की प्रथा भी इसी प्रकार की व्यवस्था का परिणाम थी । लोग पीढ़ी दर पीढ़ी जमींदारों के यहां काम करते और उन्हें केवल नाम मात्र का खाना दिया जाता एवं कभी कभार उन्हें किसी कार्य हेतु कुछ राशि दे दी जाती थी।

यूपीए सरकार ने स्थिति की गंभीरता को पहचाना और इसमें क्रांतिकारी बदलाव करते हुए काम के अधिकार की गारंटी ग्रामीणों को दी। इस हेतु राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून, 2005 बनाया। 2009 में इसमें महात्मा गांधी का नाम जोड़कर इसे महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून बनाया जिसे मनरेगा के नाम से जाना जाता है।

नरेगा के प्रारंभिक वर्षों में, राजस्थान के नरेगा आयुक्त के पद पर लगभग सात माह काम करने का अवसर मिला। इस दौरान नरेगा में राजस्थान में, देश में सर्वाधिक रोजगार सृजन हुआ और एक वर्ष में लगभग 6000 करोड रुपए भारत सरकार ने जारी किए। यह कोई केंद्र प्रवृत्ति योजना नहीं थी एवं इसके लिए बजट की कोई सीमा नहीं थी । केवल एक आवश्यकता थी कि जितने लोग रोजगार मांगें उन्हें 15 दिन के अंदर रोजगार उपलब्ध करा दिया जाए। इस योजना के दिशा निर्देश में यह स्पष्ट लिखा गया था कि वही काम लिए जाएं जिन पर सामग्री खर्च कुल काम के 40 प्रतिशत से अधिक न हो एवं 60 प्रतिशत हिस्सा मजदूरी के रूप में दिया जाए। इस कानून के अंतर्गत भारत सरकार, मजदूरी का शत प्रतिशत एवं सामग्री एवं प्रशासनिक व्यय का 75 प्रतिशत राज्य सरकारों को उपलब्ध कराती थी। इसका मतलब यह हुआ कि राज्य सरकारों पर नरेगा के अंतर्गत होने वाले कुल व्यय का अधिकतम केवल 10 प्रतिशतभार ही आता था। यदि सामग्री का हिस्सा 40 प्रतिशत से कम है तो राज्य सरकार को 10 प्रतिशत से भी कम भुगतना पडता था।

यह कहना गलत नहीं होगा कि नरेगा में भ्रष्टाचार की कई घटनाएं सामने आईं । कई सरपंचों ने फर्जी मस्टर रोल भी बनाए और सामग्री पर होने वाले खर्च को बडा चढ़ा कर दिखाया । उस समय के सरपंचों को 'बोलेरो सरपंच' तक कहा जाने लगा, क्योंकि नरेगा बजट से कई भ्रष्ट सरपंचों ने बोलेरो गाड़ी खरीद ली थी । भ्रष्टाचार की आशंका को देखते हुए, पारदर्शिता की दृष्टि से यह निर्देश दिए गए थे कि जिन मजदूरों को भुगतान किया जाए उनकी सूची, मय मजदूरी के, विद्यालय अथवा अन्य सार्वजनिक भवन की दीवारों पर लिखवा दी जाए। इससे उन लोगों के नाम भी सामने आए जिन्हें मरने के बाद भी मजदूरी का भुगतान करना दिखा दिया गया।

हालांकि नरेगा में सोशल ऑडिट या सामाजिक अंकेक्षण का प्रावधान प्रारंभ से ही था, किंतु यह सामान्यत: एक औपचारिकता बनकर रह जाता था । सोशल ऑडिट फोरम की अध्यक्षता सरपंच द्वारा की जाती थी एवं ठााम सभा में सामान्यत: उपस्थिति बहुत कम होती थी। इसी को ध्यान में रखते हुए, राजस्थान ने पहल की और 2009 में भीलवाड़ा जिले की प्रत्येक पंचायत समिति में से एक चयनित पंचायत में वास्तविक गहन सोशल ऑडिट कराई गई। इस प्रक्रिया में देश के प्रसिद्ध शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों और अनेक सक्रिय सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भागीदारी निभाई। लगभग 15 दिनों में इन लोगों ने गांव गांव जाकर सरकारी रिकॉर्ड को सरलीकृत रूप में जनता के समक्ष प्रस्तुत किया और नरेगा की मूल अवधारणा से ग्रामीणों को परिचित कराया। पूरे देश की विभिन्न योजनाओं में नरेगा अकेली ऐसी योजना थी, जिसमें लाखों मजदूरों का विवरण ऑनलाइन वेबसाइट पर उपलब्ध था। मस्टर रोल और वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी को जनता के समझ में आने वाली भाषा में सरल तरीके से इन सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एकत्रित किया और समझाया। इस प्रक्रिया के बाद प्रत्येक पंचायत समिति के मुख्यालय पर जन सुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें प्रभारी मंत्री, कलेक्टर, जनता और जिला स्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया। जब सामग्री में किए गए घोटाले अथवा मजदूरी में दिए गए फर्जी नाम की बात सामने रखी गई तो कुछ स्थानों पर सरपंचों ने आगे बढ़कर गलती स्वीकारी और अतिरिक्त राशि सरकार में जमा करने की बात की ताकि वे आपराधिक कार्यवाही से बच सकें। यह पहला ऐसा उदाहरण था जिसे वास्तविक सोशल ऑडिट कहा जा सकता था। इस सोशल ऑडिट की सराहना भारत के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश ने भी की थी । भीलवाड़ा जिले में किए गए इस सामाजिक अंकेक्षण की प्रभावशीलता को देखते हुए इसे जब अन्य जिलों में भी करने का प्रयास किया गया तो सारे सरपंच लाम बंद हो गए और यह प्रक्रिया आगे बढ़ने से रोक दी गई। यदि सरकार साहस करके इसे अन्य जिलों में भी कर लेती तो संभवतया नरेगा में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में बहुत सहायता मिलती।

जिस जल्दबाजी में, बिना सोच विचार और बिना चर्चा के, 'जी राम जी' योजना लाई गई इसे शीघ्र ही सरकार को निरस्त करना पड़ सकता है। ऐसा हुआ तो,हम यह कहने पर विवश होंगे कि 'जी राम जी' को सरकार ने स्वयं नही ;जय राम जी; कह दिया है। सरकार इस स्थिति से कैसे निपटती है, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

2005 से 2025 तक लगभग 20 वर्ष तक नरेगा अकुशल श्रमिकों के लिए ;लाइफ लाइन; के रूप में काम करती रही. कोरोना के दौरान, विशेष कर जहां रोजगार के सारे साधन समाप्त हो गए थे, मनरेगा ही संकट मोचक के रूप में सामने आई।

अब तक नरेगा के अंतर्गत देश में कुल 15.5 करोड़ जॉब कार्ड जारी किए गए हैं तथा 12 करोड़ लोग काम कर रहे हैं। औसतन एक साल में 200 करोड़ मानव श्रम दिवस सृजित होते हैं। अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं जैसे विश्व बैंक, आई एम एफ आदि ने इसे रोजगार सृजन की विश्व की सबसे बड़ी और क्रांतिकारी योजना माना है। समय-समय पर नरेगा में होने वाले भ्रष्टाचार को कम करने के लिए कई प्रकार के उपाय किए गए किंतु इसमें और भी बहुत कुछ करने की आवश्यकता है। इस बात की भी शिकायतें मिलती थीं कि कई पंचायतें मजदूरों से काम कराने के बजाय वही काम मशीनों से करा लेती थीं। इस प्रकार अनधिकृत रूप से बचाई गई राशि ठेकेदार, सरपंच और भ्रष्ट अधिकारी आपस में बांट लेते थे। हालांकि इस योजना के अंतर्गत एक परिवार को 100 दिन तक काम प्राप्त करने का कानूनी अधिकार था किंतु वास्तविकता में औसतन 45 दिन प्रति परिवार ही काम मिल पाता था। लगभग 2 प्रतिशत परिवार ही 100 दिन काम कर पाते हैं। अत: काम के दिनों की संख्या नई योजना में 125 दिन करना अर्थ हीन है।

मोदी ने प्रधानमंत्री के कुछ समय बाद 2015 में संसद में नरेगा को यूपीए सरकार की विफलताओं का स्मारक तक करार दिया था। यह विडंबना ही है कि इसके बावजूद उनकी सरकार इसे 10 वर्षों तक चलाती रही और इसे बंद करने का साहस नहीं जुटा पाई। वास्तव में योजना यदि इतनी ही खराब थी तो सरकार ने उसे तत्काल ही बंद क्यों नहीं कर दिया?

सरकार ने हाल ही में अचानक मनरेगा के स्थान पर 'विकसित भारत - जी राम जी योजना' (विकसित भारत - गारंटी फॉर रोज़गार एवं आजीविका मिशन - ग्रामीण) की घोषणा कर दी और इस हेतु बिल संसद में विपक्ष के घोर विरोध के बावजूद न केवल प्रस्तुत किया अपितु केवल दो दिन की बहस के बाद 18 नवंबर को मध्यरात्रि के बाद संख्या बल के आधार पर इसे पारित भी करा लिया। राष्ट्रपति जी की अनुमति के बाद अब यह कानून भी बन चुका है। इसे सेलेक्ट कमेटी में भेजने की विपक्ष की मांग भी नहीं मानी गई।

नए कानून में नरेगा की आत्मा को ही मार दिया गया है। जो योजना मांग आधारित थी उसे केवल एक सामान्य केंद्र प्रवर्तित योजना के रूप में अब चलाया जाएगा। भारत सरकार तय करेगी कि किस राज्य को कितनी धनराशि देनी है। यदि भारत सरकार द्वारा राज्यों को दी जानी वाली राशि से किसी राज्य को खर्च करना है तो उसे अपने साधनों से करना होगा। इस प्रकार यह योजना मांग आधारित से बदलकर आपूर्ति आधारित हो गई है। यह सर्वविदित है कि अधिकांश राज्य भारी कर्ज में डूबे हुए हैं और बड़ी मुश्किल से अपना काम चला पाते हैं । वह इस योजना के अंतर्गत 40 प्रतिशत खर्च कैसे वहन कर पाएंगे ? अब तक राज्यों पर 10 प्रतिशत या उससे कम वित्तीय भार पड़ता था जो बढ़कर अचानक 40 प्रतिशत हो जाएगा। जब राज्य सरकार 40 प्रतिशत राशि वहन नहीं कर पाएगी तो केंद्र सरकार भी अपना हिस्सा नहीं देगी और इस प्रकार धीरे-धीरे यह योजना बंद हो जाएगी। भारत सरकार ने इस योजना को इस प्रकार का रूप दे दिया है कि वह चल ही न पाए ।

जिस प्रकार से योजना का नामकरण सरकार ने किया है उसे देखकर तो लगता है कि शब्दों को तोड मरोड़ करके योजना के नाम में जैसे-तैसे 'राम' शब्द को लाना ही सरकार का उद्देश्य रहा है ताकि इसका राजनीतिक लाभ लिया जा सके। सरकार को यह समझना होगा कि केवल 'राम' का नाम योजना से जोड़ने से कोई योजना भ्रष्टाचार मुक्त नहीं हो जाएगी। कुछ वर्षों पहले सुख;राम; नाम के मंत्री के यहां बिस्तर में करोड़ों रुपए के नोट बरामद हुए थे। गांधी जी की हत्या भी नाथू;राम; ने ही की थी। इसलिए केवल राम के नाम के आधार पर इस योजना का नामकरण करना, सरकार की नीयत में संदेह उत्पन्न करता है।

''विकसित भारत - जी राम जी'' राज्यों की स्वायत्तता पर भी प्रहार करती है । यह कहना गलत नहीं होगा कि इस योजना के माध्यम से भारत सरकार ने अधिकारों का केंद्रीकरण कर दिया है । इस प्रकार की व्यवस्था भारत के संघीय ढांचे पर गहरा आघात करती है । इसीलिए राज्य इसका विरोध कर रहे हैं। भाजपा शासित राज्य तो चाहते हुए भी इसका विरोध करने की स्थिति में नहीं हैं, किंतु अन्य राज्यों में इसका विरोध हो रहा है। जब इस योजना के अंतर्गत लोगों को का मिलना बंद हो जाएगा और भारत सरकार इसके प्रावधान को सीमित कर देगी तो जनता में असंतोष बढ़ेगा। जल्दबाजी में इस योजना को लाया गया है और बिना सेलेक्ट कमेटी में भेजे, इसे संसद में 2 दिन में वैसे ही पारित करा लिया गया जैसे कृषि कानून कुछ समय पूर्व सरकार ने पारित करवाए थे। अंतत: भारी किसानों के भारी विरोध और 1 वर्ष के लंबे आंदोलन तथा लगभग 700 किसानों की मृत्यु के बाद प्रधानमंत्री को सार्वजनिक रूप से इन कानूनों को वापस लेने की घोषणा करनी पड़ी थी। जिस जल्दबाजी में, बिना सोच विचार और बिना चर्चा के, 'जी राम जी' योजना लाई गई इसे शीघ्र ही सरकार को निरस्त करना पड़ सकता है। ऐसा हुआ तो,हम यह कहने पर विवश होंगे कि 'जी राम जी' को सरकार ने स्वयं नही ;जय राम जी; कह दिया है। सरकार इस स्थिति से कैसे निपटती है, यह तो आने वाला समय ही बताएगा।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

अरावली पर न्याय का संदेश : संरक्षण जिम्मेदारी का संतुलन

डॉ. अरुण चतुर्वेदी

भारत की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक अरावली पर्यावरण, नीति और राजनीति के संगम पर खड़ी है। पिछले दिनों में अरावली को लेकर जिस तरह के आरोप और आशंकाएँ फैलाई गई हैं, उन्होंने इस संवेदनशील विषय को तथ्य से अधिक राजनीतिक विमर्श का विषय बना दिया है। जबकि वास्तविकता यह है कि अरावली से जुड़े सभी निर्णय सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट, लिखित और बाध्यकारी आदेशों के तहत लिए गए हैं और उनका मूल उद्देश्य दीर्घकालिक पारिस्थितिक संरक्षण है।

लगभग दो अरब वर्ष पुरानी अरावली पर्वतमाला उत्तर भारत की जीवनरेखा है। दिल्ली से गुजरात तक लगभग 650 किलोमीटर में फैली अरावली इंडो-गंगा के मैदानों को मरुस्थलीकरण से बचाने वाली प्राकृतिक ढाल है और थार रेगिस्तान के पूर्व की ओर बढ़ते प्रभाव को रोकती है। जलवायु संतुलन, जैव विविधता, भूजल पुनर्भरण और चंबल, साबरमती व लूनी जैसी नदियों के स्रोत के रूप में इसकी भूमिका निर्विवाद है। यही कारण है कि केंद्र सरकार ने अरावली को केवल खनन या विकास का विषय न मानकर राष्ट्रीय पारिस्थितिक संपदा के रूप में देखा है।

अरावली क्षेत्र खनिज संसाधनों से समृद्ध रहा है और दशकों तक यहाँ खनन गतिविधियाँ चलीं। लेकिन बीते चार दशकों में अत्यधिक और अवैध खनन ने वायु प्रदूषण बढ़ाया, भूजल स्तर गिराया और पारिस्थितिक संतुलन को गहरी चोट पहुँचाई। इसी पृष्ठभूमि में 1990 के दशक से पर्यावरण मंत्रालय ने खनन को सीमित करने के प्रयास शुरू किए, 2009 में हरियाणा के कुछ क्षेत्रों में सुप्रीम कोर्ट ने पूर्ण प्रतिबंध लगाया और मई 2024 में नए खनन पट्टों व नवीनीकरण पर रोक लगाई गई।

अरावली विवाद की जड़ लंबे समय तक असंगत परिभाषाएं रहीं। अलग-अलग राज्यों और संस्थानों द्वारा अलग मानक अपनाए जाने से न केवल भ्रम फैला, बल्कि अवैध खनन को भी बढ़ावा मिला। इस स्थिति को समाप्त करने के लिए केंद्र सरकार की पहल पर पर्यावरण मंत्रालय, भारतीय वन सर्वेक्षण, राज्य वन विभागों, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और विशेषज्ञों को शामिल कर संयुक्त समिति गठित की गई। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस समिति की रिपोर्ट पर विचार कर 20 नवंबर 2025 को अंतिम निर्णय दिया गया।

कुछ राजनीतिक बयानों में यह आरोप लगाया गया कि केंद्र सरकार ने अरावली को 100 मीटर में समेट दिया। यह आरोप न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि न्यायिक प्रक्रिया को राजनीतिक रंग देने का प्रयास भी है। वास्तविकता यह है कि 100 मीटर की सीमा कोई नई खोज नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल 2005 को 100 मीटर से अधिक ऊँचाई को हिल मानने का मानक तय किया था, जिसे वर्षों तक कांग्रेस सरकारों ने भी लागू रखा।

वर्तमान निर्णय में स्पष्ट किया गया है कि 100 मीटर या उससे अधिक ऊँचाई वाली पहाड़ियाँ और उनसे 500 मीटर के दायरे में आने वाले सभी लैंडफॉर्म्स एक संरक्षित श्रृंखला माने जाएँगे। इस 500 मीटर जोन में आने वाले सभी भू आकृतिक ढांचे (उनकी ऊंचाई या ढलान चाहे जो भी हो) खनन से पूरी तरह बाहर रहेंगे। इसलिए यह कहना कि 100 मीटर से कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में खनन खोल दिया गया है, सरासर भ्रामक है।

अरावली का 98 प्रतिशत भाग सुरक्षित है। यह नितांत तथ्यहीन है कि 90 प्रतिशत अरावली समाप्त हो गई। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार अरावली क्षेत्र का लगभग 25 प्रतिशत हिस्सा अभयारण्य, राष्ट्रीय उद्यान और आरक्षित वन में आता है और इस क्षेत्र में खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है। कुल अरावली क्षेत्र में से केवल 2 से 5.6 प्रतिशत क्षेत्र ही सीमित और नियंत्रित खनन के दायरे में आता है और यही भौगोलिक और कानूनी तथ्यों से प्रमाणित हैं।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति ने स्पष्ट सिफारिश की कि जब तक इंडियन काउंसिल ऑफ फॉरेस्ट्री रिसर्च एंड एजुकेशन द्वारा अरावली क्षेत्र के लिए सतत खनन प्रबंधन योजना तैयार नहीं हो जाती, तब तक कोई नया खनन पट्टा जारी नहीं किया जाएगा। इस योजना में यह स्पष्ट किया जाएगा कि कहां खनन पूरी तरह वर्जित रहेगा, कहां सीमित अनुमति दी जा सकती है और किन क्षेत्रों में पुनर्बहाली प्राथमिकता होगी। यह दृष्टिकोण दर्शाता है कि सरकार का उद्देश्य खनन को बढ़ावा देना नहीं, बल्कि वैज्ञानिक नियंत्रण स्थापित करना है।

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा लगाए गए आरोप तथ्यों की कसौटी पर नितांत तथ्यहीन हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके कार्यकाल में अरावली के लिए ठोस संरक्षण मॉडल विकसित किया जा सकता था, तब कोई निर्णायक पहल नहीं हुई। आज जब सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर एक सख़्त, वैज्ञानिक और पारदर्शी ढांचा लागू हो रहा है, तब उसी प्रक्रिया को संदेह के घेरे में खड़ा करना जनभावनाओं को भ्रमित करने का प्रयास है।

सरकार की नीति केवल प्रतिबंधों तक सीमित नहीं है। जून 2025 में शुरू की गई अरावली 'ठीन वॉल' परियोजना इसके दीर्घकालिक दृष्टिकोण का प्रमाण है। चार राज्यों के 29 जिलों में पांच किलोमीटर के बफर क्षेत्र में हरियाली बढ़ाकर 2030 तक करोड़ों हेक्टेयर बंजर भूमि की बहाली का लक्ष्य रखा गया है। यह पहल बताती है कि सरकार अरावली को केवल बचाने नहीं, बल्कि पुनर्जीवित करना चाहती है।

अरावली प्रकरण में वास्तविक संघर्ष पर्यावरण और विकास के बीच नहीं, बल्कि तथ्य और भ्रम के बीच है। सुप्रीम कोर्ट का निर्णय और केंद्र सरकार की नीति यह स्पष्ट करती है कि अरावली के संरक्षण से कोई समझौता नहीं किया गया है। इसके विपरीत, वर्षों से चली आ रही अस्पष्टताओं को समाप्त कर एक वैज्ञानिक, न्यायिक और जवाबदेह ढांचा स्थापित किया गया है।

आज आवश्यकता है कि अरावली जैसे संवेदनशील मुद्दों पर राजनीति तथ्यों के साथ खड़ी हो, क्योंकि अरावली का प्रश्न केवल आज का नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य से जुड़ा हुआ है।

–डॉ. अरुण चतुर्वेदी,
अध्यक्ष, राजस्थान वित्त आयोग

814वां उर्स : सूफी संत ख्वाजा साहब की दरगाह पर प्रधानमंत्री मोदी की चादर पेश

■ केंद्रीय मंत्री रिजिजू लेकर पहुंचे अजमेर, बुलंद दरवाजे पर पीएम का संदेश पढ़कर सुनाया

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पीएम की ओर से भेजी गई चादर ख्वाजा को पेश की।

अजमेर, (कासं)। रजब माह का चांद दिखने के साथ ही ख्वाजा साहब के 814वें सालाना उर्स की धार्मिक रस्में शुरू हो गई। देर रात उर्स की पहली महफिल दीवान पुत्र सैयद नसीरुद्दीन की सदारत में महफिल खाने में हुई। उर्स की औपचारिक शुरुआत के साथ ही कायड़ विश्रामस्थली पर जायरीन की आमद भी बढ़ गई है, जिससे वहां धीरे-धीरे रौनक बढ़ने लगी है। विश्राम स्थली पर आने वाले जायरीन की सुविधार्थ सभी इंतजाम पूरे कर लिए गए हैं। 814वें उर्स के मौके पर सोमवार को दरगाह में पीएम नरेंद्र मोदी की तरफ से अमन की चादर भेजी गई। इस अकीदत की चादर को केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू लेकर अजमेर पहुंचे, यहां उन्होंने सूफी परंपरा के अनुयप पीएम मोदी की चादर हजरत ख्वाजा गरीब नवाज के मजार पेश की और बुलंद दरवाजे पर पीएम का पैगाम पढ़कर सुनाया।

ख्वाजा साहब के 814वें सालाना उर्स पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से भेजी गई चादर मजार पेश की गई। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पीएम की ओर से भेजी गई चादर लेकर सोमवार सुबह अजमेर पहुंचे। केंद्रीय मंत्री ने चादर पेश करने के बाद बुलंद दरवाजे पर मोदी का संदेश पढ़कर सुनाया। इससे पहले केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने सर्किट हाउस में मीडिया से रूबरू भी हुए। उन्होंने कहा कि चादर पीएम, सरकार हम सभी की तरफ से है। पीएम के संदेश पर बोले कि मैं खुद आया हूं, मैं जो बोलूंगा वो ही संदेश होगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू, भागीरथ चौधरी और मंत्री सुरेश रावत सहित अन्य जनप्रतिनिधि महफिल खाने में पहुंचे। उन्होंने चादर पेश कर देश में अमन-चैन-शांति और भाईचारा बना रहे की दुआ मांगी। दरगाह दीवान के पुत्र नसरुद्दीन चिश्ती की ओर से मंत्री का स्वागत कर दस्तारबंदी कर उर्स की मुबारक दी गई है। केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री का ध्येय सबका साथ, सबका विकास, सबका प्रयास है और उसी भावना के साथ यह संदेश भी दरगाह के जरिए देश तक पहुंचता है। उन्होंने बताया कि अजमेर में केंद्रीय मंत्री रिजिजू का स्थानीय कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वागत किया। किरेन रिजीजू ने कहा कि कोई कुछ भी कहे हमारे देश को कोई तोड़ नहीं सकता। दुनिया में सबसे बड़ा आबादी वाला देश हिंदुस्तान है। चीन के भी आगे हम निकल गए हैं। दुनिया का सबसे बड़ा मुल्क होने के नाते हमारी भी बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। एक साथ आगे चलना है। 2047 में हिंदुस्तान को विकसित भारत बनाना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसको आवाहन किया है। उसको पूरा हम सबको मिलकर करना है। आपस में लड़ाई होगी तो मकसद पूरा नहीं होगा। अजमेर शरीफ में आकर दिल को बहुत सुकून मिला है।

केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू सुबह सर्किट हाउस पहुंचे। यहां पर सुरक्षा के बंदोबस्त किए गए। भाजपा नेताओं और जिला प्रशासन ने उनका स्वागत किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी,शहर भाजपा अध्यक्ष रमेश सोनी सहित अन्य नेता सहित जिला कलैक्टर लोक बंधु, एसपी वंदिता राणा सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

वहीं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की ओर से चादर पेश की गई। यह चादर लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव मोहम्मद साबिर ने पेश की। दरगाह के खादिम जुहूर बाबा चिश्ती ने उन्हें जियारत कराई। जियारत के बाद अकीदत और सम्मान के साथ चादर दरगाह शरीफ में पेश की गई। दरगाह कमेटी के नाजिम बिलाल खान ने बताया कि तेज सर्दी के मद्देनजर विश्रामस्थली में ठहरने वाले जायरीन की सुविधार्थ हेतु माकूल इंतजाम किए गए है, वहां दुकानें लगना शुरू हो गई हैं, साथ ही विश्राम स्थली पर ठहरने वालों के लिए अकीदतमंद ने लंगर शुरू कर दिया है। सुरक्षा और व्यवस्था के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों के अलावा प्रशासनिक स्तर पर प्रभावी इंतजाम किए गए हैं। छह दिवसीय उर्स में आने वाले अधिकांश जायरीन उर्स की छठी का कुल की रस्म अदा कर ही लौटेंगे।

जोधपुर एम्स में पांच साल के बच्चे के ब्रेन डेड होने पर परिवार ने ऑर्गन डोनेट किये

■ पांच साल के मासूम के अंगदान से मिलेगी दो लोगों को नई जिंदगी, किडनी और लिवर दोनों डोनेट किए

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर एम्स में पांच साल के बच्चे के ब्रेन डेड होने पर परिवार ने ऑर्गन डोनेट किए हैं। इससे अब दो लोगों को नई जिंदगी मिल सकेगी। बालक की दो किडनी जोधपुर एम्स में एडमिट मरीज को लगाई जाएगी। वहीं ग्रीन कॉरिडोर बनाकर लिवर को दिल्ली के लिए जोधपुर एयरपोर्ट तक पहुंचाया गया। वहां से लिवर दिल्ली भेजा गया है।

एम्स के अनुसार, बालोतरा में नाइयों की ढाणी गिडा के रहने वाले भोमाराम (5) पुत्र भैराराम को बार-बार दौरे पड़ने की समस्या पर 15 दिसंबर को एम्स लाया गया था। पीडियाट्रिक इमरजेंसी विभाग में भोमाराम का इलाज शुरू किया। इस दौरान सीटी स्कैन से लेकर कई टेस्ट किए गए। जांच में उसके सेरेब्रल एडिमा पाई गई। इसके बाद जांच में स्टेट्स एप्लेप्टिक्स और सेंट्रल डायबिटीज एनसीपीडस हुआ। दिमाग में बार बार दौरे पड़ने से भोमाराम ब्रेन डेड हो गया। इसके बाद परिवार को ऑर्गन डोनेट करने के बारे में बताया गया। इस पर परिजन सहमत हुए और उसके बाद सोमवार सुबह ऑर्गन डोनेशन करने के बाद बॉडी परिजनों को सुपुर्द की गई। उसका एक लिवर फ्लाइट से आईएलबीएस दिल्ली भेजा गया, जबकि उसकी दो किडनी जोधपुर एम्स में ही एडमिट मरीज को लगाई गई।

एम्स के अधीक्षक डॉक्टर अभिषेक भारद्वाज ने बताया कि इस अंगदान से दो लोगों को नई जिंदगी मिल सकेगी। ट्रांसप्लांट के नोडल अधिकारी दो शिवचरण ने बताया कि ऑर्गन डोनेट करने के बाद पांच से छह घंटे में लगाना जरूरी होता है, इसलिए लिवर को फ्लाइट के जरिए दिल्ली भेजा गया।

राशिफल मंगलवार 23 दिसम्बर, 2025

पंडित अनिल शर्मा

पौष मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2082, श्रवण नक्षत्र बुधवार प्रात: 6:08 तक, व्याघात योग सायं 4:30 तक, गर करण दिन 12:13 तक, चन्द्रमा आज मकर राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-धनु, चन्द्रमा-धनु, मंगल-धनु, बुध-वृश्चिक, गुरू-मिथुन, शुक्र-धनु, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज रवियोग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। भद्रा रात्रि 12:42 से आरम्भ होगी। आज अंगारक चतुर्थी, विनायक चतुर्थी है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 9:51 से 11:08 तक, लाभ-अमृत 11:08 से 1:43 तक, शुभ 3:00 से 4:18 तक।

राहूकाल: 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 7:17, सूर्यास्त 5:35 तक

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक मामलों में संतुलन बना रहेगा।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

कन्या
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

तुला
घर-परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा संभव है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। पारिवारिक व्यावसायिक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कुंभ
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों महत्वपूर्ण सफलता मिलेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

बीकानेर

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर, मंगलवार 23 दिसम्बर, 2025

मनरेगा का नाम बदलने के विरोध में कांग्रेस का पैदल मार्च, प्रदर्शन

बीकानेर, (कासं)। महात्मा गांधी के नाम पर चल रही गरीब मजदूरों के उत्थान और रोजगार योजना मनरेगा का नाम बदलने और नई योजना के तहत आगामी दिनों में इस योजना को बंद करने के विरोध स्वरूप आज बीकानेर शहर और देहात जिला कांग्रेस कमेटी ने राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार गांधी पार्क से जिला कलेक्ट्रेट तक पैदल मार्च कर विरोध दर्ज करवाया

बीकानेर शहर कांग्रेस जिलाध्यक्ष मदनगोपाल मेघवाल ने कहा कि मनरेगा का नाम बदलने और इस योजना को बंद करने का जो कुत्सित मंसूबा केन्द्र और राज्य की भाजपा सरकारों ने अपनाया है। उसको किसी भी हाल में सफल नहीं होने देंगे। मेघवाल ने कहा कि भाजपा हमेशा जनविरोधी निर्णय करती रही है और हर बार गरीबों के हितों पर चाबुक चलाने का कार्य किया है। जिसका बीकानेर शहर जिला कांग्रेस कमेटी हरसंभव विरोध दर्ज करते हुए इसको रोकने का प्रयास करेगी। इसके लिए कांग्रेस को सड़कों पर जनांदोलन करना पड़ा तो पीछे नहीं हटेंगे। बीकानेर देहात कांग्रेस जिलाध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से ही गांव गरीब और किसान विरोधी योजनाओं को लाने का प्रयास करती रही है। लेकिन कांग्रेस ने हर समय इन गलत नीतियों का जोरदार विरोध दर्ज करवाते हुए घुटने टेकने पर मजबूर किया है।

■ पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से भारतीय इतिहास और महापुरूषों के नाम से छेड़छाड़ करती आई है

किसान विरोधी काले कानून इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है। सियाग ने कहा कि मनरेगा की आड में भाजपा फिर से गांव के गरीबों के हितों पर कुठाराघात कर रही है जिसको किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। कांग्रेस हर कीमत चुका कर इस बिल को पुनः लेने पर मजबूर करेगी। भाजपा को और एक बार फिर मुंह की खानी पड़ेगी। कांग्रेस हमेशा गांव गरीब और किसान के साथ मजबूती से खड़ी रही है। इस पिछड़े वर्ग का कल्याण करना कांग्रेस पार्टी का मुख्य उद्देश्य रहा है। इसके विरोध का कोई भी कार्य कांग्रेस नहीं होने देगी। भाजपा सरकार समय रहते इस बिल को वापस ले लें अन्यथा कांग्रेस जनांदोलन के माध्यम से सरकार को घेरने में पीछे नहीं हटेगी।

पूर्व मंत्री गोविंदराम मेघवाल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा से भारतीय इतिहास और महापुरूषों के नाम से छेड़छाड़ करती आई है। इनका खुद का कोई काम गिनाने लायक नहीं है तो नाम बदलकर योजनाओं को अपने नाम कर रहे हैं। पीसीसी सदस्य एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी यशपाल गहलोत ने कहा कि भाजपा हर बार की तरह इस बार भी गरीबों के हितों को कुचलना चाहती है। लूणकरनासर से प्रत्याशी डॉ. राजेंद्र मुंड ने कहा कि कांग्रेस किसी भी सूरत में आमजन के हितों पर कुठाराघात सहन नहीं करेगी।

25 साल बाद मिलेंगे देश विदेश के डॉक्टर

बीकानेर, (कासं)। सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज, बीकानेर के 37वें बैच मीट का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन किया जा रहा है। यह वही बैच है जिसने वर्ष 1995 में एमबीबीएस में प्रवेश लिया था तथा वर्ष 2000 में अपनी ग्रेजुएशन पूर्ण की थी। आज 25 वर्षों के लम्बे अंतराल के बाद इस बैच के सभी साथीगण पुनः एकजुट होकर बीकानेर में मिलन करने जा रहे हैं।

इस ऐतिहासिक बैच मीट में कुल 84 साथीगण भाग ले रहे हैं, जिनमें से कई साथी अमेरिका, कनाडा सहित विभिन्न देशों से बीकानेर पधार रहे हैं। इस बैच के सभी सदस्यों ने देश-विदेश में चिकित्सा क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज का नाम गौरवान्वित किया है। बैच के प्रमुख उपलब्धि प्राप्त चिकित्सकों में डॉ. नरेन्द्र झाझरिया का नाम विशेष रूप से उल्लेखनीय है।

सेना भर्ती तैयारियों को लेकर बैठक

बीकानेर, (कासं)। जिले में अगले महीने 29 जनवरी से 18 फरवरी तक सेना भर्ती (वर्ष 2025-26) का आयोजन किया जायेगा। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के खेल मैदान पर होने वाली इस भर्ती की तैयारियों को लेकर नगर निगम कमिश्नर मयंक मनीष की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक का आयोजन किया गया।

बैठक में निगम कमिश्नर ने स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में सेना भर्ती दौड़ के लिए ट्रैक तैयार करने, प्रतिभागियों के लिए पानी, भोजन, मेडिकल की व्यवस्था करने, टैंट, बिजली, बैरिकेडिंग इत्यादि व्यवस्थाओं, मयंक ने सेना भर्ती को लेकर आ रही टीम के ठहरने के लिए किसान घर में ही व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश विश्वविद्यालय से आए प्रतिनिधि को दिए। निगम कमिश्नर ने मंगलवार को दोपहर 2.30 बजे सभी संबंधित अधिकारियों को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय खेल मैदान की ज्याइंट विजिट करने और व्यवस्थाएं समय रहते चाक चौबंद करने के निर्देश दिए। बैठक में इससे पहले पांच जिलों बीकानेर, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, चूरू और झुंझुनूं में सेना भर्ती के इंचार्ज कर्नल अंकुर कुमार ने बताया कि सेना भर्ती को लेकर जिला प्रशासन से किस प्रकार के सहयोग की जरूरत है। इसको लेकर उन्होंने पीपीटी के जरिए प्रजेंटेशन दिया। साथ ही बताया कि राजस्थान में ये पांचवी सेना भर्ती है। इससे पहले इसी साल जोधपुर, कोटा, अलवर और सीकर में सेना भर्ती का आयोजन किया जा चुका है। कर्नल अंकुर कुमार ने बताया कि अगर दौड़ के लिए ट्रैक अच्छा बनेगा तो राज्य के विद्यार्थिर्यों को ही इसका फायदा मिलेगा। लिहाजा दौड के लिए ट्रैक अच्छे से तैयार कर दें। साथ ही कहा कि भर्ती के दौरान मैदान में किसी बाहरी व्यक्ति का अनाधिकृत रूप से प्रवेश ना हो।

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक :- नियमन/2025 Rajkaj Ref No. . दिनांक :- 17.12.2025

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 6 जैड मुरब्बा नं. 19/10 के किला नं. 14 में भूखण्ड संख्या का माप 12'-6'' गुणा 40'-0'' फीट के नियमन/पटटा हेतु आवेदक श्री शलेन्द्र कुमार पुत्र श्री चेतन दास निवासी 90 थर्ड ब्लॉक, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदके श्री शलेन्द्र कुमार पुत्र श्री चेतन दास निवासी 90 थर्ड ब्लॉक, पुरानी आबादी, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 6 जैड मुरब्बा नं. 20 के किला नं. 14 में भूखण्ड संख्या का माप 12'-6'' गुणा 40'-0'' फीट का नियमन / पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। **- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर**

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक :- नियमन/2025 Rajkaj Ref No. 5002 दिनांक :- 16.12.2025

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 6 जैड ए मुरब्बा नं. 9 के किला नं. 10 में भूखण्ड संख्या का माप 20'-0'' गुणा 40'-0'' फीट के नियमन / पटटा हेतु आवेदक श्री अशोक कुमार डावरा पुत्र श्री मेहर चन्द निवासी मकान 60-61 ढिल्लो कॉलोनी पुरानी आबादी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर-अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री अशोक कुमार डावरा पुत्र श्री मेहर चन्द निवासी मकान 60-61 ढिल्लो कॉलोनी पुरानी आबादी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 6 जैड ए मुरब्बा नं. 9 के किला नं. 10 में भूखण्ड संख्या का माप 20'-0'' गुणा 40'-0'' फीट का नियमन / पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। **- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर**

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक:- नियमन/2025/5049 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 22/12/2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 20 के किला नं. 15 में भूखण्ड संख्या का माप 40'-0'' गुणा 68'-6'' फीट के नियमन / पटटा हेतु आवेदक श्री कृपाल सिंह बराड़ पुत्र श्री हरबंस सिंह निवासी 3 एफ छोटी तहसील श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्री कृपाल सिंह बराड़ पुत्र श्री हरबंस सिंह निवासी 3 एफ छोटी तहसील श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 6 ई छोटी मुरब्बा नं. 20 के किला नं. 15 में भूखण्ड संख्या का माप 40'-0'' गुणा 68'-6'' फीट का नियमन / पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन/ पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नही होगा। - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

करणीनगर व मुरलीधर व्यास कॉलोनी निगम को देने को तैयार नहीं बीडीए

बीकानेर,(कासं)। बीकानेर विकास प्राधिकरण विकसित हो चुकी कॉलोनियों को नगर निगम को हस्तांतरित करने के लिए राजी तो हुआ मगर प्रमुख दो कॉलोनियां फिर भी अपने पास रख रहा है। इसमें पॉश कॉलोनी मानी जाने वाली करणी नगर और मुरलीधर व्यास कॉलोनी को वो निगम को नहीं दे रहा।

इसके अलावा कॉलोनियों के हस्तांतरण के बाद निगम को आय तो दिखाई दे रही है, मगर हर साल करीब 50 करोड़ रूपए की सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी भी आयेगी। कॉलोनियां निगम के पास आई तो सड़कों को लेकर शिकायतें बढ़नी तय है। नगर निगम और बीकानेर विकास प्राधिकरण के बीच कॉलोनियों के हस्तांतरण का विवाद लम्बे समय से चल रहा है। नगर निगम कॉलोनियां तो लेने को तैयार है मगर पूर्ण विकसित। पूर्व मेयर से लेकर तमाम आयुक्त इस बात को लेकर प्रस्ताव यूआईटी को देते रहे मगर बात नहीं बनी। अब कुछ हद तक बात तो बनी मगर इसमें भी बीकानेर विकास प्राधिकरण ने अपनी चाल चली। करणी नगर 90 प्रतिशत विकसित कॉलोनी है, फिर भी वो उसे छोड़ने को तैयार नहीं है। मुरलीधर व्यास कॉलोनी भी निगम को नहीं सौंपी जा रही।

बीकानेर विकास प्राधिकरण नगर निगम को कॉलोनियां सौंपकर सड़कों की लाइबिलिटी बढ़ा रहा है। जबकि इन कॉलोनियों में सफाई, सीवरेज, कचरा कलेक्शन और रोड लाइटों की जिम्मेदारी पहले से ही संभाल रहा है। जस्सूसर और नत्थूसर गेट के बाहर, गोपेश्वर बस्ती, पूरा गंगाशहर, समता नगर, वल्लभ गार्डन, शास्त्रीनगर, पवनपुरी, शार्दुल गंज समेत करीब 30 से ज्यादा कॉलोनियां निगम को मिलेंगी। बीडीए के पास अभी भी करणी नगर, मरुधर कॉलोनी, स्वर्ण जयंती, अशोक नगर, शौकत उस्मानी नगर समेत एक दर्जन से ज्यादा कॉलोनियां रहेंगी।

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक :- नियमन/2025 Rajkaj Ref No. 5046 दिनांक :- 22.12.2025

सार्वजनिक आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि कृषि भूमि क्षेत्र में रिहायशी भूखण्ड वाके चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 19/10 के किला नं. 23 में भूखण्ड संख्या का माप 15'-0" गुणा 35'-0" फीट के नियमन / पटटा हेतु आवेदक श्रीमती पुष्पा पत्नी श्री भागीरथ रेवाड निवासी 628 गली नं 07 3 ई छोटी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर इनके भूखण्ड का नियमन किया जाना है। अतः उपरोक्त वर्णित भूखण्ड के आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों / रकबे के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति मय सबूत आपत्ति सूचना के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के अन्दर अन्दर न्यास कार्यालय में कमरा नं. 17 में प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा बाद मियाद गुजरने अवधि के उपरान्त आवेदक श्रीमती पुष्पा पत्नी श्री भागीरथ रेवाड निवासी 628 गली नं 07 3 ई छोटी श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजों के आधार पर चक 3 ई छोटी मुरब्बा नं. 20 के किला नं. 23 में भूखण्ड संख्या का माप 15'-0" गुणा 35'-0" फीट का नियमन / पटटा जारी कर दिया जावेगा। यदि उक्त वर्णित क्षेत्र का पूर्व में नियमन / पटटा जारी होना पाया गया तो वर्तमान पटटा स्वतः ही निरस्त माना जावेगा। न्यास किसी भी विवाद के लिए जिम्मेवार नहीं होगा। **- सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर**

ट्रेन की चपेट में आने से युवक का हाथ कटा

बीकानेर, (कासं)। पवनपुरी क्षेत्र से गुजर रही रेल लाइन पर देर रात एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसका हाथ कटकर अलग हो गया।

गंभीर हालत में युवक को पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर ले जाया गया जहां रेड एरिया में उसका इलाज जारी है। मौके पर जांच करने पर पता चला कि युवक का एक हाथ ट्रेन के नीचे आने से कटकर अलग हो गया था। असहाय सेवा संस्थान के राजकुमार खड़गावत ने बताया कि सोमवार सुबह करीब एक बजे सूचना मिली कि पवनपुरी के पास एक युवक ट्रेन से घायल हो गया है।

सूचना मिलते ही संस्था के लोग मौके पर पहुंचे, जहां युवक गंभीर अवस्था में पड़ा मिला। मौके पर जांच करने पर पता चला कि युवक का एक हाथ ट्रेन के नीचे आने से कटकर अलग हो गया था। हादसे के बाद आसपास के लोगों की मदद से घायल को तुरंत पीबीएम अस्पताल के ट्रोमा सेंटर पहुंचाया गया। घायल युवक की पहचान गोपश्वर बस्ती निवासी श्याम के रूप में हुई है। घटना की जानकारी उसके परिजनों को दे दी गई है।

कार्यालय नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर (राज.)

क्रमांक :- नियमन/ 2025/ 5036 **सार्वजनिक आपत्ति सूचना** दिनांक : 19.12.2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि **श्री कमल नयन पुत्र श्री अजय कुमार निवासी जी-114 सिविल लाईन, श्रीगंगानगर** के द्वारा न्यास क्षेत्र में स्थित **आवासीय** भूखण्ड का न्यास रिकार्ड में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है। उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में न्यास रिकॉर्ड एवं आवेदक के द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज की स्थिति निम्नानुसार है :-

न्यास रिकॉर्ड के अनुसार भूखण्ड का विवरण		आवेदक के द्वारा भूखण्ड के नामान्तरण हेतु प्रस्तुत दस्तावेजों का विवरण
भूमि का विवरण	मूल भूखण्डधारी	दस्तावेज का विवरण
चक 2 ई छोटी मुरब्बा नं. 50 किला नं. 18, 19 में माप 20 इन्टू 50 फीट भूखण्ड संख्या ई-12 रिद्धि-सिद्धि विहार-3 श्रीगंगानगर	उक्त भूखण्ड का नियमन पट्टा संख्या 15970 दिनांक 05.08.2022 को श्रीमती कुसुम अरोड़ा पत्नी श्री जगदीश राय अरोड़ा के नाम से जारी किया हुआ है।	श्री कमल नयल द्वारा पंजीकृत बैयनामा दिनांक 19.11.2025 की प्रति प्रस्तुत कर उक्त भूखण्ड के नामान्तरण बाबत न्यास में ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत किया है।

इस प्रकार उक्त भूखण्ड के सम्बन्ध में उपर्युक्तानुसार दस्तावेजों की प्रति इस कार्यालय में प्रस्तुत कर नामान्तरण चाहा गया है इस सम्बन्ध में श्री कमल नयन पुत्र श्री अजय कुमार निवासी जी-114 सिविल लाईन, श्रीगंगानगर द्वारा प्रस्तुत दस्तावेज/फ्री लीज होल्ड पट्टे के संबंध में कोई आपति है तो सूचना के प्रकाशन के 07 दिवस में पुख्ता दस्तावेजों सहित अपनी आपत्ति/ उजर/ दावा निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के दौरान इस भूखण्ड से सम्बन्धित समस्त दस्तावेजों को आमखास/ हितबद्ध व्यक्ति के देखने व पढ़ने के लिये कार्यालय समय में खुला रखा गया है। बाद मियाद प्रकरण का निस्तारण कर दिया जावेगा एवं कोई आपत्ति/ उजर स्वीकार नहीं होगा। आवेदन संख्या:- SGNR/FY25-26/MUT/1090 - सचिव, नगर विकास न्यास, श्रीगंगानगर

जोधपुर में ट्रेलर व ट्रक में भीषण भिड़ंत के बाद आग लगी, चालक जिंदा जला

भारतमाला हाईवे पर मूंगफली से भरा ट्रक और मिट्टी से भरा ट्रेलर टकराने से हादसा हुआ

■ आग इतनी तेजी से फैली कि मूंगफली से लदा ट्रक भी चपेट में आ गया, जिसे बुझाने में रात एक बजे तक समय लग गया

जोधपुर, (कासं)। ओसियां थाना क्षेत्र के गगाड़ी इलाके में रतन नगर और चंडालिया गांव के बीच भारतमाला हाईवे पर रविवार देर रात एक दर्दनाक सडक़ हादसा हो गया। मूंगफली से लदा ट्रक और टाइल्स बनाने वाली मिट्टी से भरा ट्रेलर आपस में टकरा गए, जिसके बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। इस हादसे में ट्रेलर का चालक जिंदा जल गया।

थानाधिकारी राजेंद्र चौधरी ने बताया कि पंजाब से गुजरात जा रहा ट्रेलर रात करीब 10 बजे हाईवे पर पहुंचा था। आगे चल रहे मूंगफली से भरे ट्रक से टकराने के बाद ट्रेलर अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा भिड़ा। टक्कर के बाद ट्रेलर के केबिन में तुरंत आग लग गई और लपटें भड़क उठी। चालक केबिन में ही फंस गया और जिंदा जल गया। आग इतनी तेजी से फैली कि मूंगफली से लदा ट्रक भी चपेट में आ गया। मूंगफली के जलने से आग और विकराल हो गई, जिसे बुझाने में रात एक बजे तक समय लग गया। थानाधिकारी ने बताया कि मृतक ट्रेलर चालक की पहचान जांगलू पुलिस थाना पांचू कोलायत निवासी अख्तर अली (25) पुत्र बुधे खां के तौर पर हो पाई है।

आग लगने के बाद स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे और निजी ट्यूबवेलों से पानी लाकर आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। करीब एक घंटे बाद 30 किलोमीटर दूर ओसियां से दमकल वाहन मौके पर पहुंचा, लेकिन उसमें भी पानी सीमित मात्रा में था। हादसे के दौरान ट्रक चालक सतर्क रहा और पीछे आग लगने का पता चलते ही वाहन से कूदकर बाहर निकल आया, जिससे उसकी जान बच गई। इस हादसे के कारण भारतमाला एक्सप्रेस वे पर दोनों ओर करीब 7-8 किलोमीटर लंबा जाम लग गया। ओसियां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात को डायवर्ट कर वैकल्पिक मार्ग से निकाला। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना के कारणों की जांच जारी है।

हादसे में दो युवकों की मौत

उदयपुर, (निसं)। जावरमाइन्स थाना क्षेत्र में दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत होने से घायल दो युवकों की उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार सांय जावरमाइन्स थाना क्षेत्र से देवपुरा गांव रोड़ पर नेवातलाई हमोल घाटी में दो बाइक की आमने-सामने भिड़ंत होने पर डेरा फला जावर निवासी प्रवीण (26) पुत्र नाथूलाल मीणा तथा नेवातलाई निवासी सूरज (32) पुत्र नारायण मीणा गंभीर घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया, जहां दोनों की मौत हो गई, इस पर एएसआई बालकृष्ण ने मृतकों का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। दोनों मजदूरी करते थे एवं बाइक पर जावरमाइन्स से देवपुरा की तरफ जा रहे थे, जहां बीच रास्ते नेवातलाई हमोल घाटी में हादसा हो गया।

वाहनों पर पथराव करने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। ऋषभदेव थाना क्षैत्र में हाईवे पर वाहनों पर पथराव करने की वारदात का पुलिस ने खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया।

प्रकरण के अनुसार 21 दिसंबर को सवेरे ऋषभदेव नेशनल हाईवे 48 कागदर लापा मोड़ पर गुजरने वाले वाहनों पर पथराव करने की सूचना मिली थी। इस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राहर के नेतृत्व में ऋषभदेव थानाधिकारी हेमन्त अहारी के नेतृत्व में एएसआई रमेशचंद, हेड कांस्टेबल हंसराज मय टीम ने कार्यवाही करते हुए नवीन चंद कलासुआ पुत्र राजकुमार कलासुआ निवासी कागर भाटिया ऋषभदेव को गिरफ्तार किया। आरोपी ने पथराव कर करीब 10-12 वाहनों को क्षतिग्रस्त कर नुकसान पहुंचाया था। आरोपी बदमाश प्रवृति का होकर आए दिन हाईवे पर वारदात करता रहता है।

सड़क हादसे में दो युवकों की मौत, एक गंभीर घायल

■ ट्रैक्टर ने सड़क किनारे खड़े तीनों युवकों को अपनी चपेट में ले लिया था

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के शंभूगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत नेशनल हाईवे-148 डी पर रविवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक किशोर गंभीर रूप से घायल हो गया।

शंभूगढ़ थाने के हेड कांस्टेबल सत्यनारायण खटीक ने बताया कि रविवार देर शाम रूपपुरा-अटाली निवासी नरपत सिंह (18) पिता धनसिंह, भगवत सिंह (19) पिता गणपतसिंह एवं पृथ्वीसिंह (16) पिता जसवंतसिंह नेशनल हाईवे-148 डी पर रूपपुरा चौराहा स्थित पंकज होटल के पास खड़े होकर आपस में बातचीत कर रहे थे। इस दौरान एक बाइक पास में खड़ी थी। इसी समय अटाली की ओर से तेज गति से आ रहे एक ट्रैक्टर ने तीनों को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में नरपत सिंह एवं भगवत सिंह की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि पृथ्वी सिंह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल पृथ्वी सिंह को तत्काल गुलाबपुरा अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उदयपुर रेफर किया गया। वहीं दोनों मृतकों के शवों को गुलाबपुरा मोर्चरी में रखवाया। सोमवार को परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई पूरी कर शव परिजनों को सौंप दिए। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है, जबकि ट्रैक्टर चालक की तलाश जारी है।

कार्यालय अधीक्षण अभियंता जल संसाधन वृत्त, जयपुर

क्रमांक-3236 दिनांक-15.12.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 06/2025-26

UBN NO.- NIB CODE NO.

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से कार्य Restoration of Dukh Bhanjan Talab VIllage Thall Tehsil Andhi District Jaipur जिसकी अनुमानित लागत 85.85 लाख and Repair and Renovation of Anandpura Anicut GP Anandpura Telsil Kotkhawda District Jaipur जिसकी अनुमानित लागत 156.38 लाख है। वित्त विभाग के नवीन नियमों के तहत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ई-निविदा के माध्यम से ई-प्रोक्यूमेंट पक्रिया हेतु आनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा दिनांक 17.12.2025 प्रात 9.30 से दिनांक 30.12.2025 को 6.00 बजे तक डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है। निविदा की वित्तीय बिड दिनांक 31.12.2025 को दोपहर 3.00 बजे खोली जावेगी। निविदा से संबंधित विवरण संबंधित वेबसाईट www.waterresources.rajasthan.gov.in, http://www.eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in से देखी जा सकती है।

UBN NO. WRD2526WSOB02007, WRD2526WSOB02008

अधीक्षण अभियंता
जल संसाधन वृत्त, जयपुर

DIPR/C/18767/2025

भोमपुरा गौशाला मामले में पूर्व अध्यक्ष पालाराम बिश्नोई गिरफ्तार

■ गौशाला में 100 से अधिक गौवंशों की मौत मामले में पुलिस की कार्रवाई

रायसिंहनगर, (निसं)। क्षेत्र की भोमपुरा गौशाला में 100 से अधिक गौवंशों की संदिग्ध मौत के मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। समेजा पुलिस ने गौशाला के पूर्व अध्यक्ष पालाराम बिश्नोई को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तारी के बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया।

समेजा कोठी थानाधिकारी कृष्ण कुमार ने बताया कि आरोपी पालाराम बिश्नोई को राजस्थान गोवंशीय पशु अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तारी के बाद उनसे गौशाला के संचालन, गौवंशों के रख-रखाव, चारे-पानी की व्यवस्था और चिकित्सा सुविधाओं को लेकर गहन पूछताछ की गई। पुलिस ने बताया कि जांच अभी जारी है और यदि इस मामले में अन्य लोगों की संलिप्तता सामने आती है तो उन पर भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए सीएमओ डायरेक्टर स्वयं इसकी निगरानी कर रहे हैं। राज्य स्तर से पूरे प्रकरण पर नजर रखी जा रही है, जिससे यह स्पष्ट है कि सरकार इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगी।

गौरतलब है कि भोमपुरा गौशाला में बड़ी संख्या में गौवंशों की मौत के बाद पूरे इलाके में आक्रोश फैल गया था। गौसेवकों, सामाजिक संगठनों और आमजन ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। पूर्व अध्यक्ष की गिरफ्तारी को इस मामले में एक अहम कदम माना जा रहा है।

चालक की मौत

उदयपुर, (निसं)। सूरजपोल थाना क्षेत्र में चालक की अकाल मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरजपोल थाना क्षेत्र में होटल में ठहरे यूपी मेरठ निवासी अश्विनी पाल (31) पुत्र छत्रपालसिंह की अकाल मौत हो गई। अश्विनी वाहन चलाता था एवं सैल्समेन कारोबारी हरियाणा निवासी राहूल वर्मा के साथ उदयपुर आया था एवं उदियापोल पर स्थित होटल में आकर दोनों रूके थे। रविवार रात में लघुशंका के लिए बाथरूम में जाने के बाद आवाज लगाने पर दौड़ कर पहुंचे राहुल ने उसकी तबीयत खराब देख कर चिकित्सालय पहुंचाया, जहां उसकी मौत हो गई। इस पर एएसआई बसन्त कुमार ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

अजमेर में नए कोर्ट परिसर की अव्यवस्थाओं से वकील नाराज

अजमेर, (कासं)। नए न्यायालय भवन परिसर में अधिवक्ताओं और पक्षकारों के लिए मूलभूत सुविधाओं की कमी से नाराज अजमेर जिला बार एसोसिएशन ने सोमवार से कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया। बहिष्कार के चलते सभी न्यायालयों में कामकाज ठप रहा और दिनभर सुनवाई प्रभावित रही।

बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. योगेंद्र ओझा ने बताया कि नए कोर्ट भवन में न तो बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है और न ही अधिवक्ताओं के लिए लिखने की टेबल उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने कहा कि बार एसोसिएशन ने अपने स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्थाएं करने का प्रयास किया, लेकिन अनियमितताओं के कारण स्थिति अब भी संतोषजनक नहीं है। ओझा ने परिसर की साफ-सफाई, शौचालयों की नियमित स्वच्छता और पेयजल व्यवस्था पर भी सवाल उठाए।

उन्होंने बताया कि पैरवी के दौरान वकीलों और पक्षकारों को बार-बार सड़क पार करनी पड़ती है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जातीं, तब तक कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

(पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबन्ध शाखा) नया पावर हाऊस परिसर, हैवी इंडस्ट्रीयल एरीया, जोधपुर-342003

ई-निविदा सूचना

11 के.वी. क्रोस आर्म (एंगल) क्लेंप सहित, 11 के.वी. क्रोस आर्म (एंगल) क्लेंप सहित एवं टोप हेम्पर TN-2102 (UBN JVV2526GLOB00760), अनगैल्वेनाइज्ड 36 फीट लम्बाई का सिंगल सर्किट एवं 42 फीट लम्बाई का डबल सर्किट लेटिस स्ट्रक्चर सेट TN-2103 (UBN JVV2526GLOB00761), 33/11 सब-स्टेशन स्ट्रक्चर (अरबन) TN-2104 (UBN JVV2526GLOB00762), एवं विभिन्न प्रकार के स्टेशनरी उत्पाद TN-2107 (UBN JVV2526GLOB00768) की खरीद हेतु ई-निविदा आंमत्रित की जाती हैं।

अन्य विवरण जैसे निविदा मुल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती हैं।

अधीक्षण अभियंता
(पदार्थ प्रबन्ध एवं अनुबंध)

राज.संवाद/सी/25/16213

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

तंत्र-मंत्र के बहाने भांजे की पत्नी से दुष्कर्म की कोशिश

■ सास के सामने नवविवाहिता को कमरे में बंद कर जबरदस्ती की

बीकानेर, (निसं)। एक नवविवाहिता ने अपने मामा ससुर पर तांत्रिक क्रिया के नाम पर छेड़छाड़, शारीरिक संबंध का दबाव, मारपीट और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं।

पीड़िता का आरोप है कि सितंबर 2025 में बंद कमरे में उसके साथ अभद्रता की गई, जबकि सास और मामी सास मौके पर मौजूद होकर मूक दर्शक बनी रही। पहले थाने में एफआईआर दर्ज नहीं की गई, जिसके बाद पीड़िता ने एसपी कावेंद्र सिंह सागर से शिकायत की, जिसके बाद 20 दिसंबर 2025 को सास, मामी सास और मामा ससुर के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस ने इस मामले का खुलासा सोमवार को किया और पुलिस आगे की जांच कर रही है। पीड़िता के अनुसार, उसका विवाह 21 मई 2025 को हुआ था। शादी के कुछ समय बाद ही ससुराल पक्ष के एक रिश्तेदार का घर में लगातार आना-जाना शुरू हो गया। वह खुद को तांत्रिक बताता था और झाड़ा देने तथा तांत्रिक क्रिया करने के बहाने घर में रहने लगा। आरोप है कि मामा ससुर तांत्रिक क्रिया के नाम पर पीड़िता को डराता था और झाड़ा देने के बहाने अनुचित तरीके से छूता था। इस दौरान वह महिला पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव भी बनाता रहा और विरोध करने पर धमकियां देता था। पीड़िता का आरोप है कि सितंबर 2025 में अलग-अलग तरीकों और मौकों पर उसके साथ गलत हरकतें की गईं। एक घटना में उसे घर की अन्य महिलाओं की मौजूदगी में कमरे में बंद कर दिया गया, जहां मामा ससुर ने उसके साथ अभद्रता की। इस दौरान सास और मामी सास वहीं मौजूद थीं, लेकिन उन्होंने कोई विरोध नहीं किया।

महिला का कहना है कि जब उसने विरोध किया तो उसके साथ मारपीट की गई और कपड़े फाड़ने की कोशिश भी की गई। इस घटना के बाद उसका इलाज बीकानेर के एक अस्पताल में कराया गया, जिससे मारपीट की पुष्टि की जा रही है। घटना के बाद पीड़िता ने किसी तरह अपने परिजनों को फोन कर पूरी आपबीती बताई। इसके बाद परिजनों की सलाह पर उसने पुलिस से संपर्क किया। पीड़िता ने बीकानेर शहर के संबंधित थाने में शिकायत दर्ज करवाई, लेकिन आरोप है कि पुलिसकर्मियों ने एफआईआर दर्ज करने में टालमटोल की और मामला दर्ज नहीं किया गया।

पुलिस से राहत नहीं मिलने पर पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर को लिखित शिकायत दी। एसपी के निर्देश के बाद 20 दिसंबर 2025 को सास, मामी सास और मामा ससुर के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज की गई। यह मामला अब सामने आया है। एफआईआर दर्ज होने के बाद पुलिस अब तीनों आरोपियों से पूछताछ की तैयारी कर रही है। पीड़िता के बयान, अस्पताल रिकॉर्ड और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आगे की जांच की जा रही है।

सीएम भजनलाल आज मेड़ता में किसान सम्मेलन में भाग लेंगे

मेड़ता सिटी, (निसं)। किसान सम्मेलन के आयोजन को लेकर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री किसान नेता शिवराज चौहान मंगलवार को मेड़ता दौरे पर रहेंगे, जिसको लेकर नागौर जिला कलैक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दौरे को लेकर जिला कलैक्टर अरुण कुमार पुरोहित ने मेड़ता में व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मेड़ता विधायक लक्ष्मण राम कलरू ने बताया कि सीएम भजनलाल शर्मा व शिवराज चौहान मेड़ता में होने वाले किसान महापंचायत सम्मलेन में भाग लेंगे। वहीं किसानों को लेकर कई बड़ी सौगातों का उपहार भी मेड़ता से किसानों को दिया जाएगा। विधायक ने बताया कि भारतीय जनता पार्टी व राजस्थान सरकार हमेशा किसान वर्ग से साथ खड़ी है। किसानों को लेकर सरकार ने कई मांगें पूरी की है। वहीं किसानों की जो भी वंचित मांगें हैं, सरकार उनको भी पूर्ण करने के प्रयास में है। वही दौर को लेकर कई राजनेता व उच्च अधिकारियों के साथ जिला प्रशासन व पुलिस महकम्मे की आला अधिकारी लगातार व्यवस्थाओं में जुट हे इस मौके पर किसान आयोग अध्यक्ष सी आर चौधरी , कार्यक्रम सयोजक नवरत्नल सिंघवी , पालिका अध्यक्ष शोभा लाहोटी सहित कई अधिकारी मौजूद थे।

राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड

बोली आमंत्रण सूचना

योग्य निविदाकारों की सेवाएं लेने हेतु निम्नानुसार ऑफलाइन बोलियां आमंत्रित की जाती है:-

1. TN-02 के अंतर्गत 220 केवी जीएसएस सांगानेर पर स्थित 132/11 केवी, 10/12.5 एमवीए पावर ट्रांसफॉर्मर एवं उसके पीसीबी (9.09 PPM) संदूषित तेल के नीलामी एवं निपटान करने हेतु। बिड संख्या 8010002502 (UBN: - VPN2526SSOB02447) दिनांक 02.01.2026 समय 15:00 तक।
2. TN-1164 के अंतर्गत 220 केवी जीएसएस मनोहरपुर पर मैसर्स निम्स विश्वविद्यालय, जयपुर हेतु 01 संख्या 132 केवी फीडर बे का निर्माण करने हेतु। बिड संख्या 2315442501 (UBN : VPN2526WSOB02448) दिनांक 29.12.2025 समय 16:00 तक।

बिड से सम्बंधित अन्य समस्त जानकारी वेब साईट http://sppp.rajasthan.gov.in एवं http://energy.rajasthan.gov.in/rrvpn से प्राप्त करें।

रा.रा.वि.प्र.नि./TR-7304/2025
राज.संवाद/सी/25/16209

अधीक्षण अभियंता (टी. एंड सी. – ग्रामीण)
हीरापुरा, जयपुर

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

संभागीय मुख्य अभियन्ता (जो.जो.), नया पावर हाउस रोड़, जोधपुर - 342003 दूरभाष- (0291) 2651201

अल्पकालिक ई-निविदा सूचना

TNJDZ-57 पाली सर्कल के अंतर्गत उप-मंडल सीएसडी-I, सीएसडी-II और सीएसडी-III पाली के अंतर्गत आने वाले 11/0.4KV के 88 उप-स्टेशनों के लिए पाली शहर में विभिन्न स्थानों पर बाड़ लगाने का कार्य, श्रम दर के आधार पर - 2025।

(UBN No. No JVV2526WSOB00759)

अन्य विवरण जैसे निविदा मूल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने / खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं www.eproc.rajasthan.gov.in द्वारा जानी जा सकती है। निविदाकर्ताओं को उनके स्वयं के हित में सलाह दी जाती है की ऑन लाईन पर निविदा डालने से पहले निविदा दस्तावेजों का सावधानी पूर्वक अध्ययन कर ले।

सुचारू भविष्य में इन निविदाओं से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन तिथि बढ़ने की जानकारी आदि केवल वेबसाईट www.eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in, energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl पर उपलब्ध करायी जायेगी।

राज.संवाद/सी/25/16211

संभागीय मुख्य अभियन्ता (जो.जो.)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

एक्सईएन से कथित मारपीट प्रकरण में पीडब्ल्यूडी कर्मचारियों ने रैली निकाली

अजमेर, (कासं)। कोर्ट के नए भवन के बाहर स्पीड ब्रेकर निर्माण की मांग को लेकर गत शुक्रवार को हुए प्रदर्शन के दौरान सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता के साथ कथित मारपीट के मामले ने सोमवार को तूल पकड़ लिया। घटना से आक्रोशित पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, कर्मचारी एवं ठेकेदार राजस्थान इंजीनियर्स एसोसिएशन के नेतृत्व में एक दिवसीय पेनडाउन हड़ताल पर रहे तथा रैली के रूप में जिला कलैक्ट्रेट पहुंचकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने जिला कलैक्टर लोक बंधु को ज्ञापन सौंपते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई तथा विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। राजस्थान इंजीनियर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधि पीएन माहेश्वरी ने बताया कि पीडब्ल्यूडी कार्यालय से रैली के रूप में कलैक्ट्रेट पहुंचे अधिकारियों, कर्मचारियों व ठेकेदारों ने एक्सईएन के साथ हुई मारपीट को लेकर रोष व्यक्त किया। उन्होंने मांग की कि वीडियो एवं फोटो साक्ष्यों के आधार पर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सुरक्षा व्यवस्था मजबूत की जाए, विशेषकर महिला इंजीनियरों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए। माहेश्वरी ने कहा कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो जयपुर मुख्यालय से निर्देश प्राप्त कर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार गत शुक्रवार को अजमेर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष योगेंद्र ओझा के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने नए कोर्ट भवन के बाहर स्पीड ब्रेकर निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था। इसी दौरान मौके पर पहुंचे पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता के साथ कथित मारपीट की गई, जिसके बाद पुलिस ने बीच-बचाव कर उन्हें वहां से सुरक्षित निकाला। घटना के बाद से ही पीडब्ल्यूडी अधिकारी, कर्मचारी और ठेकेदार एकजुट होकर विरोध जता रहे हैं।

कोटा में साढ़े तैंतीस क्विंटल पोहा सीज़

कोटा, (निसं)। "शुद्ध आहार मिलावट पर वार" अभियान के तहत सोमवार को कोटा शहर में 4 नमूने पोहे के लेते हुए लगभग साढ़े तैंतीस क्विंटल पोहे सीज किए गए एंव दीपावली अभियान के तहत लिए नमूनों में 8 मामलों में परिवाद अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट न्यायालय में प्रस्तुत किए गए। अभियान में कोटा जिले में सब्जीमंडी रोड़ स्थित एक फर्म पर निरिक्षण किया, यहां बिहार से आए रहे 58 कट्टों (प्रत्येक में 30 किलो) (अमृत भोग) पोहे रखे थे जिनका 37 रु. प्रति किलो भाव था, जबकि बाजार में पोहे के भाव 48-50 रु प्रति किलो चल रहा है, इन पोहों में अन्य पोहे की तुलना में व्हाटनेस ज्यादा थी।

चाकूबाजी में किशोर घायल

उदयपुर, (निसं)। खेल- खेल में बच्चों के बीच झगड़ा होने पर आरोपी ने चाकू से हमला कर किशोर को घायल किया। झाड़ोल थाना क्षेत्र गोरणा गांव में शनिवार सांय मन्नालाल का पुत्र देवीलाल तथा भंवरलाल का पुत्र खेल रहे थे। दोनों के बीच झगड़ा हो गया तथा बातचीत के बाद शांत हो गया। कुछ ही समय बाद भंवरलाल पुत्र शंकर लाल कटेरिया निवासी गोराणा ने आकर झगड़ा करना शरू कर दिया तथा समझाईश करने के दौरान चाकू से देवीलाल के सिर पर हमला कर फरार हो गया।

THE RAJASTHAN SMALL INDUSTRIES CORPORATION LTD.

NOTICE INVITING BID

NIB Number: 52-56/2025-26

Bids are invited RFP for the procurement of goods at "RSIC Air Cargo Complex, Sanganer Jaipur" from the eligible and experienced bidders as under:

Sr. No.	NIB No	NIT Description	Estimated Value
1.	52/2025-26	Supply, Installation of Cargo Operation Equipment. **UBN No. RSI2526GLOB00041**	135.00 Lacs
2.	53/2025-26	Supply, Installation of Modular Office Furniture. **UBN No. RSI2526GLOB00042**	20.00 Lacs
3.	54/2025-26	Supply, Installation of Computer and IT equipment. **UBN No. RSI2526GLOB00043**	25.00 Lacs
4.	55/2025-26	Supply, Installation of Storage Racking System. **UBN No. RSI2526GLOB00044**	200.00 Lacs
5.	56/2025-26	Supply, Installation of 50 KW Hybrid Rooftop Solar Power System. **UBN No. RSI2526GLOB00045**	55.00 Lacs

Last date of submission of Bids upto 3.00 PM on 26.12.2025. Other particulars of the bid may be viewed on the procurement portal **(https://eproc.rajasthan.gov.in, https://sppp.rajasthan.gov.in)** of the state and the official website of RSIC i.e. **https://www.industries.rajasthan.gov.in/rsicl.**

Raj.Samwad/C/25/16228

Managing Director

कार्यालय नगरपालिका मण्डल राजलदेसर जिला चूरू (राज.)

E-mail id:- raj.churu.bika@gmail.com Phone number 01567-294504

क्रमांकः– न.पा.रा. / 2025–26 / 10876 दिनांकः– 19.12.2025

Notice Inviting Bid

Bid for 01 Work is invited from interested bidders upto 02-01-2026, 06.00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) (www.eproc.rjasthan.gov.in)

NIB Code – DLB2526A9265
UBN Code – DLB2526WSRC27679

राज.संवाद / सी / 25 / 16194

अधिशाषी अधिकारी

राजस्थान स्टेट माईन्स एण्ड मिनरल्स लिमिटेड

संशोधीत निविदा सूचना-01 दिनांक :- 18/12/2025

निविदा संख्या एवं दिनांक	कार्य का विवरण
F.9(1)41/CC/2022/2025-18 Dated 03.12.2025 UBN No. MML2526GLOB00113	कसनाऊ मातासुख लिग्नाइट माइंस गांव–मातासुख तहसील–जायल नागौर में एक 11 / √3 केवी न्यूट्रल ग्राउंडिंग रेजिस्टर (एनजीआर) की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और परीक्षण (निविदा दस्तावेजों में उल्लिखित कार्य)। अनुमानित मूल्य (रू.) 10.40 लाख, धरोहर राशि (रू.) – 20,800 / –, निविदा राशि– 1180 / – अहस्तान्तरणीय जी.एस.टी. सहित। ई–निविदा प्रक्रिया शुल्क रूपये 500 / – का डी.डी. जो कि एम.डी., आर.आई.एस.एल., जयपुर के नाम देय हो। निविदा जमा कराने की अंतिम तिथि व समय दिनांक 29.12.2025 सांय 03.00 बजे तक। निविदा खुलने की तिथि व समय दिनांक 29.12.2025 को प्रातः 03.30 बजे तक।

उपरोक्त निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाईट www.rsmm.com अथवा www.sppp.rajasthan.gov.in अथवा प्रबंधक (यांत्रिकी–अनुबंध) से उपरोक्त पतें पर सम्पर्क करें।

राज.संवाद/सी/25/16214

उप महाप्रबन्धक (का.एवं प्रशा.)

कार्यालय उपवन संरक्षक धौलपुर

क्रमांक-उ.व.स.धौ/लेखा/निविदा/2025-26/7159 दिनांक-16.12.2025

Notice Inviting Bid

Bid for construction of Whs/anicut in Range Sarmahtura and bari are invited from intrested bidders upto 2.00 PM. 26.12.2025. other particulars of bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in or https://eproc.rajasthan.gov.in/ of the state. The Approximate Value of Procurement is 12.90 Lakhs.

UBN NO. FOR2526WSOB03913

DIPR/C/18773/2025

उपवन संरक्षक, धौलपुर

तस्करों के कब्जे से 70 गौवंश मुक्त कराये, आरोपी फरार

■ खाकुल देव मंदिर के पास घेराबंदी कर एक कंटेनर से गौवंश को ग्रामीणों और पुलिस ने मुक्त कराया

■ पुलिस ने मौके से बरामद ट्रेलर और मोटरसाइकिल को जब्त कर थाने में खड़ा करवाया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के शंभूगढ़ थाना क्षेत्र के रातेड़ी-घेनपुरा के जंगलों में कल देर रात ग्रामीणों और पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गौ-तस्करी के एक बड़े प्रयास को विफल कर दिया। खाकुल देव मंदिर के पास घेराबंदी कर एक कंटेनर (ट्रेलर) से करीब 70 गौवंश को मुक्त कराया गया है।

ग्रामीणों और गौभक्तों को पहले ही इलाके में संदिग्ध गतिविधियों की भनक लग गई थी। इसके बाद धर्मेश सिंह रावणा (मोटरास निवासी), भूपेंद्र सिंह राठौड़, ओमप्रकाश नायक, कैलाश चंद्र नायक, प्रवीण सेन, ओमप्रकाश मेवाड़ा और उनके साथियों ने मोर्चा संभाला। ग्रामीणों ने प्रशासन को सूचित किया और लगातार 9 घंटे तक छिपकर निगरानी रखी। तस्कर खाकुल देव मंदिर के पास एक तारबंदी वाले बाड़े में कंटेनर खड़ा कर गायों को भर रहे थे। रात करीब तीन बजे जब तस्कर पूरी तरह सक्रिय थे, तब ग्रामीणों और पुलिस की टीम ने दबिश दी। अचानक हुई इस कार्रवाई से तस्करों में हड़कंप मच गया। अंधेरे का फायदा उठाकर तस्कर मौके से फरार हो गए, लेकिन वे अपना कंटेनर और मोटरसाइकिल वहीं छोड़ भागने पर मजबूर हुए।

घटनास्थल की स्थितियों को देखते हुए यह अंदेशा जताया जा रहा है कि इस तस्करी में कुछ स्थानीय लोगों की मिलीभगत हो सकती है, जिस बाड़े में गायें भरी जा रही थीं, उसकी लोकेशन और व्यवस्था स्थानीय मदद की ओर इशारा कर रही है। पुलिस अब इस एंगल से भी जांच कर रही है कि इन तस्करों को अंदरूनी सहायता कौन पहुंचा रहा था।

शंभूगढ़ थाना पुलिस ने मौके से बरामद ट्रेलर और मोटरसाइकिल को जब्त कर थाने में खड़ा करवा दिया है। मुक्त कराई गई सभी 70 गायों को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया गया है। पुलिस ने अज्ञात तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER PHED DIVISION BARAN

क्रमांक-अअ/नि./बारां/2025-26/4869-4877 दिनांक-12.12.2025

Notice Inviting Bids

Bids for varius works are invited from interested eligible bidders From 15.12.2025 to 29.12.2025 at 18.00 Hours Other particulars of the bid may by visited on the http://www.eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in website detail are following.

NIT NO.	Name of work	Estimated Cost	Fees		Bid Security (Amount in Rs.)		Date & Time	Date of Opening	Work Period
			Tender	RISL	2%	0.50%	Submission of tender		
42/ 2025-26	Construction and Commissioning of Open well & Providing laying and jointing of Pipe line at village Gajan Under PHED Sub Div Shahbad District Baran UBN NO. PHE2526WSOB09811	1878545	500/-	500/-	37571/-	9393/-	15.12.2025 to 29.12.2025	30.12.2025	4 Month
43/	Providing laying jointing testing and Commissioning of Replacement of DI Pipe lines damage due to flood at various locations under sub division Shahbad UBN NO. PHE2526WSOB09812	1831422	500/-	500/-	36628/-	9157/-	15.12.2025 to 29.12.2025	30.12.2025	2 Month
44/	Construction and Commissioning of 200mm dia tube well and Pipe line in village Ramgarh G.P. Ramgarh Tehsil Kishangani District BaranPipe line in Village Ramgarh G.P. Ramgarh Tehsil Kishanganj District Baran UBN NO. PHE2526WSOB09813	7765529/-	2000/-	1500/-	155331/-	38833/-	15.12.2025 to 29.12.2025	30.12.2025	3 Month

(Pradeep Kumar)
Executive Engineer
PHED Division Baran
(Mobil No. 9414234384)

DIPR/C/18697/2025

बजरी माफिया से सांठगांठ पर 11 पुलिस निरीक्षकों पर गाज गिरी

पुलिस मुख्यालय की सतर्कता शाखा ने प्रदेशभर में किया डिकॉय ऑपरेशन

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में बजरी माफियाओं से सांठगांठ और गंभीर लापरवाही रखने वाले 11 पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एस सेंगाथिर के निर्देशन में पुलिस मुख्यालय की सतर्कता शाखा द्वारा डिकॉय ऑपरेशन करने के बाद यह कार्रवाई हुई।

■ पांच पुलिस निरीक्षक निलंबित, अन्य 6 को लाइन हाजिर किया

प्रदेशभर में चलाए गए डिकॉय ऑपरेशन के बाद कर्तव्य निर्वहन में गंभीर लापरवाही और अवैध बजरी खनन में संलिप्तता पाए जाने पर गाज गिरी है। इस कार्रवाई में पांच पुलिस निरीक्षकों को तत्काल निलंबित किया गया है, जबकि छह अन्य को लाइन हाजिर किया गया है।

एडीजी सेंगाथिर ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर गठित 11 विशेष टीमों ने 18 और 19 दिसंबर को राज्य के विभिन्न जिलों में गुप्त तरीके से डिकॉय ऑपरेशन को अंजाम दिया। इन टीमों ने आम नागरिक बनकर पुलिस थानों की कार्यप्रणाली, नाकाबंदी और गश्त व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान सामने आया कि कई थानों में न केवल बजरी के अवैध परिवहन को नजरअंदाज किया जा रहा था,बल्कि ड्यूटी के प्रति भी भारी लापरवाही बरती जा रही थी।

जांच में दोषी पाए जाने पर 21 दिसंबर को पुलिस मुख्यालय ने सख्त कदम उठाते हुए जयपुर दक्षिण जिले के शिवदासपुरा, टोंक के पीपलू व बरौनी, अजमेर के पीसांगन और धौलपुर के कोतवाली थाना अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है। इसके साथ ही भीलवाड़ा के थाना गुलाबपुरा, कोटा शहर के कुन्हाडी व नान्ता, दौसा के लालसोट, चित्तौड़गढ़ के गंगरार और जोधपुर पश्चिम के लूणी थाना अधिकारियों को लाइन हाजिर किया गया है। इन सभी के विरुद्ध विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं।

बजरी माफिया के मददगारों के लिए विभाग में जगह नहीं : पुलिस मुख्यालय ने कड़ा संदेश देते हुए स्पष्ट किया है कि प्रदेश में बजरी के अवैध खनन, परिवहन और भंडारण में किसी भी पुलिसकर्मी की मिलीभगत या लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। संबंधित जिला पुलिस अधीक्षकों को निर्देशित किया है कि वे दोषी कार्मिकों के विरुद्ध त्वरित अनुशासनात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करें। ऑपरेशन में दोषी मिले 11 थानों के 15 पुलिसकर्मियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई करने के लिए पीएचक्यू से आईजी जयपुर, कोटा, भरतपुर और अजमेर को निर्देश जारी किए गए है।

इससे पहले नवंबर माह में भी सतर्कता शाखा ने एक व्यापक अभियान चलाया था। उस दौरान जीरो एफआईआर दर्ज न करने, परिवादियों से दुर्व्यवहार, साइबर क्राइम की शिकायतों पर ढिलाई, एसपी ऑफिस में प्राप्त परिवादों में परिवाद अनुभाग की कार्यप्रणाली, थाना अधिकारियों की गश्त प्रणाली एवं कार्यशैली और महिला डेस्क पर आने वाली महिलाओं के साथ संवेदनहीन व्यवहार जैसे बिंदुओं पर डिकॉय ऑपरेशन किया गया था।

बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह की शहादत के किस्से आमजन तक पहुंचायेगी भाजपा : टीटी

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं 'वीर बाल दिवस' कार्यक्रम प्रदेश समन्वयक सरदार सुरेंद्र पाल सिंह टीटी ने सोमवार को प्रेस वार्ता की।

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 26 दिसंबर को देशभर में मनाये जा रहे 'वीर बाल दिवस' के तहत सिख गुरु गुरु गोविंद सिंह के पुत्र साहिबजादे बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह की शहादत और शौर्य के किस्से राजस्थान भाजपा, आमजन तक पहुंचायेगी।

भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं 'वीर बाल दिवस' कार्यक्रम प्रदेश समन्वयक सरदार सुरेंद्र पाल सिंह टीटी ने सोमवार को प्रेस वार्ता में बताया कि इन दोनों की स्मृति में भाजपा द्वारा प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। पार्टी द्वारा मंडल से लेकर प्रदेश स्तर तक विशेष सभाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनमें युवाओं को साहिबजादों के अद्वितीय बलिदान, साहस और देशभक्ति से अवगत कराया जाएगा। इसके साथ ही स्थानीय गुरुद्वारों में शब्द कीर्तन, मंडल एवं जिला स्तर पर प्रभात फेरियों का आयोजन भी किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि साहिबजादों की शहादत को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से प्रदेशभर में मंडल से लेकर जिला स्तर तक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे। जयपुर में आयोजित प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड सहित पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहेंगे। 'वीर बाल दिवस' कार्यक्रम प्रदेश समन्वयक सरदार सुरेंद्र पाल सिंह टीटी ने बताया कि वीर बाल दिवस के अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, जिला स्तरीय बौद्धिक संगोष्ठियां, स्कूलों एवं कॉलेजों में विचार संगोष्ठियां तथा भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जायेगी। इसके साथ ही 26 दिसंबर को राजकीय विद्यालयों में एक घंटे के विशेष सत्र के दौरान बच्चों को वीरता और शहादत की प्रेरणादायक कहानियां सुनाई जाएंगी।

उन्होंने बताया कि भाजपा कार्यकर्ता मंडल स्तर पर डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का प्रदर्शन करेंगे तथा साहिबजादों की शहादत पर आधारित प्रदर्शनी भी लगाएंगे, जिससे उनकी गौरवशाली गाथा जन-जन तक पहुंच सके।

गांवों को आत्मनिर्भर बनाने वाली प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के 25 साल पूर्ण हुए

■ प्रदेश में 75 हजार से अधिक किलोमीटर सड़कें तथा 68 पुल बनाकर 15983 बसावटों को जोड़ा गया

■ केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान आज मेड़ता में 2089 करोड़ रुपये लागत की 1216 पीएमजीएसवाई सड़कों की सौगात देंगे

जयपुर (कासं)। स्वतंत्रता के दशकों बाद तक भारत के ग्रामीण क्षेत्र बुनियादी सुविधाओं से वंचित थे। इन सुविधाओं तक पहुँचने के लिए एक मार्ग की जरूरत थी। इसी जरूरत को समझते हुए पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने 25 दिसंबर 2000 को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के रूप में भारत के असंबद्ध गांवों को सड़क से जोड़ने की मजबूत नींव रखी। जिसके तहत सामान्य क्षेत्र की 500 से अधिक एवं मरूस्थलीय तथा आदिवासी क्षेत्र की 250 से अधिक आबादी की बसावटों को सर्वकालिक पक्की सड़कों से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया गया तथा आगे चलकर इसमें प्रमुख ग्रामीण सड़कों का चौडाईकरणी सुदृढ़ीकरण करने का लक्ष्य शामिल किया गया।

इसी लक्ष्य की प्राप्ति में राजस्थान ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। सार्वजनिक निर्माण विभाग ने गत 25 वर्षों में प्रदेश में 75 हजार किमी. से अधिक सड़कों का निर्माण किया और 15983 बसावटों/गांवों को ऑलवेदर पक्की सड़कों से जोड़ा। यह केवल सड़कों का विस्तार नहीं है, बल्कि दूर दराज के गांवों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और नये अवसरों को पहुँचाने की पहल रही है। चूंकि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तीन चरण प्रदेश में पूरे हो चुके हैं ओर चौथे चरण का आगाज होने जा रहा है। केंद्रीय कृषि, कृषक कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को मेड़ता में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के चतुर्थ चरण में प्रदेश की 1216 बसावटों को ऑलवेदर पक्की सड़कों से जोड़ने व एक पुल की सौगात देंगे। जिनकी अनुमानित लम्बाई 3219 किमी. व लागत लगभग 2 हजार 89.37 करोड़ होगी।

गौरतलब है कि चौथे चरण में 1638 बसावटों को सड़कों से जोड़े जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। प्रथम चरण में प्रदेश में लगभग 12086 करोड़ रूपये की लागत से 49730 किमी. लम्बाई की सड़कों का निर्माण कर 15983 बसावटों को ऑलवेदर पक्की सड़कों से जोड़ा गया। साथ ही 14043 किमी. सड़कों के चौडाईकरण व सुदृढीकरण का कार्य भी किया गया तथा 26 पुलों का निर्माण करवाया गया।

जैसे-जैसे कार्यक्रम आगे बढ़ता गया, चयनित "थ्रू रूट्स और ग्रामीण सड़क नेटवर्क" को अधिक मजबूत करने की जरूरत महसूस की गई। वर्ष 2013 में भारत सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि सिर्फ नयी सड़कों का निर्माण पर्याप्त नहीं है, बल्कि मौजूदा सड़कों के नेटवर्क को और अधिक मजबूत करना भी आवश्यक है। योजना के दूसरे चरण में प्रदेश में 1103 करोड़ रुपये की लागत से 3468 किमी. लम्बाई की 401 सड़कों का चौडाईकरण-सुदृढ़ीकरण कार्य करवाया गया तथा 6 पुलों का निर्माण करवाया। योजना के तीसरे चरण में भी मौजूदा मार्गों व ग्रामीण संपर्क मार्गों को उन्नत किया गया ताकि बसावटों से कृषि बाजारों, कॉलेजों, अस्पतालों, अन्य किसान संबंधित उद्यमों तक सुगम एवं त्वरित कनेक्टिविटी स्थापित की जा सकें। अब तक प्रदेश में 4060 करोड़ रुपये की लागत से 8549 किमी. की 903 सड़कों का चौडाईकरण एवं सुदृढ़ीकरण करवाया गया तथा 36 पुलों का निर्माण किया, शेष कार्य प्रगतिरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2023 में देश के 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों के समग्र विकास के लिए पीएम-जनमन योजना का शुभारम्भ किया था, जिसके तहत बारां की शाहबाद व किशनगंज ब्लॉक की सहरिया जनजाति बहुल 100 से अधिक आबादी की 31 बसावटों को ऑलवेदर पक्की सड़कों से जोड़ने की मुहिम शुरू की गई। इसके तहत लगभग 11 करोड़ की लागत से 22 किमी. सड़क निर्माण कर 11 बसावटों को सड़कों से जोड़ने का कार्य पूरा किया जा चुका है तथा शेष कार्य प्रगतिरत है।

एम.एन.आई.टी. में प्रस्तावित ट्रेड फेयर पर हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

■ बताया जा रहा है कि 16 जनवरी से प्रस्तावित 3 दिवसीय इस ट्रेड फेयर में सोलर क्षेत्र से जुड़ी दर्जनों निर्माता और सेवा कंपनियां भाग लेंगी

■ याचिका में कहा गया कि, "संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत विद्यार्थियों को शांत और शुद्ध शैक्षिणक वातावरण का अधिकार है। ऐसे प्रतिष्ठित संस्थान में व्यावसायिक आयोजन नहीं किया जाना चाहिए।"

जयपुर (कासं)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एमएनआईटी परिसर में अगले माह प्रस्तावित सोलर ट्रेड फेयर को लेकर शिक्षा मंत्रालय, एमएनआईटी निदेशक, राजस्थान सोलर एसोसिएशन, मुख्य सचिव और सीएजी सहित अन्य को जवाब पेश करने के लिए 13 जनवरी तक का समय दिया है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश संयुक्त अभिभावक संघ की जनहित याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

जनहित याचिका में अधिवक्ता विनोद कुमार वैष्णव ने अदालत को बताया कि जेएलएन मार्ग स्थित मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान में अगली 16 जनवरी से तीन दिवसीय ट्रेड फेयर का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें सोलर क्षेत्र से जुड़ी प्रदेश की दर्जनों निर्माता और सेवा प्रदाता कंपनियां भाग लेंगी। याचिका में कहा गया कि संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के तहत विद्यार्थियों को शांत और शुद्ध शैक्षिणक वातावरण का अधिकार है। ऐसे प्रतिष्ठित संस्थान में व्यावसायिक आयोजन नहीं किया जाना चाहिए। याचिका में यह भी कहा गया की एमएनआईटी जैसे सरकारी सहायता प्राप्त संस्थान के परिसर में इस तरह के व्यापारिक मेलों का आयोजन न केवल शैक्षिणक वातावरण को प्रभावित करता है, बल्कि विद्यार्थियों की सुरक्षा, अनुशासन और गरिमा पर भी गंभीर प्रश्न खडे करता है। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि परिसर में बने हॉस्टल में बडी संख्या में विद्यार्थी रहते है और बाहरी व्यक्ति के प्रवेश को लेकर भी कडी सुरक्षा के प्रावधान है। ऐसे में बिना जांच पड़ताल कंपनियों से जुडे लोगों को यहां प्रवेश देना उचित नहीं है। ऐसे में इस प्रस्तावित ट्रेड फेयर के आयोजन को रोका जाए। याचिका में पर सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से एएसजी भरत व्यास व अन्य वकील उपस्थित हुए और उन्होंने जवाब पेश करने के लिए समय मांगा। इस पर अदालत ने याचिका की सुनवाई 13 जनवरी को रखते हुए पक्षकारों को जवाब पेश करने को कहा है।

"जयपुर ज्वैलरी शो" कला-विरासत और परंपरा का उत्सव : प्रेमचंद बैरवा

जे.ई.सी.सी. में जे.जे.एस. संपन्न हुआ, बीते 4 दिनों में करीब 46 हजार विजिटर्स ने की शिरकत

जयपुर ज्वैलरी शो के समापन समारोह में सोमवार को उत्कृष्ट बूथ डिजाइन और ज्वैलरी प्रस्तुति के अवार्ड देकर प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

■ 18 से 21 दिसंबर 2026 तक आयोजित किया जाएगा आगामी संस्करण

जयपुर (कासं)। जयपुर आभूषण की दुनिया में एक विशिष्ट स्थान रखता है और जयपुर ज्वैलरी शो इस शहर की समृद्ध विरासत, परंपरा और कला का उत्सव है। यह बात राजस्थान के उप मुख्यमंत्री, डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने जयपुर ज्वैलरी शो 2025 के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि आभूषण उद्योग आर्थिक विकास और रोजगार के अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता आ रहा है। साथ ही उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि राज्य सरकार प्रगतिशील नीतियों और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के जरिए इस उद्योग को सहयोग करने और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

जेजेएस वाईस चेयरमैन दिनेश खटोरिया ने कहा कि अपने शुरुआती वर्षों में मात्र 67 बूथों से शुरू होकर आज 1227 बूथों तक पहुंचना इस शो की उल्लेखनीय विकास यात्रा को दर्शाता है। आज यह एग्जीबिशन देश की सबसे बड़ा बी2बी और बी2सी प्लेटफॉर्म बन चुकी है।

जेजेएस के मानद सचिव राजीव जैन ने बेस्ट बूथ अवॉर्ड्स की घोषणा की। उत्कृष्ट बूथ डिजाइन और ज्वेलरी प्रस्तुति के लिए 18 वर्ग मीटर से ऊपर बेस्ट बूथ ज्वेलरी श्रेणी में विजेताओं में पहला स्थान बिरधीचंद घनश्याम दास ने जीता। दूसरे स्थान पर मोहनलाल नारायणदास ज्वैलर्स रहे। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ जेम्स एंड ज्वैलरी (आईआईजीजे) को बेस्ट इंस्टीट्यूट अवॉर्ड प्रस्तुत किया। उन्होंने शो के अगले संस्करण की तारीखों की भी घोषणा की, जो 18 से 21 दिसंबर, 2026 तक आयोजित होगा। जैन ने बताया कि इस वर्ष शो में 46 हजार से ज़्यादा विजिटर्स आए, जिनमें से 15 हजार बाहर के शहरों से थे।

जेजेएस के संयुक्त सचिव और प्रवक्ता अजय काला ने समापन समारोह का संचालन किया। उन्होंने कहा कि इस बार जेजेएस व्यवसाय के साथ-साथ प्रबंधन की दृष्टि से भी व्यापक और उपयोगी शो रहा। उन्होंने शो की सफलता के लिए सभी प्रदर्शकों, विक्रेताओं और आगंतुकों का आभार जताया।

रिलायंस ज्वैल्स की "ड्रीम डायमण्ड सेल" शुरू

मुंबई। रिलायन्स ज्वैल्स अपनी "ड्रीम डायमण्ड सेल" फिर से लेकर आए हैं, जिसके तहत उपभोक्ता आकर्षक एवं लुभावने तरीके से इस सीज़न का जश्न मना सकेंगे। यह सेल देश भर में 145 से अधिक रिलायन्स ज्वैल्स स्टोर्स पर उपलब्ध है। आगामी 27 जनवरी 2026 तक चलने वाली यह सेल ऐसे समय में लाई जा रही है, जब लोग साल के अंत में उपहार खरीदते हैं, त्योहारों की खरीददारी करते हैं या किसी यादगार के साथ नए साल की शुरूआत करना चाहते है। इस साल की ड्रीम डायमण्ड सेल, हर किसी के लिए हीरों की खरीद को सुलभ बनाएगी। ग्राहकों को 25 हजार रु. के हीरों की हर खरीद पर 0.25 ग्राम का गोल्ड कॉयन मिलेगा। इस सीज़न की सेल हीरा और सोना एक साथ खरीदने का अनूठा मौका मिलेगा। सेल के दौरान 75 हजार रु. की गोल्ड ज्वैलरी की खरीद पर मेकिंग चार्ज पर फ्लैट 20 फीसदी छूट मिलेगी। रिलायन्स ज्वैल्स स्टोर्स में ग्राहक, रोज़मर्रा के लिए डायमण्ड ज्वैलरी जैसे ईयररिंग, रिंग, चेन या स्टेटमेन्ट स्टाइल जैसे चोकर और ब्राइडल डिज़ाइनों की खरीददारी कर सकेंगे।

सार-समाचार

फैशन और ज्योतिष का अद्भुत संगम

जयपुर । अलमाइटी इंटरनेशनल एस्ट्रोलॉजी कॉन्क्लेव (एआईएसी) सीजन-2 के अंतर्गत आयोजित ग्लिटरिंग ज़ोडियक फैशन शो ने फैशन और ज्योतिष के अद्भुत संगम को भव्य मंच पर प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अनूठे आयोजन में राशियों की ऊर्जा, रंगों और भावनाओं को फैशन के माध्यम से जीवंत रूप में प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम की संयोजक डॉ. मेघा शर्मा ने बताया कि यह भव्य आयोजन ऑलमाइटी इंटरनेशनल द्वारा इंटरनेशनल वास्तु अकादमी के सहयोग से आयोजित किया गया। शो की परिकल्पना और निर्देशन, मिसेस इंडिया इंटरनेशनल दीप्ति सैनी ने संभाली। इस विशेष फैशन शो में प्रीति सचदेवा, युविका जैन, मीनाक्षी सोलंकी, अमृता टांगानिया, ममता जायसवाल, अंशु वाधवा और इंद्रजीत दास ने विभिन्न राशियों पर आधारित डिज़ाइनों को आत्मविश्वास, गरिमा और सौंदर्य के साथ रैंप पर प्रस्तुत किया। प्रत्येक प्रस्तुति में संबंधित राशि के रंग, व्यक्तित्व और कॉस्मिक ऊर्जा का प्रभावशाली चित्रण देखने को मिला। शो की विशेष आकर्षण रहीं शोस्टॉपर आरजे देवांगना, जिन्होंने रैंप पर अपनी दमदार उपस्थिति से समा बांध दिया। मंच पर मेष की ऊर्जा, सिंह की शाही भव्यता, तुला का संतुलन और कर्क की कोमलता फैशन से सजीव हुई।

ब्राइट फ्यूचर स्कूल में क्रिसमस पर्व मनाया

जयपुर । जनता कॉलोनी स्थित ब्राइट फ्यूचर पब्लिक स्कूल ने बड़े उत्साह और खुशी के साथ "क्रिसमस" पर्व मनाया। लाल और सफेद रंग की पोशाक पहनकर छोटे-छोटे बच्चों ने क्रिसमस कैरोल की धुन पर गाकर और नाचकर खुशियां फैलाई। अनगिनत छोटे सांता क्लॉज़ ने माहौल को जादुई बना दिया और वहां मौजूद सभी लोगों के लिए यादगार और मनमोहक पल बनाए। यह उत्सव हंसी, संगीत और एकजुटता की भावना से भरा था। उत्साह को बढ़ाते हुए, डायरेक्टर तेजेंद्र शर्मा और गौरव तेज शर्मा ने बच्चों को बेस्ट डांसर, बेस्ट ड्रेस्ड, बेस्ट पोस्टर मेकर और अन्य कैटेगरी में पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

वीकैंड के बाद भी सरस राजसखी राष्ट्रीय मेले में रौनक बरकरार

जयपुर । सरस राजसखी राष्ट्रीय मेला-2025 में वीकैंड के बाद भी उत्साह और चहल-पहल कम नहीं हुई। सोमवार को मेले के पाँचवें दिन सामान्य कार्यदिवस होने के बावजूद मेला परिसर में भीड़ देखने को मिली। शिल्प, हस्तकला और स्वदेशी उत्पादों के प्रति लोगों की बढ़ती रुचि ने मेले को एक जीवंत उत्सव का रूप दे दिया।

परिवारों के साथ आए दर्शकों ने विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों द्वारा निर्मित उत्पादों की सराहना की और स्थानीय स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) महिलाओं के उत्पादों की जमकर खरीदारी की। इसी क्रम में टाइनी टॉट्स इंग्लिश स्कूल के स्कूली बच्चों ने भी मेले का भ्रमण किया। बच्चों ने महिला उद्यमिता, ग्रामीण आजीविका और स्वदेशी उत्पादों को नज़दीक से समझा, जो उनके लिए आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण शैक्षिक अनुभव रहा। महिला उद्यमिता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से मेले के अंतर्गत राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद (राजीविका) द्वारा कमला पोद्दार ग्रुप के सहयोग से एक विशेष उत्पाद संवर्धन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में एसएचजी महिलाओं को डिज़ाइन नवाचार, गुणवत्ता सुधार और बाज़ार की मांग के अनुरूप उत्पाद विकसित करने संबंधी व्यावहारिक मार्गदर्शन दिया गया।

राजस्थान में तेल एवं गैस परिसंपत्तियों की सुरक्षा पर चर्चा

पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा की अध्यक्षता में हुई ऑनशोर सिक्योरिटी कोआर्डिनेशन कमेटी की बैठक

पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा की अध्यक्षता में सोमवार को पुलिस और ऑयल कंपनियों की बैठक हुई।

■ डीजी (लॉ एंड ऑर्डर) संजय अग्रवाल ने डिजिटल पोर्टल विकसित करने, उपलब्ध रिसोर्स की मैपिंग तथा सभी ऑयल कंपनियों के लिए एक राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त करने की आवश्यकता जताई।

जयपुर (कासं)। राज्य में स्थित तेल एवं गैस क्षेत्र की महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की सुरक्षा को और अधिक सुदृढ़ करने और पुलिस व ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय के उद्देश्य से गठित ऑनशोर सिक्योरिटी कोऑर्डिनेशन कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस कमेटी में पुलिस, ओएनजीसी, आईओसीएल, एचपीसीएल, बीपीसीएल समेत सभी ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधि सदस्य होते हैं।

पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने सभी ऑयल कंपनियों को स्थानीय प्रशासन एवं पुलिस के साथ निरंतर समन्वय से समस्याओं के त्वरित समाधान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की सुरक्षा संबंधी चुनौती के प्रभावी समाधान के लिए रियल टाइम रिपोर्टिंग अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने ऑयल चोरी जैसे अपराधियों से संबंधित मजबूत और अद्यतन डेटा बेस तैयार करने तथा ऑयल पाइपलाइन संपूर्ण देश एवं राज्य के आधारभूत परिदृश्य को प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। डीजी (लॉ एंड ऑर्डर) संजय अग्रवाल ने ऑयल कंपनियों की ओर से सूचनाओं के व्यवस्थित संधारण के लिए डिजिटल पोर्टल विकसित करने तथा उपलब्ध रिसोर्स की मैपिंग करने का सुझाव दिया। उन्होंने सभी ऑयल कंपनियों के लिए एक राज्य स्तरीय नोडल अधिकारी नियुक्त करने की आवश्यकता जताई।

बैठक में विभिन्न ऑयल कंपनियों द्वारा की गई मॉक ड्रिल के संबंध में जानकारी दी गई। बैठक में सजग प्रहरी प्रोत्साहन योजना, पुलिस के साथ जॉइंट पेट्रोलिंग, पुलिस नाकाबंदी, चेक पॉइंट्स तथा नियमित सिक्योरिटी कोऑर्डिनेशन मीटिंग्स, ड्रोन थ्रेट के लिए एसओपी, नो-ड्रोन ज़ोन क्षेत्र की घोषणा तथा राजस्थान ऑनशोर सिक्योरिटी कोऑर्डिनेशन कमेटी के पुनर्गठन संबंधित विषयों पर भी चर्चा की गई। बैठक में ऑयल कंपनियों के प्रतिनिधियों ने पुलिस व जिला प्रशासन से प्राप्त सहयोग की सराहना की। आईओसीएल व एचपीसीएल ने विशेष तौर से पाइपलाइन से तेल चोरी का तुरंत खुलासा कर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए राजस्थान पुलिस की प्रशंसा की। इस दौरान ऑयल कंपनियों ने राजस्थान पुलिस के कई अधिकारियों व पुलिसकर्मियों को डीजीपी राजीव कुमार शर्मा के हाथों प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित करवाया।

नोटबंदी के नौ साल बाद साढ़े तीन करोड़ रुपए बदलने से हाईकोर्ट का इनकार

राजस्थान हाईकोर्ट ने अपने रिपोर्टेबल जजमेंट में 500 और 1000 रुपए के पुराने नोटों को बदलने या जमा करने की अनुमति देने से इनकार किया, याचिकाएं खारिज की

- **हाईकोर्ट ने दुधु ग्राम सेवा सहकारी समिति, बामनोर, बिसारनिया, खुडाला, पुरावा, भीमथल और मंगता ग्राम सेवा सहकारी समितियों की सभी याचिकाएं खारिज की**

जोधपुर, (कासं)। नोटबंदी के नौ साल बाद साढ़े तीन करोड़ रुपए के पुराने नोट बदलने से कोर्ट ने इनकार कर दिया है। राजस्थान हाईकोर्ट अपने रिपोर्टेबल जजमेंट में 500 और 1000 रुपए के पुराने नोटों को बदलने या जमा करने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। ये नोट अब रद्दी हो गए हैं।

बाड़मेर जिले की दुधु ग्राम सेवा सहकारी समिति ने 16 लाख रुपए के 500 और 1000 रुपए के पुराने नोट बदलने के लिए मार्च 2017 में याचिका लगाई थी। इसके अलावा बाद में 6 प्राथमिक कृषि ऋण सहकारी समितियों (पैक्स) ने भी अपने पुरानी करेंसी के करीब साढ़े तीन करोड़ रुपए बदलने के लिए अलग-अलग याचिका लगा दी थी। जस्टिस डॉ. पुष्पेंद्र सिंह भाटी और जस्टिस अनुरूप सिंघी की डिवीजन बेंच ने दुधु ग्राम सेवा सहकारी समिति सहित 7 याचिकाओं को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि आर्थिक नीतियों में न्यायिक हस्तक्षेप की गुंजाइश बहुत सीमित है। आरबीआई द्वारा जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों पर लगाई गई रोक जनहित में लिया गया सही फैसला था। कोर्ट ने फैसले में लिखा कि महज कठिनाई या असुविधा, चाहे वह कितनी ही वास्तविक क्यों न हो। किसी वैध आर्थिक उद्देश्य को पूरा करने के लिए उठाए गए नियामक उपायों को अवैध ठहराने का आधार नहीं हो सकती।

16 लाख से ज्यादा की पुरानी करेंसी :-बाड़मेर जिले की दुधु ग्राम सेवा सहकारी समिति ने याचिका में बताया था कि 8 नवंबर 2016 को नोटबंदी की घोषणा के समय उनके पास 16 लाख 17 हजार 500 रुपए (500 और 1000 के नोट) की नकदी मौजूद थी। याचिकाकर्ता के वकील ने तर्क दिया कि ये पैसा किसानों और आम लोगों का है, जो वैध तरीके से समिति के पास आया था लेकिन आरबीआई ने 14 और 17 नवंबर 2016 को सर्कुलर जारी कर जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों को पुराने नोट स्वीकार करने से रोक दिया। वकील ने कहा कि एक ही तरह की अन्य सोसायटियों ने नोट जमा करवा दिए, लेकिन याचिकाकर्ता को अनुमति न देना भेदभावपूर्ण है। इस समिति के अलावा बामनोर, बिसरणिया, खुडाला, पुरावा, भीमथल और मंगता ग्राम सेवा सहकारी समितियां प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसायटी के रूप में जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के जरिए काम करने वाली समितियों ने भी अपने साढ़े तीन करोड़ रुपए के पुराने नोट बदलने के लिए याचिकाएं दायर की थी। इनकी मांग थी कि 14 और 17 नवंबर 2016 के आरबीआई सर्कुलर को अवैध और आरबीआई एक्ट-1934 की धारा 26 (2) के खिलाफ घोषित कर रद्द किया जाए, ताकि ये समितियां अपने पुराने नोट जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के माध्यम से जमा करा सकें, या नाबार्ड को नोटों की जांच कर वैधानिक निपटान करने का निर्देश दिया जाए।

कोर्ट ने पाया कि आरबीआई के सर्कुलर मनमाने नहीं थे, बल्कि वित्तीय अखंडता सुनिश्चित करने के लिए जारी किए गए थे। कोर्ट ने कहा कि नाबार्ड की भूमिका केवल पर्यवेक्षी है। वह आरबीआई के बाध्यकारी निर्देशों के खिलाफ जाकर नोटों की जांच या निपटान की अनुमति नहीं दे सकता। इन तर्कों के आधार पर कोर्ट ने दुधु ग्राम सेवा सहकारी समिति, बामनोर, बिसारनिया, खुडाला, पुरावा, भीमथल और मंगता ग्राम सेवा सहकारी समितियों की सभी याचिकाएं खारिज कर दी।

बिलेठा में अवैध खनन और क्रेशर को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश

भीलवाड़ा, (निसं)। ग्राम पंचायत बिलेठा के ग्रामीणों ने खनिज विभाग भीलवाड़ा द्वारा जारी माइनिंग लीज 39/2004 को लेकर गंभीर आपत्तियां जताई हैं।

ग्रामीणों ने मीडिया को बताया और आरोप लगाया कि मैसर्स अर्विन एग्रीगेटर के नाम से जारी यह लीज तथ्यों को छुपाकर और अधिकारियों से मिलीभगत कर हासिल की गई है। यह लीज पटवार हल्का बिलेठा की आराजियों पर दी गई है, जबकि लीज क्षेत्र के आसपास घनी आबादी, स्कूल, खेलकूद का मैदान, वन विभाग की भूमि तथा कृषि भूमि की सिंचाई व पेयजल का प्रमुख स्त्रोत तालाब स्थित है। इसके बावजूद नियमों की अनदेखी कर लीज स्वीकृत की गई। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि फर्म द्वारा लीज क्षेत्र के अतिरिक्त आसपास की कृषि भूमि पर भी अवैध रूप से खनन करने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए किसानों पर दबाव बनाकर उनकी भूमि जबरन कब्जाने या औने-पौने दामों पर खरीदने का प्रयास किया जा रहा है। विरोध करने पर ग्रामीणों को डराने-धमकाने के आरोप भी लगाए गए हैं। और सबसे गंभीर बात यह है कि मार्बल खनन के लिए ली गई लीज पर अवैध रूप से गिट्टी क्रेशर स्थापित किया जा रहा है। इससे क्षेत्र में उड़ने वाली धूल से ग्रामीणों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, श्वास संबंधी बीमारियों का खतरा बढ़ेगा और आसपास की उपजाऊ कृषि भूमि बंजर होने की आशंका है। इससे ग्रामवासियों को आर्थिक और स्वास्थ्य दोनों स्तर पर भारी नुकसान होगा।

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि लीज क्षेत्र के पास ही उनकी धार्मिक आस्था का केंद्र स्थित है, जहां कई परिवार निवास करते हैं। खनन और क्रेशर संचालन से इस धार्मिक स्थल को भी नुकसान पहुंचने की आशंका है। यदि हालात ऐसे ही रहे तो ग्रामीणों को पलायन के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। नियमों के अनुसार आवश्यक होने के बावजूद ग्राम पंचायत बिलेठा से अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) प्राप्त नहीं की गई, फिर भी खनिज विभाग भीलवाड़ा ने माइनिंग लीज जारी कर दी। इस माइनिंग लीज को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाए, अन्यथा उन्हें मजबूरन आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ेगा, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन और प्रशासन की होगी।

युवक पर चाकू से हमला

डूंगरपुर, (निसं)। सरोदा थाना इलाके के सरोदा गांव में रविवार रात को चाकूबाजी की घटना हुई। बाइक पर आए 2 बदमाशों ने युवक की बाइक रोककर चाकू से हमला कर दिया। जिससे युवक पर चाकू के 2 वार सीने और एक पेट पर लगा। वहीं बचाव में आए दोस्त की भी अंगुलियां कट गई। हमले के बाद दोनों बदमाश भाग गए। जिनको बाद में पुलिस ने पकड़ लिया। वही गंभीर घायल युवक को सागवाड़ा से अहमदाबाद अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में आक्रोश का माहौल है। सरोदा गांव में चाकूबाजी की घटना हुई। सरोदा निवासी चिरायु पंचाल पुत्र प्रकाश पंचाल और उसका दोस्त नकुल सेवक दोनों ही खेतों की तरफ गए थे। रात को दोनों खेतों से वापस अपने घर बाइक लेकर लौट रहे थे। इस दौरान सरोदा नीलकंठ मोड के पास बाइक पर 2 बदमाश आए। बदमाशों ने ओवरटेक करते हुए बाइक उनके आगे खडी कर दी। इसके बाद बदमाशों ने गाली गलौज करते हुए चाकू से हमला कर दिया।

मारुति सुज़ुकी प्री-ओन्ड कार्निवल से ग्राहकों में उत्साह

कोटा। मारुति सुज़ुकी ट्रू वैल्यू द्वारा कोटा में आयोजित प्री-ओन्ड कार कार्निवल शनिवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस दौरान 200 से अधिक ग्राहकों ने भाग लिया और विभिन्न कारों का टेस्ट ड्राइव किया। कार्यक्रम में फैमिली गेम्स और मनोरंजक गतिविधियों के कारण अच्छा फुटफॉल देखने को मिला। भाटिया एंड कंपनी एवं स्वालका मोटर्स द्वारा 100 से अधिक क्वालिटी सर्टिफाइड प्री-ओन्ड कारों को प्रदर्शित किया गया, जिन पर 1 वर्ष अथवा 15 हजार किमी. वारंटी एवं 3 फ्री सर्विस की सुविधा दी गई। ग्राहकों के उत्साह को देखते हुए इस कार्निवल को 21 दिसंबर को भी जारी रखा गया। ज्ञात रहे कि वर्तमान में देशभर में 60 लाख से अधिक ग्राहक मारुति सुज़ुकी ट्रू वैल्यू से जुड़े चुके है।

तंत्र-मंत्र के नाम पर 10 लाख की ठगी, एमपी से आरोपी गिरफ्तार

- **भूत-प्रेत का साया बताकर तंत्र-मंत्र के नाम पर 10 लाख की ठगी की थी**

झुंझुनूं, (निसं)। जिले की मेहाड़ा पुलिस ने भूत-प्रेत का साया बताकर तंत्र-मंत्र के नाम पर ठगी करने वाले फर्जी बंगाली बाबा को गिरफ्तार किया है। यह बाबा बंगाल का नहीं, बल्कि हरियाणा का निकला, जिसके पीछे जब पुलिस पड़ी तो मेहाड़ा पुलिस को मध्यप्रदेश के एक मंदिर में मिला।

सीआई राममनोहर ने बताया कि सिहोड़ निवासी राजेश सोनी 28 अक्टूबर को रिपोर्ट दी थी कि उसके घर पर एक व्यक्ति बर्तन बेचने के बहाने आया था, जिसने उसके बड़े भाई नरहरि को देखा और कहा कि इस पर भूत-प्रेत का साया है। इसे दूर करने के लिए उसके पास एक महाराज हैं, जो बंगाल में रहते हैं, जिससे नरहरि एकदम ठीक हो जाएगा। राजेश सोनी उसकी बातों में आ गया। जिसके बाद बंगाली बाबा के नाम से महाराज शिवकांत शर्मा आया। उसने बताया कि पूरे घर पर तांत्रिक क्रिया की हुई है। इसके लिए अनुष्ठान आदि करना पड़ेगा। करीब चार-पांच महीनों तक तंत्र मंत्र से बंगाली बाबा शिवकांत शर्मा ने अनिष्ट की आशंका दिखाकर उससे और उसके रिश्तेदारों से करीब 10 लाख 10 हजार 840 रूपए ठग लिए।

पुलिस ने मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया तो इस बंगाली बाबा की तलाश में पुलिस ने हरियाणा के निजामपुर, नांगल चौधरी, पावटा, शाहपुरा, कोटपुतली, दौसा, लालसोट, सवाई माधोपुर, शिवपुरी, बधवास, कोलसर, खरोरा, अशोकनगर आदि जगहों पर तलाश की, लेकिन अंत में आरोपी मध्यप्रदेश के अशोक नगर जिले के मौजा पिपराही गांव में स्थित एक बालाजी मंदिर में मिला, जिससे लाकर पूछताछ की गई। बाद पूछताछ गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी बंगाली का होने की बजाय हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले के निजामपुर थाना इलाके का मुसनोता निवासी 43 वर्षीय शिवकांत शर्मा पुत्र मातादीन ब्राहमण निकला, जिसे कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। आरोपी को पकड़ने में मेहाड़ा थाने के एएसआई भोमाराम, कांस्टेबल रणधीर, महिला कांस्टेबल उषा ने सीआई राममनोहर के निर्देशन में कार्य किया।

सीआई राममनोहर ने बताया कि आरोपी ने ना केवल सिहोड़ गांव में, बल्कि कई जगहों पर तंत्र मंत्र के नाम ठगी की वारदातें की है। झुंझुनूं जिले के पिलानी क्षेत्र में भी दो वारदातें सामने आई है। जिनके बारे में भी पूछताछ की जा रही है। इसके अलावा अन्य राज्यों में भी इसकी सूचना दी गई है। आरोपी अपने गांव कई सालों से नहीं गया। बाहर ही घूमता-फिरता रहता है और लोगों को बेवकूफ बनाकर ठगी करता रहता है।

झुंझुनूं में जुआ खेलते चार जने गिरफ्तार

झुंझुनूं, (निसं)। कोतवाली पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एक काम्प्लेक्स में दो हजार रूपए दिन का किराया लेकर चल रहे जुआघर को पकड़ा है। साथ ही चार आरोपियों को रंगे हाथ जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया है। वहीं फ्लेट के मालिक इमरान खान पुत्र इकराम काजी को भी जुआघर चलाने के मामले में आरोपी मानते हुए उसकी तलाश शुरू कर दी है।

शहर कोतवाल श्रवण कुमार ने बताया कि कोतवाली पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि रोड नंबर तीन पर स्थित जन्नत कॉम्पलेक्स के दूसरे फ्लोर के फ्लेट नंबर चार में कुछ लोग ताश के पत्तों पर रुपए का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। जहां चार व्यक्ति एकराय होकर अनाधिकृत रूप से जुआ खेलते पाए गए। पुलिस ने मौके से जुआ सामग्री एवं 46,040 रुपए नकद जब्त कर शहर के वार्ड नंबर 32 पीएनबी बैंक वाली गली रोड नंबर एक निवासी गुलाब पुत्र प्रभातीलाल कुमावत, मोहल्ला खोरा निवासी साजिद अली पुत्र कासम अली, फुटला बाजार निवासी साबिर अहमद पुत्र गुलाम हुसैन तथा गुढ़ा मोड़ रहमानिया मस्जिद के पास रहने वाले 60 वर्षीय अब्दुल रजाक पुत्र गन्नी खान जाति क्यामखानी को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि यह फ्लैट इमरान खान का है, जिसकी अनुमति से वे पिछले 8-10 दिनों से यहां जुआ खेल रहे थे और इसके बदले प्रतिदिन 2000 रुपए किराया दिया जा रहा था।

तीन दलित प्रोफेसरों को एपीओ करने पर नाराजगी

अलवर। प्रदेश में एक दलित डिप्टी सीएम, दलित आयुक्त है, फिर भी एक ही कॉलेज के तीन दलित प्रोफेसरों को एपीओ करने को लेकर नाराजगी जताई है। जानकारी के अनुसार बाबू शोभाराम राजकीय कला महाविद्यालय अलवर में पदस्थापित डॉ. अशोक कुमार खटीक आचार्य भूगोल, डॉ.महेश चंद गोठवाल सहआचार्य लोक प्रशासन एवं सुंदर लाल बसवाल सहायक आचार्य इतिहास को उप शासन सचिव प्रथम के 19.12.2025 के आदेश के तहत पदस्थापन की प्रतीक्षा में अर्थात एपीओ किया गया है, जिसके लिए कोई भी कारण अंकित नहीं किया गया है। तीनों प्रोफेसर अनुसूचित जाति से हैं और अध्ययन, अध्यापन, सहशैक्षिणक गतिविधियां तथा प्राचार्य द्वारा समय समय पर प्रदत्त कार्य कुशलता के साथ संपादित करते रहे हैं। डॉ. अशोक कुमार खटीक 90000 पुस्तकों वाले महाविद्यालय पुस्तकालय के प्रभारी है। पुस्तकालय अध्यक्ष की कमी के कारण पुस्तकालय का संचालन कर रहे हैं। डॉ. महेश चंद्र गोठवाल, लोक प्रशासन विभाग में एकमात्र शिक्षक हैं। शोध कार्य भी करवाते हैं। सुंदरलाल बसवाल बहुत ही सक्रिय एवं विद्यार्थियों में लोकप्रिय शिक्षक है। राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रभारी एवं कई वर्षों से अनुशासन समिति के सदस्य रहे हैं। सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं।

सड़क हादसे में दो चचेरे भाइयों की मौत के बाद परिजनों में आक्रोश

मृतकों के फाइल फोटो।

- **परिजन का आरोप है कि पुलिस जीप ने बाइक सवार दो चचेरे भाइयों को टक्कर मार दी थी**
- **पुलिस नीलगाय से टकराने से हादसा होने की बात कह रही है, विजय मंदिर थाना एसएचओ प्रेमलता वर्मा मौके पर पहुंची और परिजनों से समझाइश की**

अलवर, (निसं)। अलवर में सड़क हादसे में दो चचेरे भाइयों की मौत के बाद मामला तूल पकड़ता ही जा रहा है। सोमवार को जिला अस्पताल में मृतकों के परिजन और पुलिस आमने-सामने हो गए। परिजनों और ग्रामीणों ने शवों का पोस्टमॉर्टम कराने से मना कर दिया। परिजनों का आरोप है कि यह हादसा नीलगाय से नहीं, बल्कि विजय मंदिर थाना पुलिस की 112 गाड़ी की टक्कर से हुआ है, जबकि पुलिस नीलगाय से टकराने से हादसा होने की बात कह रही है। इस पूरे मामले में विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी पुलिस पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा कि पुलिस प्रशासन ड्राइवर को बचाने में लगा है। हालांकि, विजय मंदिर थाना एसएचओ प्रेमलता वर्मा मौके पर पहुंची और परिजनों समझाइश की, जिसके बाद परिजनों ने पुलिस की 112 गाड़ी और ड्राइवर के खिलाफ शिकायत दे दी है। जिसकी जांच जारी है।

जानकारी के अनुसार घटना रविवार शाम सात बजे के आसपास जटियाना गांव के पास बहरोड रोड स्थित मोटल होटल के सामने की है। मृतक रामधन (32) निवासी अमृतबास और उसके चचेरे भाई शेर सिंह (33) के शव अभी तक जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखे हुए हैं। हालांकि, थानाधिकारी की समझाइश के बाद पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू होने से पहले ही रोक दी गई।

सीओ ग्रामीण शिवानी शर्मा भी मौके पर पहुंची। परिवार की मांग है कि पहले पुलिस की गाड़ी और ड्राइवर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करके कॉपी दे, फिर पोस्टमॉर्टम करवाएंगे। हालांकि, पुलिस ने शिकायत की कॉपी एक कॉन्स्टेबल को देकर थाने भेज दिया है। शिकायत दर्ज होने के बाद फिर से पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई शुरू होगी। मृतकों के परिजन यादराम ने बताया कि पुलिस ने रात में सूचना दी कि नीलगाय से टक्कर के कारण दोनों की मौत हुई है। इसके बाद जब परिजन और ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे तो वहां मौजूद तूड़ी से भरे ट्रैक्टर चालकों और आसपास के लोगों ने बताया कि बाइक को तेज रफ्तार में आ रही पुलिस की 112 गाड़ी ने टक्कर मारी थी। लोगों का कहना है कि टक्कर के बाद पुलिस जीप 112 के ड्राइवर ने थाने में सूचना दी और दूसरी पुलिस की गाड़ी बुलाकर गंभीर घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि पुलिस किसी अन्य वाहन से हादसा होने का उन पर दबाव बना रही है। पुलिस उन्हें बीमा क्लेम और परिवार को फायदा मिलने की बात कह रही है, ताकि पुलिस जीप 112 के ड्राइवर को बचा सके। हालांकि, विजय मंदिर थाने के एएसआई निहाल सिंह ने मीडिया से बातचीत के दौरान नीलगाय से हादसा होने की बात कही है।

घने कोहरे में लिपटा सरवाड़ शहर

सरवाड़, (निसं)। शहर साहित उपखंड क्षेत्र में सर्दी के मौसम में पहली बार घना कोहरा छाने से सर्दी का असर देखने को मिला। वहीं कोहरे से खेतों में खड़ी फसलों को काफी फायदा साबित होगा। कोहरे के कारण वाहन चालकों व आमजन को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।सोमवार को सुबह से ही उपखंड क्षेत्र में घने कोहरे की चादर में लिपटा हुआ नजर आया। वाहन चालकों को कोहरे के कारण हेडलाइट जलाकर रखना पड़ा। घने कोहरे के कारण खेतों में खड़ी फसल सरसों गेहूं चने साहित अन्य फसलों को इसका फायदा पहुंचेगा। भयंकर सर्दी ने आमजन को ठिठुराकर रख दिया इस दौरान अजमेर कोटा स्टेट हाईवे व देवली कोटा स्टेट हाईवे पर दूर-दूर तक सड़क नहीं दिखाई दी।

शिल्पग्राम उत्सव : विभिन्न राज्यों के लोक गायन और लोक नृत्यों ने धूम मचाई

शिल्पग्राम उत्सव में मुक्ताकाशी मंच पर विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने लोक गायन और लोक नृत्यों की प्रस्तुति दी।

- **मुक्ताकाशी मंच पर गोवा, राजस्थान, ओडिशा, महाराष्ट्र की लोक संस्कृति हुई साकार**
- **मराठी लावणी और कथक के फ्यूजन ने धूम मचाई, कोरियोग्राफिक डांस में दिखा लोक नृत्यों का अनूठा संगम**

उदयपुर, (निसं)। 'लोक के रंग-लोक के संग' थीम को सोमवार को मुक्ताकाशी मंच पर विभिन्न राज्यों के लोक गायन और लोक नृत्यों ने साकार किया। इन प्रस्तुतियों को देखकर दर्शक मंत्र मुग्ध हो गए। वहीं, उत्सव के दौरान शिल्पग्राम के विभिन्न थड़ों पर भी सांस्कृतिक प्रस्तुतियां सुबह से शाम तक दर्शकों का मन मोह रही हैं। इसके साथ ही बंजारा मंच पर 'हिवड़ा री हूक' में जहां मेलार्थियों ने खुद प्रस्तुतियां देकर लुत्फ उठाया, वहीं बीच-बीच में संचालक सौरभ भट्ट ने प्रश्नोत्तरी चलाकर प्रोग्राम को और रोचक बना दिया।

मुक्ता काशी मंच पर सोमवार शाम मुख्य कार्यक्रम में राजस्थान के मांगणियार गायन और सफेद आंगी गेर के साथ ही डेरू डांस ने सामयीन का दिल जीता, वहीं इस प्रोग्राम को ओडिशा के संभलपुरी डांस ने द्विगुणित बना दिया। इसके साथ ही गोवा के घूमट गायन ने मंच पर गोवा का माहौल बना दिया। इस शाम में लोक संस्कृति के अनूठे संगम को पेश कर कोरियोग्राफिक प्रस्तुति ने खूब वाहवाही लूटी। इसमें गोवा के देखनी व घोड़े मोदनी, मणिपुर के लैहारोबा, कश्मीर के रौफ, राजस्थान के लाल आंगी व चरी, कर्नाटक के पूजा कुनिता व ढालू कुनिता, महाराष्ट्र के सोंगी मुखौटा, पंजाब के लुड्डी तथा गुजरात के तलवार रास व राठवा नृत्यों का महासंगम दिखा। इस प्रस्तुति को तराशा दिल्ली के प्रसिद्ध कोरियोग्राफर सुशील शर्मा ने। इसे देख दर्शक सम्मोहित से हो गए।

कार्यक्रम में श्रद्धा सतवीडकर एंड ग्रुप के मराठी लावणी लोक नृत्य के साथ नितिन कुमार एंड ग्रुप के कथक के खूबसूरत फ्यूजन में क्लासिकल और फोक के अनूठे संगम ने दर्शकों का मन मोह लिया। इससे पूर्व, डॉ. प्रेम भंडारी के निर्देशन में राजस्थानी लोक गीतों पर आधारित कर्णप्रिय मेडले की प्रस्तुती ने श्रोताओं की खूब सराहना पाई। इस प्रस्तुती में खास बात कलाकारों ने बिना लोक गायन की मूल शैली को बदले खूबसरती से इसमें क्लासिकल पुट दिया, जिस पर संगीत प्रेमी श्रोता वाहवाही कर उठे। शाम के मुख्य कार्यक्रम के अलावा शिल्पग्राम में विभिन्न थड़ों पर भी लोकरंजक प्रस्तुतियां सुबह 11 बजे से शाम 6 बजे तक निरंतर जारी हैं। इनमें मुख्य द्वारा के पास तुतारी, आंगन में बीन जोगी, कच्ची घोड़ी और बाजीगर, देवरा में गोंधल, बन्नी पर मांगणियार, सम पर घूमट, दर्पण फूड कोर्ट के पास घूमर और चकरी, भूजोड़ी पर चकरी, बड़ा बाजार नुक्कड़ पर पोवाड़ा, गोवा ग्रामीण पर कठपुतली, दर्पण द्वार पर सुंदरी और बड़ा बाजार में मसक वादन की प्रस्तुतियां और विभिन्न मॉडल्स का सुंदर प्रदर्शन किया जा रहा है। इसके अलावा प्रांगण में बहरूपिया विभिन्न स्थानों पर घूमते हुए मेलार्थियों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है।

सांवलिया सेठ के एक माह के भंडार से 29.32 करोड़ का चढ़ावा मिला

मंडफिया, (निसं)। मेवाड़ अंचल के प्रमुख तीर्थ स्थल भगवान श्री सांवलिया जी सेठ मंडफिया के दरबार में गत 18 दिसंबर चतुर्दशी को खोले गए भंडार की शेष रही राशि की गिनती मंदिर बोर्ड अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव की उपस्थित में चौथे चरणों में संपन्न हुई।

मंदिर अध्यक्ष हजारी दास वैष्णव ने बताया कि चौथे चरण में हुई भंडार गिनती में 49 लाख 84 हजार 395 रुपए नगद प्राप्त हुए। इससे पूर्व तीन चरणों में हुई गिनती में 22 करोड़ 30 लाख 85 हजार रुपए नगद प्राप्त हुए थे। उन्होंने बताया कि चारों चरणों की गिनती को मिलाकर कुल 22 करोड़ 80 लाख 69 हजार 395 रुपए की नगद प्राप्त हुए। अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि इसके अलावा भंडार से निकले सोने-चांदी का तोल भी किया गया। भंडार से 1 किलो 250 ग्राम सोना व 44 किलो 400 ग्राम चांदी प्राप्त हुई। उन्होंने बताया कि विभिन्न भक्तों द्वारा मंदिर कार्यालय में 535 ग्राम 910 मिली ग्राम सोना व 55 किलो 444 ग्राम चांदी भेंट स्वरूप जमा हुई। अध्यक्ष वैष्णव ने बताया कि इसके अलावा विभिन्न भक्तों ने विभिन्न स्थानों से मनी ऑर्डर भेजकर,ऑनलाइन द्वारा एवं स्वयं उपस्थित होकर मंदिर कार्यालय में 6 करोड़ 51 लाख 35 हजार 525 रुपए भेंट जमा किए। भगवान श्री सांवलिया जी सेठ के एक माह के भंडार एवं भेंट कक्ष कार्यालय से कुल 29 करोड़ 32 लाख 4 हजार 920 रुपए का नगद चढ़ावा मिला। भंडार गिनती में मंदिर अध्यक्ष वैष्णव, मंदिर बोर्ड सदस्य सहित मंदिर कर्मचारी एवं बैंक कर्मी उपस्थित थे।

भंडार गिनती में मंदिर अध्यक्ष, मंदिर बोर्ड सदस्य सहित मंदिर कर्मचारी एवं बैंक कर्मी उपस्थित थे।

इस गर्मी में मैच न खेल पाने का मुझे बहुत दुख है, मैं स्पार्क्स के साथ एक और सीजन खेलने का बेसब्री से इंतज़ार कर रही थी, खासकर सुपर स्मैश का।" "मैं मार्च में व्हाइट फर्न्स के साथ मैदान पर वापसी करने के लिए दृढ़ संकल्पित हूँ, इसलिए अभी मेरा ध्यान इसी पर रहेगा। **– सूज़ी बेट्स**

न्यूज़ीलैंड महिला क्रिकेटर, अपनी चोट को लेकर बोलते हुए।

आज का खिलाड़ी — कूपर कॉनोली

पंजाब किंग्स द्वारा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की मिनी नीलामी में तीन करोड़ रूपये में खरीदे गये ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कूपर कॉनोली टीम के कोच रिकी पोंटिंग के साथ काम करने के लिए उत्सुक हैं। रिकी पोंटिंग के साथ काम करने को लेकर कॉनोली ने कहा, "हां, मैं रिकी के साथ काम करने के लिए उत्सुक हूं। मैंने उनके बारे में बहुत अच्छी बातें सुनी हैं। मैंने अभी तक उनके साथ ज्यादा काम नहीं किया है। इसलिए मैं उनके साथ कुछ समय बिताने और अपनी बल्लेबाजी में कुछ बदलाव करने और यह देखने के लिए उत्सुक हूं कि इस बारे में उनके क्या विचार हैं।

क्या आप जानते हैं ?... साउथ अफ्रीका के सबसे खतरनाक गेंदबाजों मेंडेल स्टेन, शॉन पोलक, कगिसो रबाडा और एलन डोनाल्ड जैसे नाम शामिल हैं।

नेमार के घुटने की सर्जरी होगी

रियो डी जेनेरो, 22 दिसम्बर। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, नेमार सोमवार को अपने बाएं घुटने में फटे मेनिस्कस को ठीक करने के लिए कीहोल सर्जरी करवाएंगे। 33 वर्षीय सैंटोस फॉरवर्ड ने रविवार को सोशल मीडिया पर एक फोटो पोस्ट की, जिसमें वह दक्षिण-पूर्वी शहर बेलो होरिज़ोंटे के एक अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए दिख रहे हैं। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि ब्राजील की नेशनल टीम के डॉक्टर रोड्रिगो लास्मार यह प्रोसीजर करेंगे, जिसमें लगभग चार हफ़्ते रिकवरी का समय लगने की उम्मीद है। इस महीने की शुरुआत में, नेमार ने खुलासा किया था कि उन्होंने 2025 ब्राज़ीलियन सीजन का दूसरा हाफ चोट के साथ खेला था, लेकिन सैंटोस को रेलिगेशन से बचाने के लिए दर्द के बावजूद खेलने का फैसला किया। बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मन के पूर्व स्टार ने इस साल सभी प्रतियोगिताओं में सैंटोस के लिए सिर्फ़ 28 मैच खेले, जिसमें 11 गोल किए और चार असिस्ट दिए।

हिमांशु, लक्ष्य और आयुष ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया

जयपुर, 22 दिसम्बर। 7वां सिख राष्ट्रीय खेल ताइक्वांडो चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 20-21 दिसंबर को नई दिल्ली में किया गया। इस प्रतियोगिता में कुल 600 बच्चों ने भाग लिया टूर्नामेंट आयोजक सिख गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया प्रतियोगिता में स्कॉलर्स इंटरनेशनल स्कूल जयपुर के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन पर कोच दलबीर सिंह ने बच्चों को शुभकमनाये दी और इसी प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता में विद्यालय के हिमांशु सैनी, लक्ष्य कुमार और आयुष चौधरी ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। अनुज सिंह, निहाल सिंह, आरव नायक, आरव चौधरी ने रजत पदक प्राप्त किया। वंश शर्मा, काश्विन चौधरी, साहिल मोहन भूमे, हर्षित बलवाड़ा, अनय जांदगिड, शाश्वत शर्मा, पोरस सोनी,वे दिशांत सिंह ने कंस्या पदक प्राप्त किया। बच्चों के माता-पिता ने कोच दलबीर सिंह और बच्चों का रेलवे स्टेशन पर भव्य स्वागत किया।

जतिन के शतक से जीती एमसीजी क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 22 दिसम्बर। जयपुर कप सीजन- 1 में सोलफिल क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 37.4 ओवर में 172 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाएं। अभिषेक ने 53 और अमन भारद्वाज ने 41 रनों का योगदान दिया। एमसीजीक्रिकेट अकादमी की ओर से काव्य वर्मा ने 3, मितेश जांगिड़, सार्थक सैनी और मोहित ने 2-2 विकेट लिया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमसीजीक्रिकेट अकादमी ने 14.2 ओवर में 178 रन दो विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली। जतिन चौधरी ने 107 नाबाद और शिवांक सिंह ने 41 रनों का योगदान दिया। मैन ऑफ द मैच जतिन चौधरी को चुना गया।

जयपुर के समीर चैंपियन, रनर अप उदयपुर के इमरान

रहे

जयपुर, 22 दिसम्बर। इंडो बॉडी बिल्डर्स फिटनेस एसोसिएशन द्वारा ओपन मिस्टर राजस्थान चैंपियनशिप का आयोजन भीलवाड़ा स्थित गांधी वाटिका में किया गया। इसमें 100 से अधिक प्लेयर्स ने भाग लिया, जिसमें चैंपियन ऑफ चैंपियन जयपुर के समीर, रनर अप उदयपुर के इमरान अहमद रहे। जयपुर के फरमान खान ने 60 किलो ग्राम में गोल्ड मेडल हासिल किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष मंसूर खान ने बताया कि 76 साल के सरफुद्दीन को मिस्टर इंडिया चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल हासिल करने पर उनको फेडरेशन की ओर से सम्मानित किया गया।

लर्नर टिएन ने जीता नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब

जेद्दा, 22 दिसम्बर। अमेरिकी युवा टेनिस खिलाड़ी लर्नर टिएन ने बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को हराकर नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स का खिताब जीत लिया है। लर्नर टिएन ने नेक्स्ट जेन एटीपी फाइनल्स जीतने से चूकने के एक साल बाद रविवार को किंग अब्दुल्ला स्पोर्ट्स सिटी में खेले गये फाइनल मुकाबले में बेल्जियम के अलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 4-3(4), 4-2, 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इस दौरान स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल वहां मौजूद थे। अमेरिकी खिलाड़ी की खिताब की उम्मीदों को शुरुआती झटका तब लगा जब वह स्पेन के राफेल जोडर के खिलाफ पहले राउंड-रॉबिन मैच में चार मैच अंक में से एक भी हासिल नहीं कर पाए, और सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए उन्हें बेहद मेजनत करनी पड़ी। लेकिन उन्होंने वहां से हिम्मत नहीं हारी और अपने बाकी दो ग्रुप-स्टेज मैच एक सेट से पिछड़ने के बाद जीते। इसके बाद उन्होंने नॉकआउट राउंड में एक भी सेट नहीं हारा और स्टेफानोस सितसिपास (2018) और कार्लोस अल्काराज़ (2021) के नक्शेकदम पर चलते हुए खिताब जीतने वाले तीसरे टॉप सीड

2023 वर्ल्ड कप की हार से पूरी तरह टूट गया था : रोहित शर्मा

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर। भारत के पूर्व वनडे कप्तान रोहित शर्मा ने 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में हार के भावनात्मक असर पर बात की है, यह मानते हुए कि इस हार से वह पूरी तरह से टूट गए थे और खेल में अपने भविष्य पर सवाल उठाने लगे थे।

मास्टर्स यूनियन कन्वोकेशन 2025 में बोलते हुए, जहां उन्होंने मुख्य अतिथि के तौर पर ग्रेजुएट होने वाले छात्रों को संबोधित किया, रोहित ने घर पर वर्ल्ड कप फाइनल में भारत की हार के बाद की स्थिति पर खुलकर बात की। रोहित ने इवेंट के दौरान कहा, "2023 वर्ल्ड कप फाइनल के बाद, मैं पूरी तरह से टूट गया था और मुझे लगा कि मैं अब यह खेल नहीं खेलना चाहता क्योंकि इसने मुझसे सब कुछ छीन लिया था और मुझे लगा कि मेरे पास कुछ नहीं बचा है।" भारतीय कप्तान ने बताया कि यह निराशा उस बड़े व्यक्तिगत निवेश के कारण थी जो उन्होंने 2022 में कप्तानी संभालने के बाद से किया था, जिसका एकमात्र लक्ष्य था: भारत के लिए वर्ल्ड कप जीतना।

यह मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से बहुत मुश्किल समय था क्योंकि मैंने उस वर्ल्ड कप में सब कुछ लगा दिया था, न सिर्फ दो या तीन महीने पहले, बल्कि जब से मैंने 2022 में कप्तानी संभाली थी। मेरा एकमात्र लक्ष्य वर्ल्ड कप जीतना था, चाहे वह टी20 वर्ल्ड कप हो या 2023 वर्ल्ड कप। इसलिए जब ऐसा नहीं हुआ, तो मैं पूरी तरह से टूट गया था।" रोहित ने आगे कहा कि भावनात्मक थकावट इतनी ज़्यादा थी कि उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से ठीक होने में महीनों लग गए। उन्होंने कहा, "मेरे शरीर में कोई एनर्जी नहीं बची थी। मुझे ठीक होने और खुद को वापस लाने में कुछ महीने लग गए।"

37 साल के खिलाड़ी ने बताया कि आखिरकार जिस चीज़ ने उन्हें अपनी लय वापस पाने में मदद की, वह थी खुद को खेल के प्रति अपने प्यार की याद दिलाना। रोहित ने कहा, "इसमें थोड़ा समय लगा, और मैं खुद को याद दिलाता रहा कि यह कुछ ऐसा है जिससे मुझे सच में प्यार है, कि यह मेरे सामने था, और मैं इसे इतनी आसानी से जाने नहीं दे सकता था। धीरे-धीरे, मुझे अपना रास्ता वापस मिल गया, एनर्जी वापस आ गई और मैं मैदान पर फिर से आगे बढ़ने लगा।"

हालांकि, यह झटका एक टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। रोहित ने उस दौर को ज़िंदगी का एक बड़ा सबक बताया, जिसने उन्हें आईसीसी टी20 वर्ल्ड कप 2024 से पहले खुद को रीसेट करने और फिर से फोकस करने में मदद की। उन्होंने कहा, "मुझे पता था कि ज़िंदगी वहीं खत्म नहीं होती। यह मेरे लिए एक बड़ा सबक था कि निराशा से कैसे निपटना है, खुद को रीसेट करना है और नई शुरुआत करनी है।"

इस नए फोकस का फायदा मिला, जब भारत ने रोहित की कप्तानी में 2024 का टी20 वर्ल्ड कप जीता, और बारबाडोस में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराया।

अपने मुख्य भाषण के दौरान, रोहित ने लचीलेपन, लीडरशिप और चुनौतियों के हिसाब से ढलने के बारे में भी बात की, और क्रिकेट और खेल से परे ज़िंदगी के बीच समानताएं बताईं। ग्रेजुएट हो रहे छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए उन्होंने कहा, "चुनौतियां हमेशा आपके रास्ते में आएंगी, लेकिन वे ही आपके अंदर की सबसे अच्छी चीज बाहर लाती हैं। आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ें, जो भी आ रहा है उसे अपनाएं, और यात्रा का आनंद लें।"

न्यूज़ीलैंड ने वेस्टइंडीज को रौंदा, डब्ल्यूटीसी तालिका में दूसरे नंबर पर पहुंचा

माउंट माउंगानुई, 22 दिसम्बर। न्यूज़ीलैंड सोमवार को बे ओवल में तीसरे और आखिरी टेस्ट में वेस्ट इंडीज पर 323 रन की ज़बरदस्त जीत के बाद आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) स्टैंडिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गया। ब्लैक कैप्स ने आखिरी दिन के बीच में ही मैच खत्म कर दिया, वेस्ट इंडीज़ को 462 रन के मुश्किल टारगेट का बचाव करते हुए 138 रन पर आउट कर दिया। लेफ्ट आर्म पेसर जैकब डफी ने अहम झटका दिया, इस शानदार सीरीज़ का अंत किया जिसमें उन्होंने 23 विकेट लिए और उन्हें प्लेयर ऑफ द सीरीज़ चुना गया। डफी आखिरी टेस्ट में गेंद से सबसे शानदार रहे, उन्होंने दूसरी पारी में 5/42 विकेट लिए, जब मेहमान टीम लगातार दबाव में बिखर गई। इस दौरान उन्होंने न्यूज़ीलैंड का एक पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ा, उन्होंने एक कैलेंडर साल में कीवी टीम द्वारा लिए गए सबसे ज़्यादा विकेट के सर रिचर्ड हैडली के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। 80 विकेट अपने नाम करने के बाद, डफी ने सीरीज में अपना तीसरा फाइव-विकेट हॉल बनाया। डफी ने माना, "मैंने लंच टाइम में वह लिस्ट (एक कैलेंडर साल में सबसे ज़्यादा विकेट) देखी, और उसमें कुछ अच्छे नाम थे, इसलिए ऐसे नामों वाली किसी भी लिस्ट में ऊपर होना खास था।" मैच में न्यूज़ीलैंड की कमांडिंग पोज़िशन उनके टॉप ऑर्डर, खासकर ओपनर डेवोन कॉनवे और कप्तान टॉम लैथम की ज़बरदस्त कोशिशों पर बनी थी। इस जोड़ी ने टेस्ट क्रिकेट में पहली ओपनिंग पार्टनरशिप बनकर इतिहास रच दिया, जिसमें दोनों बैट्समैन ने एक ही मैच में दो सेंचुरी बनाई।

टी-20 विश्वकप से पहले फॉर्म में वापसी करूंगा : सूर्यकुमार यादव

मुंबई, 22 दिसम्बर। टी20 में पिछले कुछ समय से रनों का सूखा होने के बाद पहली बार भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने माना कि उनका फ़ॉर्म अच्छा नहीं है। हालांकि उन्होंने भरोसा जताया है कि 7 फ़रवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप से पहले फ़ॉर्म में वापसी करेंगे।

पिछले एक साल में नंबर 3 और 4 पर खेलते हुए सूर्यकुमार ने 22 पारियों में बिना अर्धशतक और सिर्फ़ 12.84 की औसत एवं 117.87 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में उन्होंने 12, 5, 12 और 5 के स्कोर बनाए और अब टी20 विश्व कप से पहले उनके पास सिर्फ़ पांच मैच बचे हैं।

टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम के चयन के बाद सूर्यकुमार ने बीसीसीआई के मुंबई हेडक्वार्टर में हंसते हुए कहा," ये वाला पैच थोड़ा लंबा हो गया। मुझे लगता है हर किसी में करियर में उन्हें यह देखने को मिला है। मैं भी इससे उबर कर आऊंगा। मुझे पता है क्या करना है। मुझे पता है चीज़ें कहां गलत हो रही हैं। मेरे पास इसके ऊपर काम करने के लिए कुछ समय है। अभी न्यूज़ीलैंड सीरीज और टी20 विश्व कप आने वाला है। आप सूर्या को वापसी करते हुए जरूर देखेंगे।"

2024 टी20 विश्व कप जीत के बाद रोहित शर्मा की जगह कप्तानी संभालने के बाद से ही सूर्यकुमार का फ़ॉर्म उनका साथ नहीं दे रहा है। पिछले साल दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ तीन पारियों में वह सिर्फ़ एक बार ही 5 का आंकड़ा पार कर सके। इंग्लैंड के ख़िलाफ़ साल की शुरुआत में पांच पारियों में वह दो बार 0 पर आउट हुए और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 14 रहा। सात महीने बाद एशिया कप में सूर्यकुमार ने पाकिस्तान के ख़िलाफ़ 47 रनों की नाबाद पारी खेली लेकिन उसके बाद उनका फ़ॉर्म फ़िर से बिगड़ गया। लेकिन उन्होंने कहा, "मेरा फ़ॉर्म ठीक है, बस रन नहीं बन रहे।"

इसके बाद ऑस्ट्रेलिया में सूर्यकुमार ने चार पारियों में तीन बार 20 का आंकड़ा पार किया और उनका स्ट्राइक रेट 160 से ऊपर रहा। लेकिन घर आते ही दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ उनका बल्ला फ़िर से शांत हो गया और वह सिर्फ़ 8.50 की औसत से रन बना सके। इस सीरीज़ के दौरान भी उनसे फ़ॉर्म के बारे में पूछा गया तो उन्होंने फ़िर से कहा कि वह आउट ऑफ़ फ़ॉर्म नहीं हैं, बस रन नहीं आ रहे।

कृष्णप्पा गौतम ने युवाओं के लिए रिटायरमेंट लिया, वेंकटेश प्रसाद ने निस्वार्थ फैसले को सलाम किया

बेंगलुरु, 22 दिसंबर। ऐसे समय में जब अक्सर टीमें बदलकर या आखिरी मौके की तलाश में करियर को बढ़ाया जाता है, कर्नाटक के ऑलराउंडर कृष्णप्पा गौतम ने एक दुर्लभ, शांत रास्ता चुना। अगली पीढ़ी के लिए रास्ता बनाने के लिए खुद को क्रिकेट से अलग कर लिया। गौतम ने सोमवार को एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में प्रथम श्रेणी और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि यह फैसला किसी मजबूरी से नहीं, बल्कि सोच समझकर लिया गया है। उन्होंने कहा कि यह वही मैदान है जहां वह कभी दर्शक और बॉल बॉय के रूप में खड़े होकर सेंटर विकेट पर खेलने का सपना देखते थे। उन्होंने कहा कि एक खिलाड़ी जिसने कई बार कनार्टक की टीम में वापसी की, यह वापसी उन युवाओं के लिए नुकसानदायक होती है जो टीम का भविष्य हैं। उन्होंने माना, "मेरे पास विकल्प थे, दूसरे राज्य में जाने की संभावना का जिक्र करते हुए। लेकिन मैंने इस पर कभी गंभीरता से विचार नहीं किया।"

गिल, अभिषेक और अर्शदीप, पंजाब की विजय हजारे ट्रॉफी टीम में शामिल

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर। टी 20 विश्व कप टीम से बाहर शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह को पंजाब की 18 सदस्यीय विजय हज़ारे ट्रॉफ़ी टीम में चुना गया है, जो 24 दिसंबर को महाराष्ट्र के ख़िलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे।

इन तीन भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के अलावा, पंजाब ने पावर-हिटर्स और ऑलराउंडरों का एक मजबूत समूह भी चुना है, जिसमें प्रभसिमरन सिंह, नमन धीर, अनमोलप्रीत सिंह, रमनदीप सिंह, सनवीर सिंह और हरप्रीत बराड़ शामिल हैं। गुरनूर बराड़ और कृष भगत ते गेंदबाज़ी आक्रमण की अगुआई करेंगे। गिल, अभिषेक और अर्शदीप की उपलब्धता कितनी रहेगी, यह अभी स्पष्ट नहीं है। भारत को 11 जनवरी से न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ तीन वनडे खेलने हैं। इसके बाद 21 जनवरी से पांच टी20 मैच होंगे। गिल को हाल ही में टी 20 विश्व कप और न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ टी20 सीरी के लिए भारत की टीम से बाहर किया गया है। हालांकि वह वनडे टीम के कप्तान हैं, जबकि अभिषेक और अर्शदीप भारतीय टी20 टीम का नियमित हिस्सा हैं।

पिछले सीजन के क्वार्टर फ़ाइनल में हारने वाली पंजाब टीम अपने सभी सात लीग मैच जयपुर में खेलेगी। 2024-25 सत्र में अर्शदीप टीम के सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज थे। पंजाब के ग्रुप में छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, गोवा और मुंबई जैसी टीमें शामिल हैं। लीग चरण के मुक़ाबले 8 जनवरी को समाप्त होंगे, जो भारत के पहले वनडे से तीन दिन पहले है। पंजाब ने आधिकारिक टीम घोषणा में कप्तान का नाम नहीं बताया है।

पंजाब की विजय हज़ारे ट्रॉफी टीम – शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, अर्शदीप सिंह, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर), हरनूर पन्नू, अनमोलप्रीत सिंह, उदय सहारण, नमन धीर, सलील अरोड़ा (विकेटकीपर), सनवीर सिंह, रमनदीप सिंह, जसनप्रीत सिंह, गुरनूर बराड़, हरप्रीत बराड़, रघु शर्मा, कृष भगत, गौरव चौधरी, सुखदीप बाजवा।

मंधाना 4,000 टी-20 रन बनाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनी

विशाखापत्तनम, 22 दिसम्बर। भारतीय स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने रविवार को विशाखापत्तनम में श्रीलंका के खिलाफ पहले महिला टी20 इंटरनेशनल मैच के दौरान रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया, और महिला क्रिकेट में एक ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया।

बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज टी20 इंटरनेशनल में 4,000 से ज़्यादा रन बनाने वाली पहली भारतीय महिला बन गईं, जो भारतीय क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। कुल मिलाकर, मंधाना इस फॉर्मेट में 4,000 रन के आंकड़े तक पहुंचने वाली दुनिया की दूसरी महिला हैं, जिन्होंने न्यूज़ीलैंड की महान खिलाड़ी सूज़ी बेट्स के साथ यह उपलब्धि हासिल की है, जो फिलहाल 4,716 रनों के साथ इस लिस्ट में सबसे ऊपर हैं।

उन्होंने सिर्फ 3,227 गेंदों में 4,000 टी20 रन बनाए, जो बेट्स से काफी तेज है, जिन्होंने वहां तक पहुंचने के लिए 3,675 गेंदें ली थीं, जो सबसे छोटे फॉर्मेट में मंधाना की निरंतरता और आक्रामक रवैये को दिखाता है।

श्रीलंका के खिलाफ मैच में, मंधाना ने 122 रनों के मामूली लक्ष्य का पीछा करते हुए नौवें ओवर में आउट होने से पहले 25 गेंदों में 25 रन बनाए। हालांकि उनकी पारी छोटी थी, लेकिन यह उन्हें ऐतिहासिक मुकाम तक पहुंचाने के लिए काफी थी। यह मैच पिछले महीने वनडे विश्व कप फाइनल में भारत की यादगार जीत के बाद मंधाना का पहला इंटरनेशनल मैच भी था, जहां उन्होंने दक्षिण अफ्रीका को हराकर अपना पहला खिताब जीता था।

इससे पहले, भारत के गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को छह विकेट पर 121 रन पर रोक दिया। श्रीलंकाई बल्लेबाजों को ढीली गेंदों का फायदा उठाने में मुश्किल हुई और वे कोई बड़ी साझेदारी नहीं बना पाए।

सलामी बल्लेबाज विश्मी गुणरत्ने ने श्रीलंका के लिए सबसे ज़्यादा 39 गेंदों में 43 रन बनाए, जबकि हसिनी परेरा और हर्षिता समरविक्रमा ने क्रमश: 20 और 21 रन बनाए। कप्तान चामरी अथापथु शुरुआत में आक्रामक दिखीं, लेकिन युवा तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने उन्हें आउट कर दिया, जिससे भारत को शुरुआती सफलता मिली।

ओस के कारण गेंद पर पकड़ बनाने में मुश्किल होने के बावजूद, भारत के गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में नियंत्रण बनाए रखा। दीप्ति शर्मा ने अपनी खास इकॉनमी के साथ गेंदबाजी की, जबकि डेब्यू करने वाली वैष्णवी शर्मा ने शांत और नियंत्रित स्पेल से प्रभावित किया, और बहुत कम रन दिए।

स्निको की गड़बड़ियों के बाद स्टार्क ने आईसीसी से कार्रवाई करने का आग्रह किया

एडिलेड, 22 दिसम्बर। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) पर डिसीजन रिव्यू सिस्टम (डीआरएस) की जिम्मेदारी लेने का दबाव डाला है, यह कहते हुए कि टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल में असंगति सिस्टम में विश्वास को कम कर रही है। एडिलेड टेस्ट में रियल टाइम स्निको से जुड़े कुछ संदिग्ध फैसले हुए थे, और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज ने क्रिकेट गवर्निंग बॉडी से इसमें दखल देने का आग्रह किया। ऑस्ट्रेलिया की 82 रन की जीत के बाद, जिससे उन्हें एशेज में 3-0 की बढ़त मिली, स्टार्क ने मौजूदा सिस्टम की संरचना और फंडिंग पर सवाल उठाया। स्टार्क ने कहा कि यह बहस सिर्फ खिलाड़ियों तक सीमित नहीं है, यह देखते हुए कि प्रशंसक, अधिकारी और ब्रॉडकास्टर सभी ने मौजूदा सेटअप से निराशा व्यक्त की है। स्टार्क ने सवाल किया,"मुझे यकीन है कि यह सभी के लिए निराशाजनक है, दर्शकों, अधिकारियों और ब्रॉडकास्टरों के लिए, इसमें कोई शक नहीं।

किर्गियोस ब्रिस्बेन में एटीपी टूर में वापसी करने के लिए तैयार

सिडनी, 22 दिसम्बर। निक किर्गियोस अगले महीने के ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के लिए वाइल्डकार्ड एंट्री मिलने के बाद 10 महीने में अपना पहला एटीपी टूर मैच खेलने के लिए तैयार हैं। फिटनेस की समस्याओं के कारण ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी 2025 में सिर्फ पांच सिंगल्स मैच खेल पाए हैं, जिसमें उनका सबसे हालिया मैच मार्च में मियामी ओपन में करेन खाचानोव से दूसरे राउंड में हार था। ब्रिस्बेन से पहले, वह 28 दिसंबर को महिलाओं की दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका के खिलाफ बैटल ऑफ द सेक्सेस स्टाइल के प्रदर्शनी मैच में खेलकर सुर्खियों में लौटेंगे। बीबीसी स्पोर्ट के अनुसार, 30 वर्षीय खिलाड़ी जनवरी में मेलबर्न में कूयोंग क्लासिक वार्म-अप प्रदर्शनी इवेंट में भी हिस्सा लेंगे, क्योंकि वह ऑस्ट्रेलियन ओपन में संभावित वापसी की दिशा में काम कर रहे हैं। किर्गियोस पिछले कुछ सालों में कई गंभीर चोटों से जूझ रहे हैं और उनकी वर्ल्ड रैंकिंग गिरकर 673 हो गई है।

सीसीआई वेस्टर्न इंडिया स्क्वैश में राजस्थान के खिलाड़ियों का दबदबा, दो स्वर्ण सहित पांच पदक जीते

जयपुर, 22 दिसम्बर। राजस्थान स्क्वैश एकेडमी के खिलाड़ियों ने अपना दबदबा कायम करते हुए मुम्बई में रविवार को संपन्न 80वीं सीसीआई वेस्टर्न इंडिया स्क्वैश चैंपियनशिप में दो स्वर्ण समेत पांच पदक अपने नाम किए। राजस्थान स्क्वैश एकेडमी की संचालक और पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी सुरभि मिश्रा ने सोमवार को यहां बताया कि एकेडमी के धैर्य गोगिया ने बॉयज अंडर-13 वर्ग के फाइनल में महाराष्ट्र के एरन आरंभन को सीधे सेटों में 11-5, 17-15, 11-5 से हरा स्वर्ण पदक जीता। वहीं मिक्स्ड अंडर-9 कैटेगरी में अमय महाजन ने वैभव वीसी को 11-9, 11-3, 11-5 से हरा स्वर्ण पदक अपने नाम किया। फरीद अन्द्राबी ने बॉयज अंडर-15 कैटेगरी में रजत पदक हासिल किया। फरीद को फाइनल में टॉप सीड महाराष्ट्र के विवान खन्ना से 5-11, 11-8, 11-7, 11-7 से हार के साथ रजत पदक से संतोष करना पड़ा। उन्होंने बताया कि अपनी कैटेगरी से ऊपर खेली एकेडमी की दिव्यांशी जैन ने लड़कियों के अंडर-15 वर्ग में कांस्य पदक हासिल किया। दिव्यांश ने कांस्य पदक के लिए खेले मुकाबले में महाराष्ट्र की आशी शाहको 14-12, 13-11, 11-6 से शिकस्त दी। एकेडमी के युवान वर्मा ने भी बॉयज अंडर-11 कैटेगरी में दिल्ली के रुद्रांश प्रभाकर को पांच सेटों तक चले कड़े मुकाबले में 5-11, 11-5, 15-17, 11-5, 11-6 से हरा कांस्य पदक अपने नाम किया। इनके अलावा एकेडमी की गौरी जायसवाल गर्ल्स अंडर-15, इनाया अन्द्राबी गर्ल्स अंडर-11 और लक्षाण्या राजावत मिक्स्ड अंडर-9 कैटेगरी में पांचवें स्थान पर रहीं।

स्पेन 2025 में फीफा विश्व रैंकिंग में रहा टॉप पर, भारत 142वें स्थान पर

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड), 22 दिसम्बर। सितंबर 2025 में टॉप स्थान हासिल करने के बाद स्पेन अभी भी विश्व चैंपियन अर्जेंटीना से आगे है जबकि भारत विश्व रैंकिंग में अपने 142वें स्थान पर कायम है। स्पेन (पहला, अपरिवर्तित) सितंबर में दूसरे स्थान पर मौजूद अर्जेंटीना (दूसरा, अपरिवर्तित) को हटाकर टॉप पर बना हुआ है, जबकि फ्रांस (तीसरा, अपरिवर्तित) साल के आखिर की लाइन-अप में पोडियम पूरा करता है। फीफा/कोका-कोला पुरुष विश्व रैंकिंग का दिसंबर 2025 एडिशन – साल का आखिरी – हाल ही में हुए 42 अंतरराष्ट्रीय मैचों के बाद जारी किया गया है, जिसमें फीफा अरब कप कतर 2025 सेंटर स्टेज पर रहा।

दोहा, कतर में क्षेत्रीय खिताब जीतने के बाद, मोरक्को (11वां, अपरिवर्तित) अप्रैल 1998 के बाद पहली बार टॉप 10 में जगह बनाने से बस थोड़ा ही पीछे है, जो क्रोएशिया (10वां, अपरिवर्तित) से सिर्फ 0.54 अंकों से पीछे है। क्रोएशिया के साथ, टॉप 10 में शामिल अन्य देश इंग्लैंड (चौथा), ब्राज़ील (पांचवां), पुर्तगाल (छठा), नीदरलैंड (सातवां), बेल्जियम (आठवां) और जर्मनी (नौवां) अपरिवर्तित रहे। सबसे बड़ी छलांग रैंकिंग में नीचे की ओर लगी, जिसमें सिर्फ तीन टीमों ने एक से ज़्यादा स्थान ऊपर चढ़ाई की: जॉर्डन (64वां, 2 स्थान ऊपर), जिसने फीफा अरब कप 2025 में उपविजेता रहने से पहले एटलस लायंस को कड़ी टक्कर दी, वियतनाम (107वां, 3 स्थान ऊपर) और सिंगापुर (148वां, 3 स्थान ऊपर)। कोसोवो (80वां, अपरिवर्तित) 89.02 अंक हासिल करके साल की सबसे बेहतरीन टीम के रूप में उभरी, जो किसी भी अन्य टीम से ज़्यादा है, 2025 में 10 मैचों में सात जीत और दो ड्रॉ के अपने शानदार रिकॉर्ड के कारण। कुल मिलाकर, उन्होंने 2025 में साल की सबसे बड़ी 19 स्थानों की छलांग लगाई। अन्य बेहतरीन प्रदर्शन करने वालों में नॉर्वे (29वां, अपरिवर्तित) शामिल है, जिसने 68.70 अंक हासिल किए, और सूरीनाम (123वां, अपरिवर्तित), जो दिसंबर 2024 की रैंकिंग के बाद से 15 स्थान ऊपर चढ़ गया है।

डॉ. आनंदेश्वर एशियन हैंडबॉल फैडरेशन के कौंसिल मेंबर चुने गए, चार साल का कार्यकाल रहेगा

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर। साउथ एशियन हैंडबॉल फेडरेशन के महासचिव एवं हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डॉ. आनंदेश्वर पांडे कैरो में संपन्न हुई एशियन हैंडबॉल फेडरेशन की आर्डिनरी कांग्रेस में चार वर्ष (2025-2029) के लिये कौंसिल मेम्बर निर्वाचित हुए। एशियन हैंडबॉल फेडरेशन में पाँच कौंसिल मेम्बर होते है उसमें से एक डॉ. आनंदेश्वर पांडे है।

हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के महासचिव डॉ. तेजराज सिंह ने बताया कि बड़े गर्व की बात है कि एशियन हैंडबॉल फेडरेशन में पद्मश्री डॉ. आर. एल. आनंद के बाद डॉ. आनंदेश्वर पांडे दूसरे व्यक्ति है जिन्हें यह मजबूत पद मिला है। इस पद की प्राप्ति से एशियन हैंडबॉल फेडरेशन में भारत की स्थिति और मजबूत होगी। इस कांग्रेस में एशिया महाद्वीप के 36 देशों ने भाग लिया था। नवनिर्वाचित बोर्ड ऑफ़ डायरेक्टर्स:- डॉ. आनंदेश्वर पांडे (इंडिया), मोहम्मद गुलदार (यूएई), डॉ. अहमद (इराक़), डॉ. चुंग हायकुंग (कोरिया), आमिर अलबरवानी (ओमान)।

डॉ. तेजराज सिंह ने बताया कि कैरो (इजिप्ट) में अलग अलग समय पर इंटरनेशनल हैंडबॉल फेडरेशन, एशियन हैंडबॉल फेडरेशन, कॉमनवेल्थ हैंडबॉल फेडरेशन एवं साउथ एशियन हैंडबॉल फेडरेशन की बैठकें हुई। इन सभी बैठकों में भारत ने प्रतिनिधित्व करते हुए महत्वपूर्ण सुझाव भी दिये। साउथ एशियन हैंडबॉल फेडरेशन की बैठक में सर्वसम्मति से आगामी चार साल की कार्यकारिणी के गठन की सहमति बनी और इसके लिये साउथ एशियन हैंडबॉल फेडरेशन के महासचिव डॉ. आनंदेश्वर पांडे को अधिकृत किया गया है। वे जल्द ही कार्यकारिणी की घोषणा करेंगे।

नोएडा के गोल्फर सुखमन ने जीती आईजीयू 124वीं एमेच्योर चैम्पियनशिप ऑफ इंडिया

कोलकाता, 22 दिसम्बर। नोएडा के गोल्फर सुखमन सिंह ने रविवार को यहां टॉलीगंज क्लब में प्रतिष्ठित आईजीयू 124वीं एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप ऑफ इंडिया जीतकर क्रिसमस का जश्न पहले ही मना लिया। सुखमन ने 36-होल के फाइनल में हरियाणा के हरमन सचदेवा को हराकर शानदार प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने 29 होल के बाद 7अप की अजेय बढ़त बना ली थी। आईजीयू 124वीं एमेच्योर गोल्फ चैंपियनशिप ऑफ इंडिया, इंडियन गोल्फ यूनियन द्वारा आयोजित दुनिया की सबसे लंबे समय तक चलने वाली एमेच्योर मैचप्ले चैंपियनशिप है। एक बेहतरीन पटर और शानदार लॉन्ग गेम के साथ, सुखमन ने फाइनल की शुरुआत से ही फ्लैग पर अटैक करना जारी रखा। वह छठे होल तक बराबरी पर थे।

दुधालिया में महिला सशक्तिकरण जनसभा में मुख्यमंत्री भजनलाल ने कांग्रेस पर निशाना साधा

झालावाड़ जिले में पहली बार एक मंच पर नज़र आये वर्तमान व पूर्व मुख्यमंत्री

झालावाड़, 22 दिसंबर (निसं)। राज्य सरकार के दो वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर जिले के डग क्षेत्र की ग्राम पंचायत दुधालिया में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के मुख्य आतिथ्य में महिला सशक्तिकरण सम्मेलन एवं जनसभा का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की भागीदारी देखने को मिली।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने जनसभा में अरावली विवाद पर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कहा कि केवल डीपी बदलने और ट्वीट करने से काम नहीं चलता, हमारी सरकार काम करके दिखाती है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सोमवार को झालावाड़ जिले की ग्राम पंचायत दुधालिया में आयोजित महिला सशक्तिकरण सम्मेलन शामिल हुए। इस अवसर पर सांसद दुष्यंत सिंह, प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी भी मौजूद थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में नौकरियों में भारी भ्रष्टाचार हुआ, जबकि उनकी सरकार में एक भी पेपर लीक नहीं हुआ।

मुख्यमंत्री ने अरावली विवाद को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल डीपी बदलने और ट्वीट करने से काम नहीं चलता, हमारी सरकार काम करके दिखाती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस भ्रम फैलाने का काम कर रही है।

कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने क्षेत्रवासियों को धन्यवाद देते हुए कहा कि दुधालिया एक पुण्य भूमि है। उन्होंने कहा कि राजस्थान आज विकास की दौड़ में अग्रणी राज्यों में शामिल है।

सांसद दुष्यंत सिंह ने स्वागत उद्बोधन में मुंबई कॉरिडोर से जुड़ने वाली सड़कों, सिंचाई, पर्यटन, मेडिकल सुविधाओं और अभयारण्यों के विकास की मांग रखी। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री ओटाराम देवासी सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

झालावाड़ जिले में आयोजित इस कार्यक्रम में पहली बार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एक मंच पर नजर आए। दो वर्षों के कार्यकाल में यह पहला अवसर रहा जब दोनों नेताओं की संयुक्त उपस्थिति जिले में हुई, जिसे राजनीतिक दृष्टि से भी अहम माना जा रहा है।

वनरक्षक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करतारपुरा स्थित किराए के मकान पर पहली पारी के दो अभ्यर्थियों को लीक पेपर पढ़ाया था। दूसरी पारी के दो अभ्यर्थियों को लालसोट रोड पर पेपर पढ़ाया था, जिनमें से एक उसका साला सौरभ कुमार मीणा था।

एसओजी की जांच में पता चला कि जेडीए के लेखाकार अमन ने जबराराम के एक सहयोगी से लीक पेपर हासिल किया था। लीक पेपर पढ़ाने के बदले उसने चारों अभ्यर्थियों से 9.50 लाख रुपए लिए। अब एसओजी ने अमन जोरवाल और सौरभ कुमार मीणा को गिरफ्तार कर लिया है।

क्या बंगाल में भाजपा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के भाजपा –विरोधी रुझान को समाप्त करने में सक्षम सिद्ध होंगे।

बिहार के विपरीत, भाजपा द्वारा पश्चिम बंगाल में अवैध प्रवासियों के मुद्दे पर अधिक आक्रामक रणनीति अपनाने की संभावना है, क्योंकि भौगोलिक दृष्टि से यह राज्य बाँग्लादेश से जुड़ा हुआ है। हाल ही में कोलकाता में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने भी इस बहस को उठाया था, जब उन्होंने बांग्लादेशी घुसपैठियों से खतरों के मद्देनजर हिंदुओं से एकजुट होने की अपील की। भागवत ने यह भी कहा था कि "भारत पहले से ही एक हिंदू राष्ट्र था" तथा यह चीज कोई अर्थ नहीं रखती कि संसद में इसे हिन्दू राष्ट्र घोषित करने का कानून पारित होता है या नहीं।

- **शायद भाजपा को भी इस नीति पर भरोसा कुछ कम है इसीलिए पार्टी जोर शोर से अवैध घुसपैठियों का मुद्दा उठा रही है, और भाजपा के नेता उग्र बयान दे रहे हैं।**
- **इससे एक बात साफ है कि बंगाल के चुनाव ना केवल ध्रुवीकरण की ओर, बल्कि बेहद संवेदनशील चुनावी माहौल की तरफ बढ़ते लग रहे हैं।**

ऐसी जोशपूर्ण बयानबाजी आने वाले हफ्तों में भी जारी रहने की संभावना है, क्योंकि भाजपा के नेताओं, जिसमें केन्द्रीय मंत्री भी शामिल हैं, के बड़ी संख्या में राज्य में आने की संभावना है। बंगाल सांप्रदायिक ध्रुवीकरण, या कहें कि, एक संवेदनशील चुनावी माहौल की ओर बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है।

ऐथनॉल ब्लैंडिंग में 20 प्रतिशत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके बाद है ब्राज़ील, जिसकी हिस्सेदारी 33.2 बिलियन लीटर (28.1 प्रतिशत) है। भारत तीसरे स्थान पर है, और चीन (4.5 बिलियन लीटर), कैनडा (1.8 बिलियन लीटर), और थाईलैंड (1.4 बिलियन लीटर) से आगे है।

ईएसवाई 2025-26 के लिए तेल विपणन कंपनियों द्वारा जारी निविदाओं के अनुसार, भारत अब ऐथनॉल की सरप्लस आपूर्ति के साथ आगे बढ़ रहा है, जिससे और अधिक लाभ हासिल किया जा सकता है।

कुल मांग 1,350 करोड़ लीटर (जिसमें ईबीपी के लिए 1,050 करोड़ लीटर शामिल हैं) तथा आपूर्ति की पेशकश 1,775 करोड़ लीटर की है और स्थापित क्षमता 1,900 करोड़ लीटर है। यह सरप्लस विविध फीडस्टॉक आपूर्ति के कारण संभव हो पाया है, जो स्थिर और सतत आपूर्ति सुनिश्चित करता है, जैसे मक्का: 46 प्रतिशत, एफसीआई चावल: 22 प्रतिशत, गन्ने का रस: 16 प्रतिशत और अन्य: 16 प्रतिशत।

11 नवम्बर 2025 को संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान, राज्य सभा सांसद पीवी वीत्तिल अब्दुल वहाब ने सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से पूछा कि क्या ऐथनॉल ब्लैंडेड पेट्रोल का वाहनों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव हो सकता है। गडकरी ने अपने लिखित उत्तर में कहा कि "आईओसीएल, एसआईएएम और एआरएआई द्वारा ई 20 पर किए गए अध्ययन से यह पता चला है कि वाहनों ने प्रदर्शन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नताएँ नहीं दिखाई दी हैं, और वाहनों के कल पुर्जों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है।" बीएस6 चरण-2 के अनुरूप वाहन या जिन पर ई20 स्टिकर लगा है, वे 20 प्रतिशत तक के एथनॉल ब्लैंड को संभाल सकते हैं। समस्या पुरानी कारों के साथ है। हालांकि, यह माइलेज पर असर डाल सकता है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि ईंधन दक्षता में केवल 2-4 प्रतिशत की मामूली कमी होगी।

मोर का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अंजना सुखवाल, पुलिस उप अधीक्षक राजीव राहर के सुपरविजन तथा ऋषभदेव थानाधिकारी हेमंत अहारी के नेतृत्व में एएसआई रमेश ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमाण्ड पर लिया है।

'आईपीएस ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने जिन मामलों की वजह से उनका प्रमोशन रोका है, उनकी जांच अभी तक पूरी नहीं हुई है। जबकि कोर्ट ने पहले भी इन केसों की जांच समयबद्ध तरीके से पूरी करने के आदेश दिए थे, लेकिन सरकार ने ऐसा नहीं किया और जानबूझकर उनकी पदोन्नति रोक रखी है।

संसदीय समिति मनरेगा तथा वीबी-जी राम जी की समीक्षा करेगी

नयी दिल्ली, 22 दिसंबर। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज पर संसद की स्थायी समिति ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोज़गार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) और विकसित भारत – गारंटी फॉर रोज़गार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी – जी राम जी) अधिनियम की समीक्षा करने के लिये 29 दिसंबर की प्रस्तावित बैठक में ग्रामीण विकास विभाग (ग्रामीण विकास मंत्रालय) के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया है।

इस नये कानून का मकसद ग्रामीण रोजगार और आजीविका गारंटी के लिये एक नया ढ ांचा देना है। इसे दो मुख्य आधारों पर विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ा है। पहला यह कि यह प्रभावी रूप से महात्मा गांधी के नाम पर चल रहे प्रमुख ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम की जगह लेता है और उसे खत्म करता है। दूसरा यह कि नया अधिनियम पुरानी योजना से गांधी का नाम हटाता है, जिससे सरकार की मंशा पर विवाद खड़ा हो गया है।

- **ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज की स्थाई समिति ने 29 दिसम्बर की बैठक में ग्रामीण विकास विभाग के अधिकारियों को लिया गया है।**

ऐथनॉल ब्लैंडिंग की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राजनीतिक अभियान बताया है, जिसे पेट्रोल लॉबी चला रही है, क्योंकि ईंधन आयात कम होने से उनके कारोबार पर असर पड़ा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके बेटों की कंपनियों की हिस्सेदारी देश के कुल एथेनॉल उत्पादन में 0.5 प्रतिशत से भी कम है और एथेनॉल की कीमतें केन्द्रीय मंत्रिमंडल तय करता है, न कि उनका मंत्रालय। राष्ट्रीय हित का हवाला देते हुए गडकरी ने कहा कि यह नीति देश को ईंधन आयात पर लगभग 22 लाख करोड़ रुपये की बचत कराती है, प्रदूषण कम करती है और इसके कारण किसानों की आय में सालाना लगभग 45,000 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। व्यक्तिगत ईमानदारी के सवाल पर उन्होंने कहा कि उनके "दिमाग की कीमत 200 करोड़ रुपये प्रति महीना है" और उन्हें कमाई के लिए किसी तरह की धोखाधड़ी करने की जरूरत नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट ने ई20 नीति को लागू करने वाली नीति को चुनौती देने वाली जनहित याचिका को खारिज कर दिया है और कहा है कि ऐसे नीतिगत फैसले सरकार के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

इसके साथ ही ए.आर.ए.आई. (ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया) और सियाम (सोसाइटी ऑफ इण्डियन ऑटोमोबाइल एसोसिएशन) जैसी सरकारी संस्थाओं ने अपनी रिपोर्ट में दावा किया है कि अगर कैलिब्रेटेड गाड़ियों में ई20 फ्यूल का इस्तेमाल किया जाए तो इंजन परफॉर्मेंस पर इसका कोई खास नैगेटिव असर नहीं पड़ता है।

नीति के स्तर पर भारत ने 2025 में ही 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का लक्ष्य हासिल कर लिया है, जो पहले 2030 तक तय किया गया था।

'भारत हिंदू राष्ट्र है'

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

संस्कृति का सम्मान करता है। जब तक हिंदुस्तान की धरती पर एक भी ऐसा व्यक्ति जीवित है जो अपने भारतीय पूर्वजों की महानता में विश्वास करता है और उसे सहेज कर रखता है, तब तक भारत हिंदू राष्ट्र है। यही संघ की विचारधारा है। उन्होंने आगे कहा, अगर संसद कभी संविधान में संशोधन कर उस शब्द को जोड़ने का फैसला करती है, तो चाहे जो हो, हमें उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हमें उस शब्द की परवाह नहीं है, क्योंकि हम हिंदू हैं और हमारा राष्ट्र हिंदू राष्ट्र है। यही सच्चाई है। जन्म पर आधारित जाति व्यवस्था हिंदुत्व की पहचान नहीं है।

बीएमसी ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

वाली महा विकास अघाड़ी का हिस्सा है, को स्वतंत्र रुप से सीटों में कोई हिस्सेदारी नहीं मिली है।

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908